



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I— खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 15]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 13, 2014/पौष 23, 1935

No. 15]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 13, 2014/PAUSH 23, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 2014

प्रारम्भिक जांच परिणाम

विषय:—चीन जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य और थाईलैंड के मूल के या वहाँ से निर्यातित 12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं, के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

फा सं. 14/7/2012—डीजीएडी:—समय—समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय—समय पर यथासंशोधित सीमा—शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः एल्यूमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने मैसर्स सिनरजीज कास्टिंग लि. के प्रतिनिधित्व वाले घरेलू उद्योग की ओर से एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य और थाईलैंड (जिन्हें आगे सम्बद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित 12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं (जिन्हें आगे सम्बद्ध वस्तु भी कहा गया है), के पाटन का आरोप लगाया गया है और सम्बद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

3. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार सम्बद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 10 दिसम्बर, 2012 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

क. प्रक्रिया

4. वर्तमान जांच की शुरुआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है—
 - i. उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित सम्बद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को सूचित किया।

- ii. उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के उपबंधों के अलावा कोरिया गणराज्य की सरकार को भारत और कोरिया गणराज्य के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीपा) के अनुच्छेद 2.14 के उपबंधों के अनुसार सम्बद्ध आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित उसके दूतावास के जरिए सूचित किया गया था।
- iii. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार सम्बद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 10 दिसम्बर, 2012 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।
- iv. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों, भारत में सम्बद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्ताओं, घरेलू उत्पादकों और अन्य ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के पास लिखित में उत्तर दायर करने और अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध करते हुए भेजी गई थी।
- v. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 (3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई।
- vi. निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की प्रति इस अनुरोध के साथ निर्यातकों के नाम और पते सहित भारत स्थित सम्बद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों के पास भी भेजी गई थी कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- vii. चूंकि सम्बद्ध देशों के कई उत्पादकों/निर्यातकों ने सम्बद्ध जांच में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की थी, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) तथा डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 6.10 के अंतर्गत नमूने का सहारा लिया था।
- viii. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ-साथ भारत स्थित सम्बद्ध दूतावासों/प्रतिनिधियों के लिए प्रति सहित नमूना प्रश्नावली सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी गई थी और उन्हें इसे भरने तथा पत्र की तारीख से 15 (पंद्रह) दिन के भीतर प्राधिकारी को इसे उपलब्ध कराने की सलाह दी गई थी।
- ix. नमूना प्रश्नावली के साथ जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के पास भेजी गई थी।

चीन जनगण

क. बाओडिंग लिझांग व्हील मैन्यूफैक्चर कम्पनी लिलो

ख. डेयर टेक्नॉलॉजी कम्पनी लिलो

ग. डनयांग कम्पनी

घ. यी इंटरनेशनल लिलो

ड. सिटिक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कं0लिलो

च. वाई एस एम व्हील्स कार्पॉलो लिलो

छ. झोझियांग बाओकांग व्हील्स मैन्यूफैक्चर कं0लिलो

ज. बाओस आटापार्टस कं0लिलो

झ. चिपिंग जिनफा एल्यूमिनियम प्रोडक्ट कं0लिलो

ट. फ्रीमैन रेसिंग व्हील्स

ठ. सानडांग वेस्टन आरोमोटिव पार्ट्स कं0लिलो

ड. यूनिरेसिंग (निंगबो) मैन्यू0कं0लिलो

ढ. निंगबो जिंगगांग मशीनरी कं0लिलो

ण. विवंडागो होमसाइन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0लिलो

त. लिंगबो कीयू स्पेशल व्हील कार्पॉलो

थ. झेजियांग बोयांग आटो व्हील्स कं0 लिलो

द. चाइन जैनिक्स आटो इंटो लिलो

ध. विवंगडाओ डॉगवा कास्टिंग इंक

न. डेयर व्हील मैन्यू0 कं.लिलो

प. हुआताई (जियांगमैन) एल्यूमिनियम प्रोडक्ट कं0लिलो

फ. सनमेंग जिया डिकास्टल व्हील मैन्यू कं0लिलो

ब. शंघाई जिनहेली एल्यूमिनियम व्हील हब मैन्यू0कं0लिलो

भ. ल्यूफैंग मशीनरी इंड.कं.लिलो

म. फोसानं ननहाई झाँगन एल्यूमिनियम व्हील कं0लि0

य. चाइना जैनिक्स आटो इंटरनेशनल लि0

कोरिया गणराज्य

क. कोरिया व्हील टैक कं0लि0

ख. सेमसंग आटो डिसमैटलिंग कम्पनी लि0

ग. जी एस कार्पोरेशन

घ. यूनिवैल कार्पोरेशन

ड मिराय ट्रेडिंग कं0लि0

च. रेनबो इंड0कं0 लि0

छ. इस्टर्न प्याइंट

ज. एम एच इंटरनेशनल

झ. वामोटर्स कं0लि0

ट. उनहवा कॉमर्स इंक

ठ. एलक्स कं0लि0

थाइलैंड

क. सामित्र बंगयाई आटो पार्ट एंड इम्पोर्ट कं0लि0

ख. ई जी वर्ल्ड सा ट्रेडिंग लिमिटेड पार्ट

ग. सदर्न क्रॉस इंटरप्राइजेज

घ. डब्ल्यू सी कंपनी लि0

ड द रैप कं0

च. टानट नेटफैन्ट

छ. टाइटा इंटरप्राइज कं0लि0

ज. आई सी प्याइंट

झ. टी एन पी आटो पार्ट्स कं0लि0

ट. टैक नेट कार्प एशिया कं0 लि0

ठ. हाइपर सिलवर्स एंड क्रोम पेंट्स

ड. एंकी

X. सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने संगत सूचना के साथ नमूना प्रश्नावली प्रस्तुत की :—

चीन जनवादी गणराज्य

क. सेएन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) कम्पनी लि0, चीन जन. गण.

ख. शंघाई जनरल मोटर्स कार्पो. लि0, पुडांग, शंघाई, चीन जन. गण.

ग. सिटिक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कं0लि0, विवन वांग डाउ, हेवाई चीन जन. गण.

घ. साइक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कं0 लि0, ग्वांगसी, चीन जन. गण.

ड झेझियांग यूलिंग कं0लि0, वैनलिंग, झेझियांग, चीन जन. गण.

च. सिटिक डिकास्टल कं0लि0, विवन वांग डाउ, चीन जन. गण.

छ. झेझियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चर कं0लि0, वांगझाई टांग, वोवी, झेझियांग, चीन जन. गण.

ज. झेझियांग जेंट आटो व्हील कं0 लि0, यांगकांग सिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.

झ. झेझियांग बोयांग आटो व्हील कं0लि0, वेस्ट सिटी, यांगकांग, झेझियांग, चीन जन. गण.

ट. झेझियांग जिनफाई कैडा व्हील कं0लि0, जिनहुआ सिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.

ठ. वूकसीसिटी वानजुआन मैटल प्रोडक्टशन कं0लि0, वोकसीसिटी, जियांगसू, चीन जन. गण.

ड. झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील कं0लि0, वूईसिटी, झेझियांग, चीन जन. गण.

ढ. झेझियांग सूंग इयांग, इंड0 कं0लि0, वूई, झेझियांग, चीन जन. गण.

ण. लियोफंग इंटरनेशनल कार्पोरेशन कुनसांग डेवलपमेंट जॉन, जियांगसू, प्रांत, चीन जन. गण.

थ. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कं0 लि0, बाउडिंग, हेबाई, चीन जन. गण.

द. जियांगयांग हैंगडे आटोपार्ट्स कं0 लि0, जियांगयांग, हेबाई प्रांत, चीन जन. गण.

ध. कुनसान ल्यूफैंग मशीनरी इंड0कं0लि0, सुज़ाउ सिटी, जियांगसू, प्रांत, चीन जन. गण.

कोरिया गणराज्य

क. आरटिजन स्प्रिट एंड एलाय कं0 लि0, वांजु—गन, चुनबुक, कोरिया गण.

ख. जी एम कोरिया कं0, बूपीयोंग – जी यू, इंचियन, कोरिया गण.

ग. हैंड्स कार्पोरेशन, गाजवा डॉग सियोगु, इंचियन, कोरिया गण.

घ. हुंडई गिलोविश कं0 लि0, गंगनाम जि यू, सियोल, कोरिया गण.

XI. थाइलैंड के उत्पादकों/निर्यातकों से कोई नमूना प्रश्नावली प्राप्त नहीं हुई थी।

XII. प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के नमूने लिए गए थे :—

- i. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कं0 लि0, चीन जन. गण.
- ii. सिटिक डिकास्टल कं0लि0, चीन जन. गण.
- iii. झेझियांग यूलिंग कं0लि0, चीन जन. गण.
- iv. झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील कं0लि0, चीन जन. गण.
- v. झेझियांग बोयांग आटो व्हील कं0लि0, चीन जन. गण.
- vi. आरटिजन स्प्रिट एंड एलाय कं0 लि0, कोरिया गण.
- vii. जी एम कोरिया कं0, कोरिया गण.
- viii. हैंड्स कार्पोरेशन, कोरिया गण.
- ix. हुंडई गिलोविश कं0 लि0, कोरिया गण.

XIII. सम्बद्ध देशों के नमूनाशुदा निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने संबंधित/सम्बद्ध पक्षकारों के साथ निर्यातक प्रश्नावली और एम ई टी (यथाप्रयोज्य) उत्तर दायर किया है।

चीन जन.गण.

- i. सिटिक डिकास्टल कं0लि0
- ii. झेझियांग यूलिंग कं0लि0
- iii. झेझियांग बोयांग आटो व्हील कं0लि0
- iv. झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील कं0लि0
- v. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कं0 लि0 ने सम्बद्ध कंपनियों अर्थात् हेवाई लिजहांग नॉन फेरस मैटल ग्रुप कं0लि0 (कच्ची सामग्री का संबंधित आपूर्तिकर्ता), विवन हुआंग डाओ डिकास्टल व्हील कं0लि0, तेयानजिन डिकास्टल व्हील मैन्यू0कं0लि0 और तेयानजिन लिजहांग व्हील कं0लि0 के एम ई टी उत्तर के साथ।

कोरिया गणराज्य

- i. आरटिजन स्प्रिट एंड एलाय कं0 लि0(उत्पादक)
- ii. जी एम कोरिया कं0 (निर्यातक)
- iii. हैंड्स कार्पोरेशन (उत्पादक)
- iv. हुंडई गिलोविश कं0 लि0 (निर्यातक)

XIV. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हुंडई ग्लोविस कं0लि0, कोरिया गणराज्य के जरिए निर्यात करने वाली हैंड्स कार्पोरेशन, कोरिया गणराज्य (उत्पादक) ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कं0लि0, चीन जन0गण0 द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने वाली हुंडई ग्लोविस कं0लि0 (निर्यातक), कोरिया गणराज्य ने संबंधित चीन के उत्पादक के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है।

XV. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य का प्रतिवादी निर्यातकों में से एक निर्यातक मैसर्स जी एम कोरिया कं0 ने दो उत्पादकों अर्थात् मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट अलॉय कं0 लि0, कोरिया गण. और मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कं0लि0, कोरिया गणराज्य से खरीद कर सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया है। यद्यपि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड अलॉय कं0लि0, जिसका हिस्सा जांच अवधि के दौरान जी एम कोरिया कं0 द्वारा भारत को किए गए कुल निर्यातों का 1 प्रतिशत से कम बनता है, ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। तथापि, मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कंपनी भी, कोरिया गणराज्य, जिसका हिस्सा जी एम कोरिया कंपनी द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए कुल निर्यातों का 99 प्रतिशत है, ने उत्तर दायर नहीं किया है। मैसर्स जी एम कोरिया को स्थिति स्पष्ट करने के लिए कमी संबंधी पत्र के जरिए अवसर प्रदान किया गया था। तथापि, कंपनी ने वर्तमान जांच में मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कं0लि0, कोरिया गणराज्य द्वारा असहयोग के बारे में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट अलॉय कं0 लि0, कोरिया गणराज्य ने भी कीमत/लागत के बारे में पूर्ण सूचना दायर नहीं की है। उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चूंकि जिस निर्यात मात्रा के बारे में उत्तर दायर किया गया है, वह नगण्य है और निर्यात कीमत पर मैसर्स डे यू स्मार्ट एल्यूमिनियम कं0लि0, कोरिया गणराज्य, जिसका हिस्सा जांच अवधि के दौरान जी एम कोरिया कंपनी द्वारा भारत को किए गए सम्बद्ध वस्तु के निर्यात की कुल मात्रा का 99 प्रतिशत बनता है, से उत्तर के अभाव में प्रतिनिधिक निर्यात कीमत के

रूप में विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए प्राधिकारी मैसर्स जी एम कोरिया कं0, कोरिया गणराज्य (निर्यातक) द्वारा दायर उत्तर को स्वीकार नहीं करते हैं। यह नोट किया जा सकता है कि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड अलॉय कं0लि0 (उत्पादक) ने पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद प्राधिकारी द्वारा निर्धारित परिशिष्टों के अनुसार लागत/कीमत के बारे में सूचना दायर नहीं की है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड अलॉय कं0लि0 (उत्पादक) के उत्तर को भी स्वीकार नहीं किया है।

XVI. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि मैसर्स सैक जी एम वोलिंग आटो मोबाइल कं0लि0, चीन जन.गण. और सैक जी एम वोलिंग (लिनझोउ)इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कं0लि0, चीन जन.गण. द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर स्वीकार नहीं किया गया था, किन्तु नमूना प्रक्रिया में उक्त पक्षकारों के नमूने नहीं लिए गए थे। इसके अलावा, निर्यातक प्रश्नावली के अपनी उत्तरों में उक्त पक्षकारों ने सिटिक डिकास्टल कं0लि0, चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने और मैसर्स जी एम इंडिया को निर्यात करने का दावा किया है। तथापि, सिटिक डिकास्टल कं0लि0, चीन जन.गण. द्वारा दायर किए गए निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर से बिक्री माध्यम के रूप में मैसर्स सैक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कं0लि0, चीन जन.गण. और सैक जी एम वूलिंग (लिनझोउ) इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कं0लि0, चीन जन.गण. के जरिए किए गए निर्यात का पता नहीं चलता है। जैसा कि सिटिक डिकास्टल कं0लि0 ने बाद में स्पष्ट किया था कि सम्बद्ध वस्तु में से कुछ की घरेलू बिक्री सैक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कं0लि0, चीन को की गई थी। परन्तु उन्होंने इस बात की पुष्टि करने में असमर्थता व्यक्त की कि क्या उक्त वस्तु का निर्यात भारत को किया गया था। अतः प्राधिकारी मैसर्स सैक जी एम वूलिंग आटोमोबाइल कं0लि0, चीन जन.गण. और सैक जी एम वूलिंग (लिनझोउ) इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कं0लि0, चीन जन.गण. द्वारा दायर उत्तरों को स्वीकार नहीं करते हैं।

XVII. प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और/अथवा उपभोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी गई थी—

- i. एंकी कैस्टलॉय लि0
- ii. निओ व्हील्स
- iii. आकार कास्टिंग प्रा0लि0
- iv. वोल्कवेगन इंडिया प्रा0लि0
- v. फोर्ड इंडिया प्रा0लि0
- vi. जनरल मोटर्स इंडिया प्रा0लि0
- vii. हुंडई मोटर इंडिया लि0
- viii. टोक्यो किरलोस्कर मोटर प्रा0लि0
- ix. फिएट इंडिया आटोमोबाइल्स लि0
- x. हिंदुस्तान मोटर्स लि0
- xi. बी एम डब्ल्यू इंडिया
- xii. टाटा मोटर्स लिमिटेड
- xiii. डेमियर इंडिया प्रा0लि0
- xiv. स्कोडा आटो इंडिया प्रा0लि0
- xv. होंडा सील कार्स इंडिया लि0
- xvi. रिनॉल्ड निशान टेक्नॉलाजी एंड बिजनेस सेंटर इंडिया प्रा0लि0
- xvii. साई मैग व्हील्स
- xviii. प्रेस्टीज डिजाइन
- xix. मरवाह ट्रेडर
- xx. दि आटोमोटिव कम्पोनेंज मैन्यूफैक्चरर्स (एस आई ए एम)
- xxi. सिरोमणि ट्रेडर प्रा0लि0
- xxii. रॉकफोर्ड व्हील्स
- xxiii. सुकमनी व्हील्स
- xxiv. सुकमनी एंटरप्राइजेज
- xxv. परफैक्ट इम्पोटरर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (इंडिया) प्रा0लि0
- xxvi. आटो डायनेमिक कार्पोरेशन
- xxvii. फास्ट ट्रैक डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा0लि0
- xxviii. जनरल मोटर्स इंडिया प्रा0लि0

XVIII. इसके उत्तर में भारत में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है –

- (क) आटो डायनेमिक कार्पोरेशन
- (ख) परफैक्ट इम्पोर्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (इंडिया) प्राइलि०
- (ग) फोर्ड इंडिया इंडिया प्राइलि०
- (घ) महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लि�०
- (ङ.) वोक्सवेगन इंडिया प्राइलि०
- (च) टीवीएस मोटर कम्पनी लि�०
- (छ) चाइना चैम्बर ॲफ कार्मस फॉर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ॲफ मशीनरी एंड इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स (सी सी सी एम ई)
- (ज) बी एम डब्ल्यू ग्रुप, इंडिया
- (झ) मारुति सुजुकी इंडिया लि�०
- (ट) हिंदुस्तान मोटर्स इंडिया लि�०
- (ठ) एन्ड्यूरेंस टेक्नोलॉजीज प्राइलि०
- (ड) सिरोमणि ट्रेडर्स प्राइलि०
- (ढ) रॉकफोर्ड व्हील्स
- (ण) फोकस ट्रेडर्स प्राइलि०
- (त) सुकमणि व्हील्स
- (थ) सुखदाता इंटरप्राइजेज

XIX. जांच की कार्रवाई के दौरान निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी अनुरोध किए हैं

XX. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

XXI. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और पाटनरोधी नियमावली के नियम **III** के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम तर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

XXII. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार, आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत की गणना की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

XXIII. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

XXIV. याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त सूचना का मौके पर सत्यापन याचिकाकर्ता के परिसरों में किया गया था। वर्तमान अनंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ यथाप्रयोज्य आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर ही भरोसा किया गया है।

XXV. यह जांच 1 जुलाई, 2011 से 30 जून, 2012 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2009—मार्च, 2010, अप्रैल, 2010—मार्च, 2011, अप्रैल, 2011—मार्च, 2012 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।

XXVI. जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यारों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था।

XXVII. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों (आई बी आई एस) से प्राप्त आयात आंकड़ों की तुलना डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों के साथ करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों ही स्रोतों के आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध देशों से भारत में हुए आयातों की मात्रा के संबंध में कोई खास अंतर प्रदर्शित नहीं होता है, लेकिन डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित इकाई कीमत आई बी आई एस द्वारा सूचित कीमत की तुलना में असामान्य रूप से कम है। अतः प्राधिकारी ने इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों (आई बी आई एस) के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

XXVIII. हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी ने 3 दिसम्बर, 2013 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। सुनवाई के समय उपरिथित हितबद्ध पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करें और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के उत्तर दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया था।

XXIX. *** यह चिन्ह इस प्रारंभिक जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का घोतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

XXX. जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 50.25 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण., कोरिया गण. और थाइलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय छील्स अथवा अलौय रोड छील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं" है।

6. अलॉय छील्स अथवा अलौय रोड छील्स (ए आर डब्ल्यू) का उत्पादन विभिन्न आकारों/व्यासों में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद में मोटर वाहनों में प्रयुक्त केवल 12 इंच से 14 इंच तक के व्यास वाले आकार के ए आर डब्ल्यू ही शामिल हैं। 12 इंच से 24 इंच व्यास से इतर ए आर डब्ल्यू उत्पाद के दायरे से बाहर हैं। वस्तु में तैयार अथवा अर्ध तैयार ए आर डब्ल्यू शामिल हैं, चाहे उन पर पेंट किया गया हो अथवा न किया गया हो अथवा क्रोम प्लेटेड हों। ए आर डब्ल्यू का मुख्य कार्य यह है कि इन्हें वाहन को गतिमान बनाने के लिए मोटर वाहनों में लगाया जाता है। मोटर वाहनों के लिए पहिए आमतौर पर इस्पात या एल्यूमिनियम अलौय से बनाए जाते हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, अलौय छील नई पीढ़ी का उत्पाद है और इसने इस्पात के छीलों की तुलना में श्रेष्ठ विशेषताओं के कारण भारत में व्यापक बाजार पर कब्जा कर लिया है। इस्पात के छील उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं हैं। ए आर डब्ल्यू सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 87 के अंतर्गत सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 8708.70 के अधीन "रोड छील्स और उसके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" विवरण के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, संबद्ध वस्तु का आयात 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 आदि जैसे विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

7. जांच की कार्रवाई के दौरान विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तुओं के बारे में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं—

- जैसी कि याचिकाकर्ता ने मौखिक सुनवाई के दौरान सहमति व्यक्त की है, दुपहिया वाहनों के लिए नियत अलौय छीलों को विशेष रूप से विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- उपर्युक्त के अलावा निम्नलिखित अलौय छीलों को भी इनमें से प्रत्येक के सामने उल्लिखित कारणों से वर्तमान जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए:
 - निर्दिष्ट प्राधिकारी की खुद की विगत परम्परा और न्याय सिद्धांत के अनुसार आई पी आर (कापीराइट) द्वारा संरक्षित उत्पादों को अलग रखा जाना चाहिए।
 - जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित न किए गए उत्पाद।
 - जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बेचे न गए उत्पाद।
 - ऐसे उत्पाद जो घरेलू उद्योग के उत्पादों के साथ वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
 - ऐसे उत्पाद जो घरेलू उद्योग के उत्पादों के साथ तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
 - ऐसे उत्पाद जो कानूनी अड़चनों के कारण प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
- याचिकाकर्ता ने तैयार एवं अर्ध तैयार, चाहे वे पेंट किए गए अथवा पेंट न किए गए, फोर्ज्ड अथवा क्राम प्लेटेड, को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करने की मांग की है। इस बात की जानकारी नहीं है कि क्या स्वयं याचिकाकर्ता ऐसे सभी उत्पादों का उत्पादन कर रहा है अथवा नहीं। यदि नहीं तो उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित न किए गए छील्स के सभी आकारों के साथ बाहर रखा जाना चाहिए।
- विचाराधीन उत्पाद में अलौय रोड छील्स "सहायक सामग्री सहित अथवा रहित" शामिल हैं। ऐसी सहायक सामग्री के स्वरूप को स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है।
- तकनीकी विनर्देशनों, कीमत एवं दीर्घावधिक संविदागत दायित्वों, वितरण के माध्यमों में अंतरों, मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओ ई एम) तथा बाजार पश्चात (ई ए एम) खण्डों के पृथक्करण, अलग-अलग बाजार खंडों में मात्रा, बौद्धिक संपदा संबंधी मुददों, सांविधिक अनुमोदनों और उत्पादों के विकास में ओ ई एम आदि की भागीदारी जैसे कारकों पर विचार करते हुए ओ ई एम तथा ए एम खंडों के लिए ए आर डब्ल्यू को पृथक उत्पाद माना जाना चाहिए और तदनुसार विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- छीलों का किलोग्राम/मीट्रिक टन के संबंध में परिवर्तन उचित नहीं है क्योंकि केवल वजन विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करते समय प्रमुख कारक नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता को वजन के संबंध में छील्स की संख्या के परिवर्तन की कार्यप्रणाली स्पष्ट करनी चाहिए। यद्यपि यह स्थीकार्य किया जाता है कि छील्स की विशिष्टता को तय करने के लिए स्टाइलिंग, वजन और डिजाइन निर्धारणकारी होते हैं। तथापि, उत्पाद को परिभाषित करते समय इनके प्रभावों पर विचार नहीं किया जाता है।
- घरेलू उद्योग कास्ट फ्लो एवं फोर्ज्ड जैसी नई प्रौद्योगियों के बजाय लो प्रैसर डाइ कास्टिंग (एल पी डी सी) अथवा ग्रेविटी डाइ कास्टिंग प्रौद्योगिकी अपनाता है।
- छील्स का विनिर्माण विभिन्न आकारों, डिजाइनों, वजन, फिनिश और फिटमेंट रूपांतरणों में किया जाता है। केवल ऐसे उत्पाद को ही विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया जाना चाहिए जिनका उत्पादन याचिकाकर्ता द्वारा किया जाता है और शेष को अलग रखा जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

8. जांच की कार्रवाई के दौरान विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तुओं के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं—

- i. दुपहिया वाहनों के व्हीलों को उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जाता है, इसलिए अलग रखने का प्रश्न अप्रासंगिक है। तथापि, दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखने को प्रदर्शित करने के लिए कोई विशेषज्ञ जांच परिणाम दर्ज करने में याचिकाकर्ता को कोई आपत्ति नहीं है।
- ii. ओ ई एम तथा बाजार पश्चात व्हील्स के रूप में विचाराधीन उत्पाद का वर्गीकरण पूर्णतः निराधार है। ओ ई एम तथा बाजार पश्चात केवल वितरण के माध्यम हैं और दोनों माध्यमों में बेची जा रही सम्बद्ध वस्तु आपस में दो भिन्न वस्तुएं हैं। ओ ई एम तथा बाजार पश्चात को आपूर्ति किए गए उत्पाद में समान मूलभूत उत्पाद विशेषताएं होती हैं, उनका अंतिम उपयोग समान होता है और दोनों प्रकार के व्हील समान वस्तुएं हैं और संपूर्ण स्थानापन्न है।
- iii. ओ ई एम की पसंद पर निर्भर रहते हुए किसी व्हील की डिजाइन बदली जा सकती है परन्तु इससे उत्पाद कोई भिन्न उत्पाद नहीं बन जाता है। इस पहलू का समाधान ई यू और आस्ट्रेलिया द्वारा चीन के खिलाफ अपनी जांचों में भी किया गया था और यह निष्कर्ष निकाला गया था कि ओ ई एम तथा ए एम व्हील एक ही उत्पाद हैं और समान वस्तुएं हैं।
- iv. किसी सामग्री का दूसरे देश में पाटन करने के लिए आई पी आर कोई लाइसेंस नहीं होता है और पाटन एवं क्षति का निर्धारण करते समय इसकी कोई प्रासंगिकता नहीं होती है। गैट के अंतर्गत ट्रिप्स करार और पाटनरोधी करार के अलग—अलग प्रयोजन और उद्देश्य हैं। डिजाइन के बारे में कापीराइट्स से पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) के अर्थ के भीतर अलग उत्पाद नहीं बन जाता है क्योंकि कच्ची सामग्री, उत्पादन प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, भौतिक गुण धर्म, अंतिम उपयोग आदि जैसी उत्पाद की मूल भूत विशेषताएं समान रहती हैं। कापीराइट्स से ए आर डब्ल्यू की किसी वाणिज्यिक अथवा तकनीकी प्रतिस्थापनीयता सीमित नहीं होती है। कोई डिजाइन हर हालत में ए आर डब्ल्यू से जुड़ी होती है और ऐसी किसी डिजाइन पर कापीराइट कार निर्माता की पसंद होती है और इससे वर्तमान पाटनों की जांच हेतु उत्पाद की परिभाषा के प्रति भेदभाव नहीं होता है।
- v. किसी डिजाइन विशेष पर कोई कापीराइट हाने से व्हील की प्रतिस्थापनीयता नहीं बदल जाती है। जिस सम्बद्ध वस्तु का भारत में पाटन किया जा रहा है वह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समनुरूप है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय और "समान वस्तु" हैं।
- vi. उत्पाद का उत्पादन अलग—अलग आकारों में किया जाता है और अलग आकार से वजन में अंतर आएगा। इस प्रकार उक्त व्हील की लागत और कीमत में भी व्हील के आकार और वजन के अनुपात में अलग—अलग आकारों और वजन के बीच अंतर होगा। लागत और कीमत से संबंधित किसी सूचना की तुलना करने के लिए अलग—अलग आकारों के व्हील का समतुल्य वजन में परिवर्तन करना एक उचित कार्य प्रणाली है। डी जी ए डी द्वारा भी ऐसी कार्यप्रणालियां स्टील व्हील्स, टायर आदि जैसे कई मामलों में अपनाई गई थीं।
- vii. विचाराधीन उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित किया गया है ताकि उसमें केवल 12 इंच से लेकर 24 इंच तक की व्हील आकार को शामिल किया जा सके। ऐसे आकारों का उत्पादन ऐसे आकारों की मांग के अनुसार किया जाता है। याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान ऐसे सभी आकारों का उत्पादन कर उनकी विक्री की है। यदि जांच अवधि के दौरान किसी आकार विशेष का उत्पादन या बिक्री नहीं भी की गई है तो उससे वह बाहर रहने के योग्य नहीं बन जाता है क्योंकि याचिकाकर्ता के पास ऐसे सभी आकारों की मांग को पूरा करने की क्षमता है बशर्ते किसी विशेष डिजाइन की मांग की गई हो। विचाराधीन उत्पाद के भीतर अलग—अलग आकारों का तात्पर्य यह नहीं है कि वे सभी अलग—अलग उत्पाद हैं। घरेलू और आयातित वस्तु का समतुल्य वजन में परिवर्तन करने के पश्चात अलग—अलग तुलना संभव है।
- viii. हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क पूर्णतः आधारहीन है कि भारत में विनिर्मित और बेचे न गए पुर्जों को अलग रखा जाना चाहिए। वर्तमान जांच सम्बद्ध वस्तु के पाटन के बारे में है और प्राधिकारी द्वारा नियम 2 (घ) के अधीन विचाराधीन उत्पाद तथा सम्बद्ध वस्तु को परिभाषित किया जा चुका है।
- ix. विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क उपशीर्ष "रोड व्हील्स और उसके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" के अंतर्गत वर्गीकृत है। किसी व्हील कैप, एयरवाल्व अथवा लगनट जैसे किसी सहायक सामग्री का आयात के समय होने या न होने से विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में कोई अस्पष्टता नहीं आनी चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण., कोरिया गण. और थाइलैंड के मूल के या वहां से निर्यातित "12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलौय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं" है।

10. अलौय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स (ए आर डब्ल्यू) का उत्पादन विभिन्न आकारों/व्यासों में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद में मोटर वाहनों में प्रयुक्त केवल 12 इंच से 14 इंच तक के व्यास वाले आकार के ए आर डब्ल्यू ही शामिल हैं। 12 इंच से 24 इंच व्यास से इतर ए आर डब्ल्यू उत्पाद के दायरे से बाहर हैं। वस्तु में तैयार अथवा अर्ध तैयार ए आर डब्ल्यू शामिल हैं, चाहे उन पर पेंट किया गया हो अथवा न किया गया हो अथवा क्रोम प्लेटेड हों। ए आर डब्ल्यू का मुख्य कार्य यह है कि इन्हें वाहन को गतिमान बनाने के लिए मोटर वाहनों में लगाया जाता है। मोटर वाहनों के लिए व्हील आमतौर पर इस्पात या एल्यूमिनियम अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके व्हील नई पीढ़ी का उत्पाद है और इसने इस्पात के व्हीलों की तुलना में श्रेष्ठ विशेषताओं के कारण भारत में व्यापक बाजार पर कब्जा कर लिया है। इस्पात के व्हील उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं हैं। ए आर डब्ल्यू सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 87 के अंतर्गत सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 8708.70 के अधीन "रोड व्हील्स और उसके पुर्जे तथा सहायक सामग्री" विवरण के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, संबद्ध वस्तु का आयात 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 आदि जैसे विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

11. जहां तक समान वस्तु का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में निम्नानुसार उपबंध है –

“समान वस्तु” का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो भारत में पाठन किए जाने हेतु जांचाधीन वस्तु से हर तरह से समनुरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु से है जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती जुलती विशेषताएं हैं।

12. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और घरेलू समान वस्तु के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोधों की जांच और उन पर निम्नानुसार विचार किया गया है :—

- i. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि दुपहिया वाहनों के लिए नियत अलॉय व्हील्स को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से विशिष्ट रूप से बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद को “कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स (ए आर डब्ल्यू)” के रूप में परिभाषित किया गया है और इस प्रकार इसमें दुपहिया वाहनों के लिए नियत ए आर डब्ल्यू शामिल नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू उद्योग दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू का विनिर्माण नहीं करता है और इसलिए इन्हें उसके द्वारा दायर की गई याचिका में शामिल नहीं किया गया था। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी वर्तमान जांच में दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखते हैं।
- ii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित/आपूर्ति न किए गए कापीराइट सहित या रहित आकार/डिजाइन/स्टाइल आदि के ए आर डब्ल्यू को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद में 12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलॉय व्हील्स अथवा अलौय रोड व्हील्स, चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं, शामिल हैं और इसमें उपर नोट किए गए अनुसार दुपहिया वाहनों के लिए ए आर डब्ल्यू शामिल नहीं है। घरेलू उद्योग या तो विचाराधीन उत्पाद में शामिल ए आर डब्ल्यू के सभी आकारों का विनिर्माण करता है या फिर उसके पास इनके विनिर्माण की क्षमता है। इसके अलावा, किसी ए आर डब्ल्यू की डिजाइन (कापीराइट वाली डिजाइनों सहित) किसी मोटरवाहन विनिर्माता द्वारा निर्धारित एक सौंदर्यगत पहलू है। इस प्रकार किसी विशेष ए आर डब्ल्यू की डिजाइन, भले ही उस पर कापीराइट हो, से वह ए आर डब्ल्यू की दूसरी डिजाइन से भिन्न नहीं बन जाती है जहां तक ये दोनों पाठनरोधी नियमावली के दायरे के भीतर तकनीकी और याचिकारी रूप से प्रतिस्थापनीय होती हैं।
- iii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि ओ ई एम तथा ए एम खण्डों हेतु ए आर डब्ल्यू को पृथक उत्पाद माना जाना चाहिए और तदनुसार विश्लेषण किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ओ ई एम और बाजार पश्चात् (ए एम) सम्बद्ध वस्तु के वितरण के माध्यम हैं न कि वस्तु। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है। ओ ई एम तथा बाजार पश्चात को आपूर्ति किए गए उत्पाद में समान मूलभूत उत्पाद विशेषताएं होती हैं, उनका अंतिम उपयोग समान होता है और दोनों प्रकार के व्हील समान वस्तुएं हैं और संपूर्ण स्थानापन है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों चैनलों में बेची गई सम्बद्ध वस्तु पाठनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तुएं हैं।
- iv. याचिकारक्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं बाजार और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। आवेदक और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्पाद तथा आयात के आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। विनिर्माण प्रक्रिया में समानता और प्रतिस्थापनीयता को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस मामले में “विचाराधीन उत्पाद” को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ दोनों को समान एवं एक ही उत्पाद मानना अपेक्षित है।
- v. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि कि.ग्रा./मी.ट. के संबंध में व्हीलों का परिवर्तन उचित नहीं है क्योंकि केवल वजन ही विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करते समय प्रमुख कारक नहीं हो सकता, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री विभिन्न आकारों और अलग-अलग वजन में की जाती है। इसके परिणामस्वरूप अलग-अलग प्रकार और वजन के उत्पाद की लागत और कीमत उसके आकार और वजन के अनुसार भिन्न होना लाजिमी है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत और लागत की तुलना करने के लिए अलग-अलग आकारों वाले व्हील का उनके समतुल्य वजन में परिवर्तन करना एक अत्यंत उचित कार्यप्रणाली है।
- viii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि घरेलू उद्योग कास्टफलो एवं फोर्ज्ड जैसी नई प्रौद्योगिकियों के बजाय लो प्रैसर डाइ कास्टिंग (एल पी डी सी) अथवा ग्रेविटी डाइ कास्टिंग प्रौद्योगिकी अपनाता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अलग-अलग प्रौद्योगिकियों से अंतिम उत्पाद अलग नहीं बन जाता है।

ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

13. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :—

- i. 100 प्रतिशत ई ओ यू होने के कारण याचिकारक्ता को घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता।
- ii. चूंकि याचिकारक्ता एक 100 प्रतिशत नियातोन्मुख इकाई (ई ओ यू) है इसलिए याचिकारक्ता का उत्पादन उसके आधार के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डी टी ए) में आपूर्ति हेतु उसकी पात्रता तक सीमित होगा।
- iii. 100 प्रतिशत ई ओ यू होने के कारण केवल उसी उत्पादन पर विचार किया जाना है जिसे याचिकारक्ता घरेलू बाजार में बेच सकता है। ऐसे मामले में कुल घरेलू उत्पादन में याचिकारक्ता का हिस्सा 30 प्रतिशत से भी कम होगा। आंकड़ों से यह पता चलता है कि उनके पास याचिका दायर करने का आधार नहीं है।

- iv. जांच की शुरुआत के समय याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया था कि भारतीय बाजार में केवल दो अन्य उत्पादक हैं। तथापि, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने भारत में सम्बद्ध वस्तु के तीन और उत्पादकों के नाम बताए। यह याचिकाकर्ता द्वारा आवश्यक तथ्यों के वास्तविक अप्रकटन का स्पष्ट मामला बनता है जिसका याचिकाकर्ता के सुने जाने के अधिकार पर सीधा प्रभाव पड़ता है और इसलिए जांच समाप्त कर दी जानी चाहिए।
- v. याचिकाकर्ता – सिनरजीज कास्टिंग्स लिंग और भारत में अन्य घरेलू उत्पादकों अर्थात् नियो व्हील्स, एंकी व्हील्स, मिंडा ओसाई एंड डेल्ट्रानिक्स, सिनरजीज कास्टिंग्स के उत्पादन पर विचार करते हुए उनका उत्पादन भारत में समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग नहीं बनता है।
- vi. याचिकाकर्ता समर्थकारी साक्ष्य के साथ यह प्रदर्शित करने में समर्थ नहीं रहा है कि एंकी और नियो व्हील्स को अलग क्यों रखा जाना चाहिए।
- vii. याचिकाकर्ता का यह दावा संदिग्ध है कि विदेशी मुद्रा की उसकी निवल प्राप्ति निवल विदेशी मुद्रा भुगतान से अधिक है जिससे घरेलू बाजार में उसकी बिक्री तय होती है। वर्ष 2008–09, 2009–10 और 2010–11 के लिए याचिकाकर्ता कपनी की वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार विदेशी मुद्रा का भुगतान विदेशी मुद्रा अर्जन से काफी अधिक है। यदि याचिकाकर्ता सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त करने में असमर्थ है तो उसके द्वारा डी टी ए में बिक्री नहीं की जा सकती!

घरेलू उद्योग के अनुरोध

14. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :–

- i. याचिकाकर्ता के ई ए यू दर्जे का घरेलू उद्योग की परिभाषा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। आधार संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सिनरजीज कास्टिंग्स लिंग (एस सी एल) का उत्पादन जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का समग्र उत्पादन है, क्योंकि दो अन्य उत्पादक स्वयं सम्बद्ध वस्तु के आयातक हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनने के पात्र नहीं हैं। हितबद्ध पक्षकारों के इन अनुसारों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है कि इकाई एक एन एफ ई सकारात्मक इकाई नहीं हो सकते। एस सी एल अपना एन एफ ई स्तर सकारात्मक रखती है। इसके अलावा विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त करने के बाद डी टी ए बिकी हेतु 100 प्रतिशत ई ए यू इकाई पर मात्रा संबंधी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है जैसा कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने आरोप लगाया है।
- ii. यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से एल्यूमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए ए आई) द्वारा दायर की गई है। इसके एक सदस्य सिनरजीज कास्टिंग्स लिंग (एस सी एल) जो भारत में सम्बद्ध वस्तु का सबसे बड़ा उत्पादक है और जो 100 प्रतिशत ई ए यू है, ने पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन से संगत समस्त सूचना प्रदान की है। जांच अवधि के लिए संगत सम्बद्ध वस्तु ये तीन उत्पादक थे। एस सी एल को छोड़कर एंकीकास्ट एलौय लिंग तथा नियोव्हील्स को भारत में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में अभिज्ञात किया गया था जो जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे थे। एन्कीव्हील्स ने न तो जांच का समर्थन किया है और न ही उसका विरोध। तथापि, नियोव्हील्स में जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी को लिखे पत्र द्वारा याचिका का समर्थन किया है। बाजार सूचना के अनुसार जांचोत्तर अवधि में 2 और उत्पादकों अर्थात् मिण्डा कोसाई और डेल्ट्रानिक्स ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया। तथापि, मिण्डा कोसाई ने वर्तमान जांच का समर्थन किया है। एंकी और नियोव्हील्स को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि वे आयात कार्यकलापों में संलग्न हैं। इस प्रकार याचिकाकर्ता नियम के अंतर्गत आधार संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है और एस सी एल का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और वह जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा समूचा घरेलू उत्पादन करता है।
- iii. ई ओ यू स्कीम में घरेलू और विदेशी ग्राहक की बेहतर सेवा करने के लिए प्रतिस्पर्धी लाभ का प्रावधान है, बशर्ते उचित बाजार की स्थिति मौजूद हो। अतः ई ओ यू को पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर नहीं माना जा सकता। भारत में वे काफी अधिक संख्या में उद्योग में हैं।
- iv. वर्तमान याचिका में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) की अपेक्षाएं पूरी होती हैं और सिनरजीज कास्टिंग्स लिंग को नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।
- v. याचिकाकर्ता पर कोई निर्यात दायित्व नहीं है। एक ई ओ यू होने के कारण विदेश व्यापार नीति में इकाई को एक एन एफ ई सकारात्मक होने की अपेक्षा की गई है और एन एफ ई को पांच वर्ष के खंडों में प्राप्त करने की जरूरत है जिसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है और याचिकाकर्ता द्वारा इसकी प्राप्ति की गई थी।
- vi. हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे का कोई कानूनी आधार नहीं है कि याचिकाकर्ता का घरेलू निष्पादन निर्यात पर निर्भर होता है। घरेलू उद्योग अपनी बिक्री में उस समय मामूली बढ़ातरी कर सका जब उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई थी और याचिकाकर्ता के पास पर्याप्त अप्र्युक्त क्षमता उपलब्ध थी। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री का सीधा नुकसान हुआ है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

15. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-

- i. वर्तमान जांच में आवेदन 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई मैसर्स सिनरजीज कास्टिंग लिंग की ओर से एल्यूमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर किया गया है। आवेदक के दावे के अनुसार जांच अवधि के दौरान भारत में विचारधीन उत्पाद के दो अन्य उत्पादक अर्थात् मैसर्स एंकी कास्ट एलौय लिंग और मैसर्स नियोव्हील्स थे। जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, मैसर्स एंकी कास्ट एलौय लिंग और मैसर्स नियोव्हील्स दोनों ने जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का आयात किया है। प्राधिकारी ने सूचना का अनुरोध करते हुए उक्त दोनों घरेलू उत्पादकों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना उपलब्ध कराई। यद्यपि उक्त दोनों घरेलू उत्पादकों ने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है, तथापि नियोव्हील्स ने वर्तमान जांच का समर्थन किया है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जैसा कि घरेलू

उद्योग ने अनुरोध किया है, मिण्डा कोसाई और डेल्टोनिक्स ने जांचोत्तर अवधि के दौरान उत्पादन शुरू किया है और इस प्रकार वह वर्तमान जांच के लिए संगत नहीं है। इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि मिण्डा कोसाई ने वर्तमान जांच का समर्थन किया है।

- ii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों का इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता 100 प्रतिश ई ओ यू है इसलिए उस पर घरेलू उद्योग के रूप में विचार नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नानुसार परिभाषित है—

(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से हैं जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाठित वस्तु के नियांतकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"

- iii. उपर्युक्त नियम के अनुसार ई ओ यू को घरेलू उद्योग के दायरे के बारे में कोई स्पष्ट अपवर्जन नहीं है। तथापि, अधिकारी नोट करते हैं कि ई ओ यू इकाईयां भारत की विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत अनुमत उनकी पात्रता की सीमा के भीतर अपनी घरेलू बिक्री की मात्रा तक घरेलू उद्योग का भाग बन सकती है।

- iv. जहां तक 100 प्रतिशत ई ओ यू इकाईयों की पात्रता और डी टी ए में बिक्री की शर्तों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विदेश व्यापार नीति, 2009–14 के पैरा 6.8 (क) और (ज) में संगत प्रावधान निम्नानुसार निर्धारित हैं—

"6.8 ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी/बी टी पी इकाईयों के समग्र उत्पादन का नियांत निम्नलिखित के अधीन किया जाएगा:

(क) रल एवं आभूषण इकाईयों से भिन्न इकाईयां रियायती शुल्क के भुगतान पर सकारात्मक एन एफ ई की पूर्ति के अधीन नियांतों के एफ ओ बी मूल्य के 50 प्रतिशत तक वस्तु की बिक्री कर सकती हैं। डी टी ए बिक्री की पात्रता के भीतर इकाई डी टी ए में उस वस्तु के समान अपने उत्पादों की बिक्री कर सकती है जिसका इकाईयों से नियांत किया जाता है या नियांत किए जाने की संभावना होती है। तथापि, जो इकाईयां एक से अधिक उत्पाद का विनिर्माण और नियांत कर रही हैं, वे विशिष्ट उत्पादों के नियांत के एफ ओ बी मूल्य के 90 प्रतिशत तक डी टी ए में इनमें से किसी उत्पाद की बिक्री कर सकती हैं जो इस शर्त के अधीन है कि डी टी ए में कुल बिक्री उपर यथानिर्धारित उक्त इकाई के लिए नियांतों के एफ ओ बी मूल्य की 50 प्रतिशत की समग्र पात्रता से अधिक नहीं होगा। मोटर कारों, शराब, पुस्तकों, चाय (इंस्टेंट चाय को छोड़कर), काली मिर्च और काली मिर्च के उत्पादों, संगमरमर और ऐसी अन्य मदों, जिन्हें समय–समय पर अधिसूचित किया जाए, के संबंध में रियायती शुल्क पर डी टी ए में किसी बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसी डी टी ए बिक्री पैकेजिंग/लेबलिंग/पृथक्करण/रेफरीजरेशन/कम्पैकिटिंग/माइक्रोनाइजेशन/पुलवराइजेशन/ग्रेनूलेशन/रसायन के मानोहाइड्रेड रूप का एनहाइड्रस रूप में अथवा विलोमतः परिवर्तन के कार्यकलापों में संलग्न इकाईयों को भी प्रदान नहीं की जाएगी। एस ई जैड में किसी इकाई को की गई बिक्री को भी ई ओ यू द्वारा नियांत का एफ ओ बी मूल्य निकालने के प्रयोजनार्थ हिसाब में लिया जाएगा। वशर्त ऐसी बिक्री हेतु भुगतान एस ई जैड इकाई के विदेशी मुद्रा खाते से किया गया है। डी टी ए को बिक्री भी भेषजीय उत्पाद पंजीकरण (बल्क औषधि सहित) की अनिवार्य जरूरत के अधीन होगी। सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क के अंतर्गत आयात के समय उदगृहणीय पाटनरोधी शुल्क के बराबर राशि का भुगतान उक्त इकाई से डी टी ए में निकासी की गई वस्तु के विनिर्माण या प्रसंस्करण के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त वस्तु पर किया जाएगा।"

"(ज) ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी/बी टी पी इकाईयां विकास आयक्त को सूचना देते हुए पूर्ण शुल्क के भुगतान पर काली मिर्च और काली मिर्च के उत्पादों तथा संगमरमर, जो एफ टी पी के अंतर्गत डी टी ए में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं, को छोड़कर तैयार उत्पादों की बिक्री कर सकती हैं, बशर्ते उन्होंने सकारात्मक एन एफ ई प्राप्त कर लिया हो, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क के अंतर्गत आयात के समय उदगृहणीय पाटनरोधी शुल्क के बराबर राशि का भुगतान उक्त इकाई से डी टी ए में निकासी की गई वस्तु के विनिर्माण या प्रसंस्करण के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त वस्तु पर किया जाएगा।"

16. विस्तृत जांच के बाद प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि मैसर्स सिनरजीज कास्टिंग लिमिटेड का उत्पादन जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और इस प्रकार वह नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार संबंधी मानदंड को पूरा करता है।

घ. गोपनीयता

उत्पादकों/नियांतकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

17. गोपनीयता के बारे में उत्पादकों/नियांतकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है—

- याचिका में अत्यधिक गोपनीयता बरती गई है। याचिका में वितरण माध्यमों, कमीशन/छूट नीति, ऋण शर्तों, सामान्य मूल्य की गणना आदि के बारे में याचिकाकर्ता की नीति के संबंध में कोई भी सूचना नहीं है।
- घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और उसे इस अर्थ में अनुमति दी गई है कि उन्होंने सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई है। घरेलू उद्योग ने अपनी नियांत बिक्री, नियांत दायित्व (ई ओ यू होने के नाते) और घरेलू बाजार के लिए उपलब्ध मात्रा के ब्यारे भी उपलब्ध नहीं कराए हैं।
- याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि नियांतक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। प्रतिवादी यह मानता है कि उसने अनुरोधों का उचित अगोपनीय रूपांतरण दायर किया है। इसके विपरीत याचिकाकर्ता ने ऐसी कोई वास्तविक सूचना प्रकटित नहीं की है जिसे याचिका के साथ उपलब्ध किया जाना चाहिए था।
- याचिकाकर्ता ने आयात आंकड़ों में संशोधन करने के लिए प्रयुक्त कार्यपाली, छीलों की संख्या को मी.ट./कि.ग्रा. में परिवर्तन करने के लिए प्रयुक्त परिवर्तनकारक के बारे में कई महत्वपूर्ण सूचनाओं, सम्बद्ध वस्तु के बारे में सूचना अर्थात् आकार, गुणवत्ता, श्रेणी और प्रयोग,

अन्य उत्पादकों की मौजूदगी और उनके उत्पादन के बारे में सूचना, गंवाई गई बिक्री से संबंधित आर्डर का साक्ष्य, कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट आदि का प्रकटन नहीं किया है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

18. गोपनीयता के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-

- i. निर्यातकों द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
- ii. याचिकाकर्ता ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में उपलब्ध अनुमति के अनुसार प्रदत्त सूचना पर गोपनीयता का दावा किया है और ऐसी सूचना का सार्थक सारांश भी उपलब्ध कराया गया है। हितबद्ध पक्षकारों के ये दावे निराधार हैं कि याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. गोपनीयता के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न अनुरोधों की निम्नानुसार जांच कर उनका समाधान किया गया है:-

- i. सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार उपबंध है:-

गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में किसी बात के होते हुए भी नियम (5) के उप नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियों अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच के दौरान किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी अन्य सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसके द्वारा गोपनीय माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार के विशेष प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को नहीं किया जाएगा।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है तो ऐसा पक्षकार ऐसे कारणों का एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है या सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्यीकृत रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

- ii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के बावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया।
- iii. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता को सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध करानी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट का आर ओ सी रूपांतरण पहले ही उपलब्ध करा दिया है।

ड. विविध अनुरोध

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

20. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विविध अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- i. याचिका त्रुटिपूर्ण है इसलिए जांच को समाप्त करने की जरूरत है।
- ii. जांच तथा क्षति अवधि का चयन दोषपूर्ण है।
- iii. आयातकों को प्रश्नावली का उत्तर दायर करना जरूरी है ताकि उन्हें सहयोगी आयातक माना जा सके। उत्तर दायर न करने अथवा अधूरा उत्तर दायर करने से किसी हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध करने के अधिकार में कमी नहीं आती है।
- iv. ई यू तथा आस्ट्रेलिया द्वारा चीन जन.गण. से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का भारतीय स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- v. बाजारी स्थिति, प्रतिस्पर्धा की स्थितियां, घरेलू उत्पादक के विकास के स्तर में देश दर देश अंतर होता है। जांच प्राधिकारी के एक पहलू पर निकाले गए जांच परिणाम को दूसरे देश के जांच प्राधिकारी के निण्य का आधार नहीं बनाया जा सकता। प्राधिकारी को ई यू तथा आस्ट्रेलिया के जांच परिणामों पर भरोसा करने की जरूरत नहीं है। प्राधिकारी के लिए अपने खुद के घरेलू कानूनों और न्याय शास्त्र के आधार पर पाटनरोधी जांच करना अपेक्षित होता है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

21. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विविध अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- i. प्राधिकारी को आयातकों द्वारा किए गए अनुरोध अस्वीकृत कर दिए जाने चाहिए क्योंकि उन्होंने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है।

ii. ई यू और आस्ट्रेलिया ने चीन जन.गण. से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ पाटनरोधी उपाय लागू किए हैं। प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच में ई यू तथा आस्ट्रेलिया के जांच परिणामों के तथ्यों पर विचार किया जाना चाहिए। चीन जनगण से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ ई यू तथा आस्ट्रेलिया द्वारा पाटनरोधी उपाय लगाए जाने का भारत को चीन से होने वाले निर्यातों पर प्रभाव पड़ता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न विविध मुद्दों की निम्नानुसार जांच की गई है:-

i. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि याचिका त्रुटिपूर्ण है और इसलिए जांच को समाप्त करने की जरूरत है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच घेरेलू उद्योग द्वारा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध को प्रदर्शित करते हुए और अधिनियम तथा नियमों के अनुसार जांच की शुरुआत को च्यायोचित ठहराते हुए प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर शुरू की गई थी। प्राधिकारी ने जहां अपेक्षित हुआ है वहां अतिरिक्त सूचना भी मांगी है और घेरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है।

ii. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि क्षति अवधि और जांच अवधि का चयन भारत में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में निहित उपबंधों के प्रतिकूल है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि और क्षति अवधि का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित उपबंधों और पद्धति के अनुसार किया गया था।

च. बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन ज.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। नियमों के अनुसार चीन ज.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो निर्यातक देश अथवा अलग निर्यातकों द्वारा उक्त अनुमान के खंडन के अधीन है।

24. पाटनरोधी नियमावली के पैरा-8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन 0 जन0 गण0 से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन.जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं,

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बटटे खातों, वस्तु विनियम-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं, और

(घ) विनियम दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है।

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के परिणामस्वरूप चीन के कुछ उत्पादकों और निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तरों सहित प्रश्नावली के अपनी उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने की मांग की है। प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की जांच सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के प्रतिवादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु की गई थी और अनुरोधों में पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था तथा स्पष्टीकरण मांगे गए थे।

26. चीन जन.गण. के निम्नलिखित नमूनाशुद्ध प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने अपेक्षित प्रश्नावली दायर कर बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है:

i. सिटिक डिकास्टल कं0लि0

ii. बाउडिंग लिजहांग व्हील्स मैन्यूफैक्चरिंग कं0 लि0 ने सम्बद्ध कंपनियों अर्थात हेवाई लिजहांग नॉन फेरस मैटल ग्रुप कं0लि0 (कच्ची सामग्री का संबंधित आपूर्तिकर्ता), विन हुआंग डाओ डिकामरी व्हील कं0लि0, तेयानजिन डिकास्टल व्हील मैन्यू0कं0लि0 और तेयानजिन लिजहांग व्हील कं0लि0 के साथ।

iii. झेझियांग यूलिंग कं0लि0

27. यद्यपि सैक जी एम वूलिंग आटो मोबाइल कं0लि0 और सैक जी एम वॉलिंग (लिनझोउ)इम्पोर्टेशन एंड एक्सपोर्टेशन कं0लि0, चीन जन.गण. द्वारा दायर उत्तरों को प्राधिकारी द्वारा इस जांच परिणाम में विधिवत स्पष्ट किए गए कारणों की वजह से स्वीकार नहीं किया गया है, तथापि चीन की अन्य कंपनियों अर्थात झेझियांग आटम एल्यूमिनियम व्हील्स कं0लि0 और झेझियांग बोयांग आटो व्हील कं0लि0 ने एम ई टी उत्तर दायर नहीं किया है तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है।

28. मैसर्स सिटिक डिकास्टल कं. लिमि., चीन गणराज्य द्वारा दायर मैट जवाब में, यह उल्लेख किया है कि कम्पनी चीन सिटिक ग्रुप (चीन अंतर्राष्ट्रीय ट्रस्ट एवं निवेश निगम के रूप में पूर्व में ज्ञात) जो पूर्ण रूप से राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी है, की एक चीनी विदेशी (ताइवान, हॉगकॉंग, मकाउ) संयुक्त उद्यम है। यह उल्लेख किया है कि चीन की सिटिक ग्रुप की स्थापना चीन के आर्थिक सुधार के आरंभिक वर्षों में किया गया था। यह उल्लेख किया है कि इस ग्रुप की चीन तथा विदेश में 40 सहायक कम्पनियां हैं। सिटिक ग्रुप का अपनी 100 प्रतिशत सहायक कम्पनी मैसर्स

सिटिक ग्रुप इनवेस्टमेंट होल्डिंग के माध्यम से मैसर्स सिटिक डिकास्टल कं. लिमि., (प्रतिवादी कम्पनी) पर नियंत्रण है। जैसा कि मैट के उत्तर में उल्लेख किया है, सिटिक ग्रुप और सिटिक डिकास्टल (प्रतिवादी कम्पनी) के वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति राज्य परिषद द्वारा की जाती है जो इस समूह के बड़े निर्णयों में शामिल है। मैट के जवाब में आगे यह उल्लेख किया है कि सिटिक डिकास्टल की कुछ सहायक कम्पनियां सम्बद्ध वस्तुओं में शामिल हैं लेकिन सिटिक डिकास्टल ने पीओआई के दौरान भारत को केवल सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। जैसा कि मैट के जवाब में उल्लेख किया है, श्री जूओग्जू सिटिक डिकास्टल का मुख्य कार्यपालक अधिकारी सम्पूर्ण समूह के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।

29. प्राधिकारी द्वारा जारी की गई कमी संबंधी पत्र के प्रति उत्तर में यह उल्लेख किया है कि मैसर्स सिटिक डिकास्टल कं. लिमि., चीन गणराज्य की मूल रूप से स्थापना बोहाई एल्मूनियम अलॉय कॉस्टिंग कम्पनी लिमि. के नाम से मई 1988 में की गई थी। मूल निवेशक सिटिक डवलेपमेंट कम्पनी लिमि., टॉप विनर डवलेपमेंट लिमि. और वाईटिलिटि मोटर कम्पनी लिमि. से। उपर्युक्त तीनों निवेशकों का निवेश अनुपात क्रमशः ***,* ** और *** प्रतिशत है। बोहाई एल्मूनियम अलॉय कॉस्टिंग कम्पनी लिमि. का फिर मई 1988 में डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. तथा बाद में अक्टूबर 2007 में सिटिक व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. नाम रखा गया है। इसके अलावा जुलाई 2012 में सिटिक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. ने अपना नाम बदलकर सिटिक डिकास्टल कं. लिमि. रखा। आगे कम्पनी द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि सिटिक ग्रुप को वित्त मंत्रालय, चीन द्वारा निधि प्रदान किया जाता है। आगे प्रतिवादी कम्पनी द्वारा यह स्वीकार किया गया है कि उन्हें चीन सरकार से काफी मात्रा में आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। इसके अलावा, समूह कम्पनी तथा संबद्ध वस्तुओं में निहित सहायक कम्पनियों/संबंधित कम्पनियों ने भी उत्तर नहीं दिया है।

हेविलजॉग नॉनफेरस मेटल्स ग्रुप कम्पनी लिमि. नामक संबंधित कम्पनियों के साथ—साथ बौडिंग लिजांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि. (संबंधित कच्चा माल आपूर्तिकर्ता), किनहवॉगडॉ डिकामरी व्हील कम्पनी लिमि., तियानजीन डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग लिमि. तथा तियानजीन लिजॉग व्हील कम्पनी लिमि.।

30. बौडिंग लिजॉग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि. द्वारा दायर किया गया मैट के प्रति उत्तर में यह उल्लेख किया है कि कम्पनी की मूल रूप से स्थापना तीन चीनी अलग—अलग शेयर होल्डरों नामतः ***,* *** (पूर्व में *** के रूप में ज्ञात) तथा *** (पूर्व में *** के रूप में ज्ञात) द्वारा अगस्त 1995 में की गई थी। 5 जुलाई, 2004 को सभी शेयरों को ***,* सिंगापुर को हस्तांतरित कर दिया गया तथा इस प्रकार बौडिंग लिजॉग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन गणराज्य पूर्ण रूप से विदेशी स्वामित्व वाली कम्पनी बन गई। दिसम्बर 2005 में चीन व्हील होल्डिंग प्रा. लिमि. का नाम पुनः चीन व्हील होल्डिंग लिमि. तथा फरवरी 2008 में लिजॉग व्हील ग्रुप लिमि. के रूप में रखा गया। लिजॉग व्हील ग्रुप लिमि. का संबंध संबद्ध वस्तुओं के चीन के तीन उत्पादकों नामतः ***,* *** और *** से है, जिसने इन वस्तुओं का उत्पादन किया तथा चीन के बाजार में इन वस्तुओं की बिक्री की परन्तु पीओआई के दौरान भारत को इन वस्तुओं का निर्यात नहीं किया। यह उल्लेख किया है कि प्रतिवादी कम्पनी अपनी संबंधित कम्पनी नामतः हेवई लिजॉग नॉनफेरस मेटल्स ग्रुप कम्पनी लिमि. जिसने भी उपर्युक्त तीन अन्य संबंधित कम्पनियों के साथ मैट संबंधी जवाब दायर किया है, से प्रमुख कच्चा माल खरीद रहा है। जवाब में आगे यह उल्लेख किया है कि प्रतिवादी कम्पनी सहित सम्पूर्ण ग्रुप का सर्वोच्च स्वामी एवं नियंत्रक *** परिवार है। मैट का प्रति उत्तर इस समूह कम्पनी अर्थात् मैसर्स लिजांग व्हील ग्रुप लिमि. द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है।

जिजियांग यूआलिंग कम्पनी लिमि.

31. मैट के उत्तर में उल्लेख किया है कि जिजियांग यूआलिंग कम्पनी लिमि. एक चीनी लिमि. कम्पनी है जिनमें चीन के सात बड़े लोगों का शेयर होल्डिंग है। जिजियांग यूआलिंग कम्पनी लिमि. की संबंधित कम्पनियां ***,* *** तथा *** हैं। इनमें से जैसा कि मैट के उत्तर में उल्लेख किया है जिजियांग यूआलिंग कम्पनी लिमि. *** का वास्तविक नियंत्रक है। इसके अलावा जैसा कि वार्षिक लेखाओं में उल्लेख किया है, जिजियांग यूआलिंग कम्पनी लिमि. का पूर्व नाम यूआलिंग व्हील हब मैकिंग कम्पनी लिमि. है जिसकी स्थापना मई 1998 में की गई थी। सितम्बर 2010 में, यह उल्लेख किया है कि इस कम्पनी का नाम यूआलिंग व्हील हब मैकिंग कम्पनी लिमि. से बदलकर जिजियांग यूआलिंग कम्पनी लिमि. कर दिया गया था। जैसा कि मैट के उत्तर से स्पष्ट है, प्रतिवादी कम्पनी न केवल वेनलिंग सिटी बॉडी के अधीन है बल्कि इसे काफी मात्रा में सरकारी आर्थिक सहायता भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा, ऐसा लगता है कि प्रतिवादी कम्पनी प्रथम श्रेणी के राज्य की स्वामित्व वाले उपक्रमों से प्रमुख कच्चा माल खरीद रही है।

32. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य तथा डम्पिंग मार्जिन के संबंध में की गई प्रस्तुतियों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई तथ्य नीचे दिये गए हैं :

- i. पिछले तीस वर्षों के दौरान चीन में एक पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली स्थापित है। आज तक डब्ल्यू टी ओ के 97 सदस्यों ने चीन को पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था बाले देश के रूप में माना है तथा उसे भारत के प्राधिकारियों ने भी मान्यता दी गई है। याचिकाकर्ता का यह तर्क कि चीन में सभी उत्पादक गैर—बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में कार्य कर रहे हैं, पूर्व कल्पना पर आधारित है तथा आधारहीन है।
- ii. याचिकाकर्ता द्वारा अपनी याचिका में निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात मूल्य को सही नहीं माना जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता ने अपने परिकलन को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।
- iii. नामित प्राधिकारी ने भी एंटी डम्पिंग नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 के संबंध में चीन के लिए सामान्य मूल्य के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया है।
- iv. याचिकाकर्ता द्वारा यह तर्क दिया है कि चूंकि चीन में एल्मूनियम की कीमतें राज्य के हस्तक्षेप को दर्शाती हैं अतः इस प्रकार कीमतों पर स्वरूप बाजार दरों के रूप में विचार नहीं किया जा सकता है। तथापि इसी तथा आस्ट्रेलिया दोनों मामलों में प्राधिकारियों ने निष्कर्ष दिया है कि चीन में एल्मूनियम की बाजार कीमत एलएमई में एल्मूनियम की कीमत से कम है। इस प्रकार याचिकाकर्ता के तर्क को अस्वीकार किये जाने की आवश्यकता है।
- v. याचिकाकर्ता का यह तर्क कि इसी ने सिटिक डिकास्टल के वित्तीय स्थितियों में गंभीर परिवर्तन पाए हैं, आधारहीन है। इसी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि सिटिक डिकास्टल ने मैट के मापदण्डों को पूरा किया है।

vi. बॉडिंग उन मानदण्डों को पूरा करता है जिसे बाजार अर्थव्यवस्था कम्पनी के रूप में माना जाता है तथा इसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाए। डीजीएडी ने चीन के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दे दिया है जिसने वैसी ही परिस्थितियों में कार्य किया है।

vii. ओईएम क्षेत्र एलॉय व्हील्स का सबसे बड़ा उपभोक्ता है तथा बाजार के बाद का क्षेत्र कुल भारतीय बाजार में एक बहुत छोटा हिस्सा है। चूंकि भारत में व्हीलों की कूल खरीद ओईएम द्वारा की जाती है अतः यह निर्णय ओईएम का है न कि व्हील विनिर्माताओं का, जो व्हीलों के बाजार के बारे में निर्णय करता है। इसके अलावा, ओईएम में वैशिक वैकल्पिक विनिर्माता शामिल होते हैं जो वैशिक निविदा प्रक्रिया का सहारा लेते हैं। ऐसी स्थिति में यह नहीं कहा जा सकता है कि व्हीलों को भारत में डम्प किया जा रहा है।

viii. यह निर्णय कि पाटनरोधी जांच में शामिल होना किसी विशिष्ट पक्ष का निर्णय है तथा जीएमके द्वारा सहयोग को इस कारण से अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि सभी उत्पादकों जिनसे संबद्ध वस्तुओं को सहयोगी निर्यातकों द्वारा खरीदा गया होगा, को जांच में भाग लेना चाहिए यद्यपि ऐसे उत्पादक निर्यातक से संबंधित नहीं हैं।

33. घरेलू उद्योग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य तथा डम्पिंग मार्जिन के संबंध में की गई प्रस्तुतियों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई तथ्य नीचे दिये गए हैं :

- चीन का कोई भी निर्यातक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के अंतर्गत निर्धारित विभिन्न मानदण्डों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में विचार किये जाने के लिए पात्र नहीं है।
- संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत का प्रायः 50 से 55 प्रतिशत मुख्य कच्चा माल अर्थात् एल्यूमीनियम के कारण है जो अत्यधिक राज्य हस्तक्षेप को दर्शाता है। इसके अलावा, ईयू तथा आस्ट्रेलिया के निष्कर्षों में भी चीन के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत कार्यरत के रूप में विचार नहीं किया गया।
- बॉडिंग ने इस दावे पर अपना विश्वास रखा है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के लिए पूर्ण रूप से विदेशी स्वामित्व वाली एक कम्पनी है। लेकिन केवल स्वामित्व से राज्य के हस्तक्षेप के तत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। बॉडिंग ने चीन के उत्पादकों द्वारा ईयू में डम्प किये गये एआरडब्ल्यू से संबंधित हाल में यूरोपीय यूनियन द्वारा एक जांच के माध्यम से मैट को नहीं माना है। इस प्रकार बॉडिंग को केवल ईयू द्वारा लिये गये निर्णयों के तथ्यों के आधार पर एनएमई स्थितियों में कार्यरत के रूप में माना जाए।
- डिकास्टल ने अत्यधिक विश्वसनीय आंकड़े प्रस्तुत किये हैं तथा इन्हें अस्वीकार किये जाने की आवश्यकता है डिकास्टल पर ईयू तथा आस्ट्रेलिया में पाटनरोधी शुल्क लग रहा है। यह विश्वास करने के पर्याप्त कारण है कि कम्पनी सभी विकासशील बाजारों पर पाटन कर रहा है।
- सिटिक डिकास्टल ने कहा है कि वे केवल ओईएम को आपूर्ति करते हैं। परन्तु सिटिक डिकास्टल द्वारा ईक्यूआर में यह दर्शाया गया है कि उन्होंने भारत से असंबद्ध पक्षों से खरीदी गई एआरडब्ल्यू की आपूर्ति की है जो निर्यातक के इस दावे के प्रतिकूल है कि वे केवल ओईएम को आपूर्ति करते हैं क्योंकि ओईएम की पद्धति न केवल ओईएम से खरीदे गये उत्पादों को खरीदना है बल्कि उनकी खरीद विनिर्माण केन्द्रित होती है।
- जीएम कोरिया कम्पनी द्वारा प्रश्नावली के संबंध में प्रस्तुत उत्तरों को उत्पादकों में से एक उत्पादक जिन्होंने जीएम कोरिया कम्पनी को सामग्री की आपूर्ति की है, के रूप में अस्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि इसमें कोई ईक्यूआर नहीं दी है तथा इस प्रकार निर्यात की श्रृंखला पूरी नहीं है।
- चीन जन.गण. राज्य के एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था होने की स्थिति में सामान्य मूल्य चीन के उत्पादकों के लिए एक उपयुक्त प्रतिनिधि देश के रूप में भारत पर विचार करते हुए पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 के अनुसार समझा जाना चाहिए।
- कोरिया गणराज्य में सामान्य मूल्य के लिए याचिकार्ता ने कोरिया के एक उत्पादक की मूल्य सूची पर भरोसा किया है। उस पर इस प्राधिकारी द्वारा विश्वास किया गया क्योंकि कोरिया के निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना अपूर्ण और अविश्वसनीय है।
- थाईलैंड के मामले में, थाईलैंड में उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के प्रयास किये गए थे हालांकि ऐसी कोई सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। वैकल्पिक रूप से थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण एलएमई दरों तथा थाईलैंड में बिजली की दरों के अनुसार एल्यूमीनियम की कीमत को शामिल कर भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर किया जाता है। अनुरोध है कि वर्तमान जांच में निष्कर्ष पर पहुंचने के उद्देश्य से उस पर विचार किया जाये।
- काफी संख्या में आयातकों जिन्होंने वर्तमान जांच में भाग लिया है, ने किसी भी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। उसको देखते हुए निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत विश्वसनीय प्रतीत नहीं होता है। प्राधिकारी को निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमतों की तुलना भारतीय सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा रिपोर्ट की गई निर्यात कीमतों से करना चाहिए।
- थाईलैंड से कोई उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में, थाई निर्यात के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा डम्पिंग मार्जिन का निर्धारण याचिकार्कर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर किया जाये।

प्राधिकारी द्वारा जांच

34. चीन जन. गणराज्य में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं पर आस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय यूनियन में पाटनरोधी शुल्क भी लगता है। उनके अंतिम निष्कर्ष में आस्ट्रेलियाई प्राधिकारी ने इस आधार पर चीन की कम्पनियों का मैट की अनुमति नहीं दी कि चीन सरकार की कार्रवाई का सीधा प्रभाव चीन में एल्यूमीनियम की कीमतों के मूल्य पर पड़ा है जिससे इनकी कीमतें सरकार के हस्तक्षेप के बिना उनकी कीमतों की तुलना में कम हो गई। उसी प्रकार ईयू में प्राधिकारी ने इस आधार पर अपने अंतिम निष्कर्ष में चीन की कम्पनियों का मैट देने से इन्कार कर दिया कि चीन राष्ट्र की प्राथमिक एल्यूमीनियम कीमतों के निर्धारण में प्रमुख भूमिका है तथा यह अनेक प्रकार से लगातार बाजार में हस्तक्षेप करता है। इसके अलावा, जैसे कि ईयू ने पाया है, राज्य शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज (एसएचएफई), जो चीन की पंजीकृत कम्पनियों तथा चीन के नागरिकों के लिए बंद एक्सचेंज है, में मूल्य निर्धारण तंत्रों के साथ हस्तक्षेप करता है तथा एसएचएफई में मूल्य निर्धारण तंत्रों के साथ राष्ट्र का हस्तक्षेप स्टेट रिजर्व ब्यूरो तथा राज्य के अन्य निकायों के माध्यम से प्राथमिक एल्यूमीनियम के क्रेता और विक्रेता दोनों के रूप में लाभप्रद स्थिति से संबद्ध है। इसके अलावा यह राष्ट्र एसएचएफई के नियमों के माध्यम से दैनिक आधार पर मूल्य की सीमा का निर्धारण करता है जिसे राष्ट्र के विनियामक, चीन सिक्युरिटीज रेग्युलेटरी कमीशन द्वारा अनुमोदन किया गया है।

35. प्रमुख कच्चे माल की कीमतों के निर्धारण में सरकार के बहुत अधिक हस्तक्षेपों के अलावा ईयू ने सिटिक डिकास्टल और बॉडिंग लिजांग ग्रुप जैसे चीन की प्रमुख प्रतिवादी कम्पनियों की वित्तीय स्थिति में बहुत अधिक विकृतियां देखी हैं। सिटिक डिकास्टल और बॉडिंग लिजांग ग्रुप के संबंध में, ईयू के अंतिम निष्कर्ष में निम्नलिखित बातें सामने आई हैं।

(41) बॉडिंग लिजांग ग्रुप द्वारा यह दावा किया गया है कि मौलिक नियम के अनुच्छेद 2 (7) (ग) में स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा है कि विकृतियां "पूर्व" के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली द्वारा उत्पन्न की गईं ग्रुप ने दावा किया है कि चूंकि यह निजी स्वामित्व वाले समूह के रूप में कथित रूप से हमेशा कार्य किया होगा, विकृतियां "पूर्व" गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली का परिणाम नहीं हो सकती है क्योंकि इस ग्रुप ने कभी भी राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों के रूप में कार्य नहीं किया है। इस तर्क को स्वीकार किया जा सकता है। जैसा कि वर्तमान मामले में सिद्ध है, कम्पनियों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में किसी कम्पनी के राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी के रूप में कार्य करने अथवा न करने पर ध्यान दिये बिना पूर्व की गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त व्यापक विकृतियां हो सकती हैं।

(42) इसके अलावा, बॉडिंग लिजांग ग्रुप, वाईएचआई मैन्यूफैकरिंग (शंघाई) कम्पनी लिमि. तथा सिटिक डिकास्टल ने अन्तिम विनियमन लागू करने के पूर्व प्रस्तुत तर्क को दोहराया है और इस तथ्य आधार पर जोर डाला है कि इन कम्पनियों द्वारा प्राप्त लाभ बहुत अधिक नहीं है। तथापि अन्तिम विनियमन के उद्धरण (50) में यथा उल्लिखित, जांच से यह तथ्य सामने आया है कि इस ग्रुप की वित्तीय स्थिति में विकृतियां बहुत अधिक थी। (बल दिया गया)

(53) सिटिक डिकास्टल के संबंध में, यह राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनी है जिस पर सीधा नियंत्रण राज्य का है (इसके अधिकांश शेयर राज्य के हैं)। राज्य का हस्तक्षेप इतना है कि यह उन उपायों को धूमा फिराकर अनुमति दे देता है यदि इसे अलग दर पर शुल्क प्राप्त हो। अन्य शब्दों में, राज्य के नियंत्रण वाली अन्य कम्पनियों के उत्पादन को सिटिक डिकास्टल के माध्यम से पुनः भेजा जा सकता है। सिटिक डिकास्टल द्वारा प्रस्तुत अन्य तर्क के संबंध में, यह तथ्य कि यह विशेष रूप से ओईएम बाजार में कार निर्माताओं को आपूर्ति करता है इससे भविष्य में अन्य ग्राहकों को आपूर्ति करने से इसे नहीं रोकता है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सिटिक डिकास्टल को आईटी नहीं दिया जाना चाहिए।

36. चीन की उपर्युक्त कम्पनियों द्वारा प्रस्तुत बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की जांच इस प्राधिकारी द्वारा की गई है तथा कमी संबंधी पत्र जारी किये गए हैं। यह प्राधिकारी नोट करता है कि ऐसी स्थिति में जहां प्रतिवादी कम्पनी राज्य के स्वामित्व/नियंत्रण वाला प्रतिष्ठान अथवा राज्य के स्वामित्व/नियंत्रण वाला प्रतिष्ठान जिसका इस कम्पनी में अधिकांश शेयर है, अथवा प्रतिवादी कम्पनी द्वारा दी गई सूचना राज्य के हस्तक्षेप की संभावनाओं को दर्शाता हो अथवा बेसिक इनपुट्स की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को नहीं दर्शाती हैं अथवा प्रतिवादी कम्पनियों को सरकार से व्यापक आर्थिक सहायता मिलती है तथा अच्युतीय सुविधाएं मिलती हैं अथवा यह बिना अस्पष्ट बाजार प्रक्रिया के गैर-बाजार स्थिति से एक अस्पष्ट निजी प्रस्थान के रूप में विकसित हो गया है, चीन की कम्पनियों द्वारा गैर-बाजार दर्जा के खंडन को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उपर्युक्त को देखते हुए, स्वामित्व एवं नियंत्रण के संबंध उपर्युक्त मूल्यों की जांच लंबित रहने तक लागतों तथा मूल्यों एवं इस उपक्रम के बाजार संबंधी निर्णयों तथा इस निर्धारण कि इनपुट्स की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को दर्शाती हैं। पर इस प्रभाव को देखते हुए प्राधिकारी का मत है कि चीन गणराज्य से उत्तर देने वाले उत्पादकों/निर्यातकों को मौके पर सत्यान सहित आगे जाच के लम्बित रहने तक प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार-अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

37. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षों के इस तर्क का प्रश्न है कि याचिकाकर्ता को अपनी याचिका में की गई सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत को यथार्थ के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता ने अपने परिकलन को सही ठहराने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है, प्राधिकारी नोट करता है कि वर्तमान जांच आवेदक द्वारा प्रस्तुत पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के प्रथमदृष्ट्या साक्ष्यों के आधार पर शुरू की गई थी।

38. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों का यह तर्क कि ओईएम क्षेत्र एलॉय व्हील्स का सबसे बड़ा उपभोक्ता है तथा बाजार के बाद का क्षेत्र कुल भारतीय बाजार में एक बहुत छोटा हिस्सा है और अतः यह निर्णय ओईएम का है न कि व्हील विनिर्माताओं का, जो व्हीलों के बाजार के बारे में निर्णय करता है। इसके अलावा, ओईएम में वैशिक वैकल्पिक विनिर्माता शामिल होते हैं जो वैशिक निविदा प्रक्रिया का सहारा लेते हैं और न कि उम्म करने का प्राधिकारी नोट करता है कि इस निष्कर्ष में यथा उल्लिखित जांच के तथ्य इस संबंध में स्वतः स्पष्ट है।

छ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

चीन जन. गणराज्य में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

39. प्राधिकारी नोट करता है कि चीन जन. गणराज्य से नमूने के रूप में कोई भी उत्पादक/निर्यातक को इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 6 के संबंध में चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति के अंतर्गत कार्य करता हुआ नहीं पाया गया है। इन परिस्थितियों में यह प्राधिकारी चीन की उपर्युक्त कम्पनियों पर इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नहीं है तथा यह प्राधिकारी इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करेगा।

40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों में मूल्य अथवा निर्धारित मूल्य अथवा भारत सहित अन्य देशों से ऐसे तीसरे देश से मूल्य अथवा जहां यह सभव नहीं हो अथवा किसी अन्य ताकिंग आधार पर जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत जिसकी आवश्यकता पड़ने पर उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित किया गया हो, के आधार पर किया जायेगा।"

41. इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर किया जा सकता है:

- क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में मूल्य के आधार पर अथवा
- ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्धारित मूल्य के आधार पर अथवा
- ग) भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों से मूल्य के आधार पर

घ) यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर नहीं किया जा सकता है तब नामित प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित किसी अन्य तार्किक आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकता है।

42. यह प्राधिकारी नोट करता है कि तीसरे देश की लागत और मूल्यों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए, घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देश के निर्यात बिक्री तथा तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों के उत्पादों तथा सहयोग की लागत संबंधी पूँजी और व्यापक आंकड़े अपेक्षित हैं। इन बाजारों में प्रचलित मूल्यों और लागतों के संबंध में कोई ऐसी सूचना न तो आवेदक अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दी गई है और न ही किसी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना प्राप्त की जा सकती है और न ही उत्तर देने वाले चीन की कम्पनियों ने इस समय उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया है। इन मामलों की आगे जांच लाभित रहने तक प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से यह प्राधिकारी किसी अन्य तार्किक आधार पर सामान्य मूल्य को निर्धारित करेगा।

43. यह प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के दूसरे परन्तुक के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का अनन्तिम रूप से निर्धारण करता है। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद का एक्सवर्क्स सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजित उत्पादन के निर्धारित लागतों के आधार पर किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य 5.35 अमेरिकी डॉलर/प्रति किग्रा. है।

कोरिया गणराज्य तथा थाईलैंड में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

कोरिया गणराज्य में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

44. धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का आशय निम्नलिखित है:

- (i) सामान्य वस्तु जब उसका आशय उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में खपत से हो, के लिए सामान्य व्यापार की स्थिति में तुलनीय कीमत अथवा
- (ii) निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की सामान्य स्थिति में समान वस्तुओं की कोई बिक्री न होती हो अथवा जब किसी खास बाजार स्थिति अथवा निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्री की मात्रा कम हो तब ऐसी बिक्री के लिए जब तुलना की अनुमति नहीं हो, सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा।
- (क) सामान्य वस्तु की तुलनीय सांकेतिक मूल्य जब उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा क्षेत्र अथवा किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किया गया हो
- (ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उचित वृद्धि के साथ-साथ मूल देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत।

बशर्ते कि मूल देश के अलावा किसी देश जहां इस वस्तु को केवल निर्यातक देश से लदान करके लाया गया है अथवा ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित न हो, से इस वस्तु के आयात के संबंध में, निर्यातक देश में कोई तुलनीय मूल्य न हो, सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में इसकी कीमत के संबंध में किया जायेगा।

45. कोरिया गणराज्य से नमूने लिये गए निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक के प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

- i. अर्टिसन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. (उत्पादक)
- ii. जीएम कोरिया कम्पनी (निर्यातक)
- iii. हैंडस कोरपोरेशन (निर्यातक)
- iv. हुन्ड्रेई ग्लोविस कम्पनी लिमि. (निर्यातक)

46. इस प्राधिकारी ने इस निष्कर्ष में अच्छी तरह से उल्लिखित कारणों से मैसर्स जीएम कोरिया कम्पनी (निर्यातक), कोरिया गणराज्य (निर्यातक) तथा मैसर्स अर्टिसन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. (उत्पादक), कोरिया गणराज्य (उत्पादक) द्वारा प्रस्तुत दरों को स्वीकार नहीं किया है। जहां तक हैंडस कोरपोरेशन और हुन्ड्रेई ग्लोविस कम्पनी लिमि. का संबंध है, वे कोरिया गणराज्य में संबंद्ध वस्तुओं के उत्पादक नहीं हैं और चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तुओं के निर्यातक हैं। इस स्थिति को देखते हुए कोरिया गणराज्य से सहकारी उत्पादक/निर्यातक के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण संभव नहीं है। अतः कोरिया गणराज्य से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा लाभ शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजित उत्पादन की आंकित लागत के आधार पर अनन्तिम रूप से निर्धारित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य ***अमेरिकी डॉलर/प्रति किग्रा. है।

थाईलैंड में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

47. चूंकि थाईलैंड से उत्तर नहीं मिला है अतः थाईलैंड से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा लाभ शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजित उत्पादन की आंकित लागत के आधार पर अनन्तिम रूप से निर्धारित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य ***अमेरिकी डॉलर/प्रति किग्रा. है।

ज. निर्यात कीमत

चीन ज.गण. के नमूनाशुदा निर्यातक

क) सिटिक डिकास्टल, लिमि. चीन जन.गण.

48. ईक्यूआर में सिटिक डिकास्टल ने उसके स्वयं के द्वारा और अन्य उत्पादकों द्वारा भी उत्पादित संबंद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। इसके अलावा ईक्यूआर से यह स्पष्ट होता है कि सिटिक डिकास्टल द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तु का जांच अवधि के दौरान अन्य निर्यातकों द्वारा भी भारत को निर्यात किया जाता है। प्राधिकारी द्वारा जारी कमी संबंधी पत्र के उत्तर के संबंध में सिटिक डिकास्टल ने यह बताया कि उसने जांच अवधि के दौरान दो असंबंद्ध उत्पादकों अर्थात मैसर्स *** और *** द्वारा विनिर्मित संबंद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया ताकि

अत्यावश्यक आर्डरों को पूरा किया जा सके अथवा तुलनात्मक रूप से ऐसे आर्डरों को पूरा किया जा सके जो स्वयं के उत्पादन हेतु कम्पनी के लिए लाभकारी नहीं हो सकते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सिटिक डिकास्टल द्वारा अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित संबंद्ध वस्तु का निर्यात जांच अवधि के दौरान भारत को सिटिक डिकास्टल द्वारा किये गये कुल निर्यातों का लगभग 75 प्रतिशत बनता है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि ऐसे अन्य उत्पादकों ने उत्तर दायर नहीं किया है जिनके उत्पादों का निर्यात सिटिक डिकास्टल द्वारा किया गया है। इसके अलावा सिटिक डिकास्टल ने अपने ईक्यूआर में यह दावा किया है कि वह केवल ऑईएम को आपूर्ति करता है। तथापि याचिकार्कर्ता के दावानुसार इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ऑईएम ने केवल बाजार से खरीदी गई संबंद्ध वस्तु को स्वीकार किया होगा। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए संबंधी उत्पादकों के उत्तर के बिना और खासकर तब जब इसे अन्य असहयोगी उत्पादकों द्वारा उत्पादित ऐसी वस्तु का निर्यात करना सिटिक डिकास्टल के लिए लाभकारी न होना स्वीकार किया गया है, जांच अवधि के दौरान भारत के बाजार से खरीदी गई संबंद्ध वस्तु के डिकास्टल द्वारा किये गये निर्यातों के 75 प्रतिशत के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण सत्यापित लंबित रहने तक इस चरण पर उचित नहीं हो सकता है। अतः प्राधिकारी सिटिक डिकास्टल द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत स्वीकार नहीं करते हैं।

ख) झिजियांग ऑटम एल्यूमिनियम व्हील्स क. लिमि.

49. ईक्यूआर में झिजियांग ऑटम एल्यूमिनियम व्हील्स क. लिमि. ने जांच अवधि के दौरान *** अम. डा. प्रति किग्रा. की औसत सीआईएफ कीमत पर जांच अवधि के दौरान *** अम. डॉ. के कुल सीआईएफ मूल्य की *** मीट. संबंद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। इस संबंध में निर्यातक द्वारा प्रदत्त परिशिष्ट-2 में *** निर्यात सौदे निहित हैं। इसके अलावा प्राधिकारी के पास महानिदेशक, प्रणाली से प्राप्त निर्यात सूचना उपलब्ध है, जिसमें संबंद्ध वस्तु के लिए सीमा शुल्क वर्गीकरण/उपशीर्ष का उल्लेख है जो 87087000 है। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक द्वारा सूचित *** सौदों में से *** सौदों का मिलान गुणवत्ता के संबंध में डीजी प्रणाली के साथ किया गया है लेकिन बीजक मूल्य मेल नहीं खाता है और इसे निर्यातक द्वारा दावा की गई कीमत से काफी कम पाया गया है। इस भारी असंगति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी सत्यापन लंबित रहने तक निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को इस चरण पर स्वीकार नहीं करते हैं। इस प्रांभिक जांच परिणाम हेतु सत्यापन लंबित रहने तक निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को अस्वीकार करने की बजाय प्राधिकारी झिजियांग ऑटम एल्यूमिनियम व्हील्स क. लिमि., चीन ज.ग. के संबंध में निबल निर्यात कीमत का निर्धारण निबल निर्यात कीमत निकालने के निर्यातक द्वारा दावा किये गए अनुसार विधिवत समायोजन करने के बाद डीजी प्रणाली के अनुसार प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमा शुल्क आंकड़ों के आधार पर करते हैं। तदनुसार झिजियांग ऑटम एल्यूमिनियम व्हील्स क. लिमि. द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को पूर्णतः अस्वीकार किया जायेगा अथवा उसे अंतिम जांच परिणाम हेतु स्वीकार किया जायेगा।

ग) झिजियांग बायंग ऑटो व्हील क. लिमि.

50. ईक्यूआर में झिजियांग बायंग ऑटो व्हील क. लिमि. ने जांच अवधि के दौरान *** अम. डा. प्रति किग्रा. की औसत सीआईएफ कीमत पर जांच अवधि के दौरान *** अम. डॉ. के कुल सीआईएफ मूल्य की *** मीट. संबंद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। इस संबंध में निर्यातक द्वारा प्रदत्त परिशिष्ट-2 में *** निर्यात सौदे निहित हैं। इसके अलावा प्राधिकारी के पास महानिदेशक, प्रणाली से प्राप्त निर्यात सूचना उपलब्ध है, जिसमें संबंद्ध वस्तु के लिए सीमा शुल्क वर्गीकरण/उपशीर्ष का उल्लेख है जो 87087000 है। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक द्वारा सूचित *** सौदों में से *** सौदों का मिलान गुणवत्ता के संबंध में डीजी प्रणाली के साथ किया गया है लेकिन बीजक मूल्य मेल नहीं खाता है और इसे निर्यातक द्वारा दावा की गई कीमत से काफी कम पाया गया है। इस भारी असंगति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी सत्यापन लंबित रहने तक निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को इस चरण पर स्वीकार नहीं करते हैं। इस प्रांभिक जांच परिणाम हेतु सत्यापन लंबित रहने तक निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को अस्वीकार करने की बजाय प्राधिकारी झिजियांग बायंग ऑटो व्हील क. लिमि., चीन ज.ग. के संबंध में निबल निर्यात कीमत का निर्धारण निबल निर्यात कीमत निकालने के निर्यातक द्वारा दावा किये गए अनुसार विधिवत समायोजन करने के बाद डीजी प्रणाली के अनुसार प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमा शुल्क आंकड़ों के आधार पर करते हैं। तदनुसार झिजियांग बायंग ऑटो व्हील क. लिमि., चीन ज.ग. के लिए कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत को *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. के रूप में अंतिम रूप से निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी मौके पर सत्यापन के बाद इस बात पर विचार करेंगे कि क्या झिजियांग बायंग ऑटो व्हील क. लिमि. द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को पूर्णतः अस्वीकार किया जायेगा अथवा उसे अंतिम जांच परिणाम हेतु स्वीकार किया जायेगा।

घ) झेजियांग यूलिंग क. लिमि.

51. ईक्यूआर में झेजियांग यूलिंग क. लिमि. ने जांच अवधि के दौरान *** अम. डा. प्रति किग्रा. की औसत सीआईएफ कीमत पर जांच अवधि के दौरान *** अम. डॉ. के कुल सीआईएफ मूल्य की *** मीट. संबंद्ध वस्तु का निर्यात करने का दावा किया है। इस संबंध में निर्यातक द्वारा प्रदत्त परिशिष्ट-2 में *** निर्यात सौदे निहित हैं। इसके अलावा प्राधिकारी के पास महानिदेशक, प्रणाली से प्राप्त निर्यात सूचना उपलब्ध है, जिसमें संबंद्ध वस्तु के लिए सीमा शुल्क वर्गीकरण/उपशीर्ष का उल्लेख है जो 87087000 है। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक द्वारा सूचित *** सौदों में से *** सौदों का मिलान गुणवत्ता के संबंध में डीजी प्रणाली के साथ किया गया है लेकिन बीजक मूल्य मेल नहीं खाता है और इसे निर्यातक द्वारा दावा की गई कीमत से काफी कम पाया गया है। इस भारी असंगति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी सत्यापन लंबित रहने तक निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को अस्वीकार करने की बजाय प्राधिकारी झेजियांग यूलिंग क. लिमि., चीन ज.ग. के संबंध में निबल निर्यात कीमत का निर्धारण निबल निर्यात कीमत निकालने के निर्यातक द्वारा दावा किये गए अनुसार विधिवत समायोजन करने के बाद डीजी प्रणाली के अनुसार प्राधिकारी के पास उपलब्ध सीमा शुल्क आंकड़ों के आधार पर करते हैं। तदनुसार झेजियांग यूलिंग क. लिमि., चीन ज.ग. के लिए कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत को *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. के रूप में अंतिम रूप से निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी मौके पर सत्यापन के बाद इस बात पर विचार करेंगे कि क्या झेजियांग यूलिंग क. लिमि. द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को पूर्णतः अस्वीकार किया जायेगा अथवा उसे अंतिम जांच परिणाम हेतु स्वीकार किया जायेगा।

ड) बॉओडिंग लिंग व्हील्स विनिर्माता क. लिमि. एवं ग्लोविस, कोरिया गण एवं हुनडेर्ड मोबिस, हॉग कॉर्प के जरिये

52. ईक्यूआर में बॉओडिंग लिझॉग व्हील्स विनिर्माता क. लिमि. चीन ज.ग. ने जांच अवधि के दौरान *** अम. डॉ. प्रति किंग्रा. की भारित औसत सीआईए कीमत पर हुनडेर्इ ग्लोबिस, कोरिया गण एवं हुनडेर्इ मोबिस, हॉग कॉग के जरिये भारत को संबंध वस्तु के *** अम. डॉ. के कुल सीआईएफ मूल्य के *** मीट. का निर्यात करने और *** अम. डॉ. के कुल कुल सीआईएफ मूल्य के *** मीट. का सीधे निर्यात करने का दावा किया है। प्राधिकारी ने निर्यात द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का मिलान महानिदेशक, प्रणाली से प्राप्त सीमा शुल्क आंकड़ों के साथ किया और उन्हें बराबर पाया। प्राधिकारी ने कारखाना स्तर पर निबल निर्यात की कीमत निकालने के लिए निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के अपने उत्तर में किये गये दावों का समायोजन किया। तदनुसार बॉओडिंग लिझॉग व्हील्स विनिर्माता क. लिमि. चीन ज.ग. हेतु कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत अनंतिम रूप से *** अम. डॉ. प्रति किंग्रा. निर्धारित की गई है।

चीन जन. गण. के गैर नमूनाशुदा निर्यातक

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण के निम्नलिखित निर्यातकों ने नमूना प्रश्नावली प्रस्तुत की है:

- i. सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) क. लिमि., शंघाई, चीन ज.ग.।
- ii. शंघाई जर्नल मोटर्स कोरपोरेशन लिमि. पुड़ोंग, शंघाई, चीन ज.ग.।
- iii. सिटक डिकास्टल व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., क्यूहांगगड़ो सिटी, हेबेर्इ, चीन जन.गण.।
- iv. सैक जीएम वूलिंग ऑटोमोबाइल क. लिमि. गुंगयकसी, चीन जन.गण.।
- v. डिजियांग यूलिंग क. लिमि., वेनलिंग, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- vi. सिटक डिकास्टल क. लिमि. क्यून हूगांगड़ो सिटी, चीन जन.गण.।
- vii. डिजियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. मांगझेर्इ टाउन, वूर्ड, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- viii. डिजियांग जेन्ट ऑटो व्हील क. लिमि. वेस्ट सिटी, यांगकांग, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- ix. डिजियांग ब्यूयांग ऑटो व्हील क. लिमि. योंगकांग सिटी, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- x. डिजियांग जिनफिर्इ कैडा व्हील क. लिमि. जिनहूआ सिटी डिजियांग, चीन जन.गण.।
- xi. व्यूक्सी सिटी वानएकअन मैटल प्रोडेक्शन क. लिमि. व्यूक्सी सिटी, जिअंगसू, चीन जन.गण.।
- xii. डिजियांग ऑटोम एल्मूनियम व्हील कम्पनी, लिमि., व्यूवर्इ सिटी, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- xiii. डिजियांग शुगांग इंडस्ट्रीयल क. लिमि. व्यूवर्इ, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- xiv. लिओ फूग इन्टरनेशनल कारपोरेशन, कुनशन डेवेलपमेंट जॉन, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण.।
- xv. बॉडिंग लिझॉग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. बॉडिंग, हेबेर्इ, चीन जन.गण.।
- xvi. एकसीयांग हेनगडे ऑटो पार्ट्स क. लिमि. एकसीयांग, हूबेर्इ, प्रोविन्स, चीन जन.गण.।
- xvii. कूनशंग लियूफेनग मशीनरी इन्डस्ट्री क. लिमि. सूजोउ सिटी, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण.।

54. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि चीन जन गण के उपर्युक्त निर्यातकों में से प्राधिकारी द्वारा नमूना प्रक्रिया में निम्नलिखित का चयन नहीं किया गया था:

- i. सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) क. लिमि., शंघाई, चीन ज.ग.।
- ii. शंघाई जर्नल मोटर्स कोरपोरेशन लिमि. पुड़ोंग, शंघाई, चीन ज.ग.।
- iii. डिजियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. मांगझेर्इ टाउन, वूर्ड, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- iv. डिजियांग जेन्ट ऑटो व्हील क. लिमि. योंगकांग सिटी, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- v. डिजियांग जिनफिर्इ कैडा व्हील क. लिमि. जिनहूआ सिटी डिजियांग, चीन जन.गण.।
- vi. व्यूक्सी सिटी वानएकअन मैटल प्रोडेक्शन क. लिमि. व्यूक्सी सिटी, जिअंगसू, चीन जन.गण.।
- vii. डिजियांग शुगांग इंडस्ट्रीयल क. लिमि. व्यूवर्इ, डिजियांग, चीन जन.गण.।
- viii. लिओ फूग इन्टरनेशनल कारपोरेशन, कुनशन डेवेलपमेंट जॉन, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण.।
- ix. डियांगयांग हेनगडे ऑटो पार्ट्स क. लिमि. एकसीयांग, हूबेर्इ, प्रोविन्स, चीन जन.गण.।
- x. कूनशंग लियूफेनग मशीनरी इन्डस्ट्री क. लिमि. सूजोउ सिटी, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण.।

55. चीन जन गण के उपर्युक्त निर्यातकों, जिन्होंने नमूना प्रश्नावली में अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की थी परन्तु उनका नमूना नहीं लिया गया था, के संबंध में प्राधिकारी ने नमूनाशुदा निर्यातकों के बारे में निर्धारित निबल निर्यात कीमत के भारित औसत के आधार पर उनकी निबल निर्यात कीमत निर्धारित की और तदनुसार चीन जन गण के ऊपर सूचीबद्ध गैर-नमूनाशुदा निर्यातकों के संबंध में निबल निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति किंग्रा. निर्धारित की जाती है।

चीन जन गण के अन्य निर्यातक

56. चीन जन गण के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार उनकी निबल निर्यात कीमत निर्धारित की है। तदनुसार चीन जन गण के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निबल निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति किंग्रा. निर्धारित की गई है।

कोरिया गण के निर्यातक

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गण के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने नमूना प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

- क. आरटीजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि., वांजू – गन, चुनबुक, कोरिया गण (उत्पादक)
- ख. जीएम कोरिया कम्पनी बूपियांग – गू, इनचियन, कोरिया गण (निर्यातक)
- ग. हैंड कारपोरेशन, गाजवा – डांग सीओगू, इनचियन, कोरिया गण (उत्पादक)

घ. हुनडेर्ड ग्लोबिस कम्पनी लिमि., गंगनाम – गू. सीओल, कोरिया गण (निर्यातक)

58. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि कोरिया गण के ऊपर सूचीबद्ध सभी उत्पादकों और निर्यातकों को नमूना प्रक्रिया में चुना गया है।

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गण के उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातकों में से हैंड कारपोरेशन (उत्पादक), जिसकी संबंध वस्तु के बारे में हुनडेर्ड ग्लोबिस कम्पनी लिमि. द्वारा निर्यात किये जाने का दावा किया गया था, ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तथापि हुनडेर्ड ग्लोबिस कम्पनी लिमि., कोरिया गण ने नमूना प्रश्नावली भी दायर की और बाद में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् बाओडिंग लिङ्गोंग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन गण के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया।

60. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण ने कोरिया के दो उत्पादकों अर्थात् आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. तथा डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमि. द्वारा उत्पादित संबंध वस्तु के निर्यात का दावा करते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। कोरिया गण के उपर्युक्त उत्पादकों में से यद्यपि आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. ने प्राधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने के बाद नमूना प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर भी दायर किया है तथापि अन्य उत्पादक अर्थात् डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमि., कोरिया गण ने नमूना प्रश्नावली दायर नहीं की और इसलिए प्राधिकारी ने उसका नमूना नहीं लिया। डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमि., कोरिया गण ने भी निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि., कोरिया गण द्वारा उत्पादित संबंध वस्तु का जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण द्वारा किया गया निर्यात जांच अवधि के दौरान जीएम कोरिया कम्पनी द्वारा भारत को किये गये कुल निर्यातकों के 1 प्रतिशत से कम बनता है जबकि डेयू स्मार्ट एल्यूमिनियम कम्पनी लिमि., कोरिया गण द्वारा उत्पादित संबंध वस्तु का 99 प्रतिशत निर्यात करने वाले जीएम कोरिया कम्पनी ने प्राधिकारी का उत्तर नहीं दिया है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण द्वारा और आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी द्वारा उत्पादित वस्तु के निर्यात नगण्य हैं और ये वाणिज्यिक मात्रा प्रदर्शित नहीं करते हैं, इसलिए प्राधिकारी जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को कम्पनी द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को किये गये कुल निर्यातों की निर्यात कीमत की प्रतिनिधिक नहीं मानते हैं। अतः प्राधिकारी जीएम कोरिया कम्पनी, कोरिया गण (निर्यातक) और आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि., कोरिया गण (उत्पादक) द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर स्वीकार नहीं करते हैं। इसके अलावा यह नोट किया जा सकता है कि मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. (उत्पादक) ने पर्याप्त अवसर दिये जाने के बावजूद प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रशिष्टों के अनुसार लागत/कीमत निर्धारण के संबंध में सूचना दायर नहीं की है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मैसर्स आर्टिजन स्प्रिट एंड एलॉय कम्पनी लिमि. (उत्पादक) का उत्तर स्वीकार नहीं किया है।

61. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि बाओडिंग लिङ्गोंग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन गण द्वारा उत्पादित संबंध वस्तु का हुनडेर्ड ग्लोबिस कम्पनी लिमि., कोरिया गण द्वारा किये गये निर्यात को छोड़कर कोरिया गण का कोई भी निर्यातक विशिष्ट निर्यात कीमत का पात्र नहीं है और इसलिए ये अवशिष्ट श्रेणी में आते हैं। कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, अंतर्राष्ट्रीय भाड़े, बैंक परभारों और ऋण लागत के लिये समायोजन किये हैं। तदनुसार, थाईलैंड के मामले में कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. निर्धारित की जाती है।

थाईलैंड के निर्यातक

62. थाईलैंड ने कोई उत्तर नहीं दिया है। इसके महेनजर थाईलैंड के मामले में निर्यात की कीमत रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्धारित की गई है। कारखाना स्तर पर निबल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, अंतर्राष्ट्रीय भाड़े, बैंक परभारों और ऋण लागत के लिये समायोजन किये हैं। तदनुसार, थाईलैंड के मामले में कारखाना स्तर पर पर निबल निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति किग्रा. निर्धारित की जाती है।

झ. पाटन मार्जिन

चीन जन गण के नमूनाशुदा निर्यातक

63. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यातक की कीमत पर विचार करते हुए चीन जन गण के नमूनाशुदा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

क्र. सं.	निर्यात का माध्यम	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य – अम. डॉ. / किग्रा	निर्यात मूल्य – अम. डॉ. / किग्रा	पाटन मार्जिन – अम. डॉ. / किग्रा	पाटन मार्जिन – %	पाटन मार्जिन रेंज – %
1	चीन–भारत	झिजियांग यूएलिंग क. लिमि., चीन ज. ग.	झिजियांग यूएलिंग क. लिमि., चीन ज. ग.	***	***	***	***	35-45
2	चीन–भारत	झिजियांग बायांग ऑटो व्हील क. लिमि., चीन ज.ग.	झिजियांग बायांग ऑटो व्हील क. लिमि., चीन ज.ग.	***	***	***	***	60-70
3	चीन–भारत	झिजियांग ऑटोम एल्यूमिनियम व्हील क. लिमि., चीन ज. ग.	झिजियांग ऑटोम एल्यूमिनियम व्हील क. लिमि., चीन ज. ग.	***	***	***	***	60-70
4	चीन–भारत	बॉडिंग लिङ्गोंग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन ज. ग.	बॉडिंग लिङ्गोंग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन ज.ग.	***	***	***	***	35-45
5	चीन–हॉग कांग–कोरिया	बॉडिंग लिङ्गोंग व्हील	हुनडेर्ड ग्लोबिस क. लिमि.	***	***	***	***	45-55

	—भारत	मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. चीन ज.ग.	कोरिया ज.ग. एवं हुनडई मोबिस हॉग कांग					
6	बॉलिंग लिझांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन जन.गण. का भारित औसत			***	***	***		45-55

चीन जन गण के गैर नमूनाशुदा निर्यातक

64. निम्नलिखित निर्यातकों जिन्होंने नमूना प्रश्नावली के उत्तर में स्वयं की पहचान की बताई परन्तु प्राधिकारी द्वारा नमूना नहीं लिया गया, के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 18 (2) के अनुसार उपर्युक्त नमूनाशुदा निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन के भारित औसत के आधार पर किया गया है। चीन जन गण के गैर नमूनाशुदा निर्यातकों के संबंध में भारित औसत पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार है।

क्र.सं.	विवरण	पाटन मार्जिन – अम. डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन – %	पाटन मार्जिन रेंज – %
1	सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) क. लिमि., शंघाई, चीन ज.ग. (प्रो.) एवं शंघाई जर्नल मोर्टर्स कारपोरेशन लिमि. पूड़ौंग, शंघाई, चीन ज.ग. (निर्यातक)			
2	झिजियांग बोकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., वांघाई टाउन, झिजियांग, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
3	झिजियांग जेट ऑटो व्हील क. लिमि., योंगकांग सिटी, झिजियांग, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
4	झिजियांग जिनफेर्इकेडा व्हील क. लिमि., जिनहूआ सिटी, झिजियांग, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
5	वियूक्सी सिटी वानएक्योंग मैटल प्रोडेक्शन क. लिमि., वूएक्सी सिटी, जिअंगसू चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
6	झिजियांग शुगुआंग इंडस्ट्रीरियल क. लिमि., वूथी, झिजियांग चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
7	एक्सीनयांग हेनगडे ऑटो पाटर्स क. लिमि., एक्सीनयांग, हूबेई प्रोविन्स, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
8	कुनशांग लियूफैंग मशीनरी इंडस्ट्री क. लिमि., सूजोउ सिटी, जिअंग्यू प्रोविन्स, चीन ज.ग. (उत्पादक) एवं लिओ फूग इन्टरनेशनल कारपोरेशन, कुनशान डेवेलपमेंट जॉन, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन ज.ग. (निर्यातक)			
		***	***	45-55

चीन जन गण के अन्य सभी निर्यातक

65. प्राधिकारी द्वारा चीन जन गण के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

विवरण	सामान्य मूल्य – अम. डॉ. /किग्रा	निर्यात मूल्य – अम. डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन – अम. डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन – % — %	पाटन मार्जिन रेंज — %
सभी अन्य उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	60-70

कोरिया गणराज्य के मामले में पाटन मार्जिन

हुनडई ग्लोबिस कम्पनी लिमि., कोरिया गण (निर्यातक), हुनडई मोबिस, हॉग कॉग (निर्यातक) और बाओडिंग लिझांग, व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन गण (उत्पादक) के लिए पाटन मार्जिन

66. प्राधिकारी द्वारा हुनडई ग्लोबिस कम्पनी लिमि., कोरिया गण (निर्यातक), हुनडई मोबिस, हॉग कॉग (निर्यातक) और बाओडिंग लिझांग, व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन गण (निर्यातक) के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण उसी प्रकार किया गया है जैसा कि उत्पादक बाओडिंग लिझांग, व्हील मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमि., चीन जन गण के मामले में किया जा चुका है।

कोरिया गण के अन्य सभी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन

67. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात की कीमत की तुलना करते हुए कोरिया गण के संबंध में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया गया है:

विवरण	सामान्य मूल्य – अम. डॉ. /किग्रा	निर्यात मूल्य – अम. डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन – अम. डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन – % — %	पाटन मार्जिन रेंज — %
सभी उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	25-35

थाईलैंड के मामले में पाटन मार्जिन

68. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात की कीमत की तुलना करते हुए थाईलैंड के संबंध में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया गया है:

विवरण	सामान्य मूल्य - अम. डॉ. /किग्रा	निर्यात मूल्य - अम.डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन - अम. डॉ. /किग्रा	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	20-30

ज. क्षति निर्धारण की कार्यप्रणाली और क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जांच
क्षति जांच उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

69. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के क्षति संबंधी अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i) चीन से आयातों में वृद्धि भारत में उच्च मांग तथा भारतीय छील उद्योग की अपर्याप्त आपूर्ति क्षमता के बीच भारी अंतर का नसैरिक परिणाम है। एक बड़े भाग रखने का दावा करने वाली याचिकार्का कम्पनी (भले ही गलती से) एआरडब्ल्यू की कुल भारतीय मांग के आधे भाग की पूर्ति करने में भी समर्थ नहीं है क्योंकि यह एक ईओयू इकाई है और यह अपनी वस्तु के कम से कम 50 प्रतिशत का निर्यात करने के लिए और सकारात्मक एनएफई प्राप्त करने के लिए बाध्य है। इसके परिणामस्वरूप जब मांग उत्पन्न होती है तो डीटीए में बिक्री करने के लिए आगे तक घरेलू उत्पादक को विकास आयुक्त से अनुमति न मिलने पर उपभोक्ता अन्य घरेलू उत्पादकों से संबंध वस्तु की खरीद करने अथवा आयात करने के लिए बाध्य हो जाते हैं।
- ii) क्षति मार्जिन 22 प्रतिशत पूँजी आय दर क्षति रहित कीमत के उचित परिकलन हेतु काफी अधिक है। निर्देष्ट प्राधिकारी को उस अवधि के दौरान जब पाटन का कोई आरोप नहीं था, घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को उचित आय की गणना के आधार के रूप में अपनाना चाहिए।
- iii) डीजीएडी को कमतर शुल्क नियम लागू करने हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ||| के अनुसार कार्यप्रणाली अपनानी चाहिए न कि ऐसी कोई कार्यप्रणाली अपनानी चाहिए जो घरेलू उद्योग को अनुचित लाभ देने के लिए अत्यंत स्वेच्छिक है।
- iv) याचिकार्का द्वारा अमरीका में अपनी सहायक कम्पनी को एआरडब्ल्यू का निर्यात किया जा रहा है और वह भारी घाटा उठा रहा है। यह नोट किया जाता है कि एआरडब्ल्यू के निर्यात हेतु वर्ष 2010–11 के लिए उसकी अमरीकी सहायक कम्पनी पर भारी राशि बकाया है। अतः याचिकार्का का यह दावा गलत है कि याचिकार्का ने निर्यात बाजार में भारी वृद्धि दर्ज की है।
- v) डीजीएडी के लिए न केवल याचिकार्का कम्पनी अपितु बाजार में अन्य घरेलू उत्पादकों के आंकड़ों की जांच करनी अपेक्षित होती है। जैसा कि याचिकार्का ने बताया है बाजार में 5 उत्पादक हैं। ऐसा मामला होने के कारण डीजीएडी द्वारा अन्य उत्पादकों के बारे में याचिकार्का को सूचना प्रस्तुत करने अथवा क्षति के मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ आवश्यक सूचना प्रदान करने का निर्देश दिया जाना चाहिए।
- vi) याचिकार्का ने किसी औचित्य के बिना अर्द्ध तैयार एआरडब्ल्यू को उत्पाद के दायरे में शामिल किया है। अर्द्ध तैयार एआरडब्ल्यू का वजन अधिक होता है और तैयार एआरडब्ल्यू की तुलना में उनकी लागत कम होती है। डीजीएडी को अर्द्ध तैयार एआरडब्ल्यू के बारे में प्रदत्त किसी आंकड़े की अनिवार्यता अनदेखी करनी चाहिए और केवल तैयार एआरडब्ल्यू के आधार पर क्षति विश्लेषण करना चाहिए।
- vii) यद्यपि क्षति अवधि के दौरान आयात की कीमत में वृद्धि हुई है तथापि समृद्धी क्षति अवधि के दौरान याचिकार्का की बिक्री कीमत स्थिर रही है। अतः याचिकार्का के इस दावे में कोई दम नहीं है कि पारित आयातों से लाभप्रदता उसकी बिक्री की कीमत में वृद्धि करने की अक्षमता प्रभावित हो रही है, कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
- viii) उत्पादन, उत्पादन क्षमता, बिक्री, रोजगार, उत्पादकता (प्रतिदिन और प्रति कर्मचारी) आदि में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति में कोई दम नहीं है।
- ix) याचिकार्का कोई आरोपित क्षति का मूल कारण संबंध वस्तु का पाटन नहीं है बल्कि यह विद्युत आपूर्ति, घरेलू बिक्री को प्रभावित करने वाला निराशाजनक निर्यात निष्पादन, अन्य घरेलू उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा, विनियम दर में घट-बढ़, ओईएम बाजार के गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में अक्षमता आदि जैसे अन्य कारकों के कारण हुई है।
- x) संबंध वस्तु के लिए दो विशिष्ट बाजार खंड – ओईएम खंड और बाजार पश्चात खंड हैं। ओईएम खंड की गतिशीलता बाजार पश्चात खंड से पूर्णता भिन्न है और इसीलिए क्षति विश्लेषण अलग से करने की जरूरत है। आरट्रैलिया ने ओईएम तथा बाजार पश्चात दोनों खंडों के लिए अलग-अलग क्षति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण किया है। ओई बिक्रियां आपूर्तिकर्ता तथा ओई क्रेताओं के बीच दीर्घावधि संविदा द्वारा शासित होती है। इसके विपरीत एम बाजार खंड में बिक्री ऐसे किसी संविदागत दायित्व के अधीन नहीं होती है इस प्रकार वह कीमत संवेदनशील होती है।
- xi) ओई बाजार खंड में छीलों में ओई क्रेताओं के आईपीआर अनिवार्यता शामिल होते हैं जबकि एम में ये अधिकार संविदा की शर्तों के अनुसार आपूर्तिकर्ता या क्रेता के पास हो सकते हैं। किसी भी मामले में महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि दोनों बाजार खंडों की विशेषता आईपीआर स्वामित्व की अलग पद्धति से विनिष्ठ होती है।
- xii) घरेलू उद्योग दो अलग-अलग और विशिष्ट बाजार खंडों अर्थात मूल उपकरण बाजार खंड (ओई) प्रतिस्थापन अथवा बिक्री पश्चात बाजार खंड (एम) की मौजूदगी के बारे में संगत सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहा। ओई बाजार खंड में विनिर्माताओं द्वारा बेचे गये छीलों में एम हेतु विशेष रूप से विनिर्मित वस्तु की तुलना में भिन्न तकनीकी विनिर्देशन, डिजाइन, ब्रांडिंग और स्टाइलिंग होती हैं।
- xiii) छीलों की विशिष्टता तय करने के लिए स्टाइलिंग, वजन और डिजाइन निर्धारक कारक होते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी की जानकारी में निम्नलिखित तथ्य जानबूझकर नहीं लाये गये हैं। कि छीलों का कीमत निर्धारण डिजाइनर, स्टाइलिंग, आकार,

- वजन और फिनिश का कार्य है। अतः यद्यपि दो अलग—अलग उत्पादकों द्वारा विनिर्मित व्हील एक ही वाहन में लग सकते हैं तथापि कीमत में उपर्युक्त कारकों के वजह से भारी अंतर हो सकता है।
- xiv) कि ओई को आपूर्ति किया गया प्रत्येक व्हील विशिष्ट डिजाइन, स्टाइल और ओई ग्राहक द्वारा प्रदत्त तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार है। अतः ओई को आपूर्ति किया गया प्रत्येक व्हील अद्भुत होता है और उसे विशिष्ट भाग संख्या के रूप में अनिवार्यतः पहचाना जाता है। घरेलू उद्योग का यह तर्क गलत है कि सभी व्हील प्रतिस्थापनीय होते हैं।
- xv) ऐसे कानूनी और संविदागत दायित्व होते हैं जिनकी वजह से एआडब्ल्यू के सभी उत्पादकों के लिए सभी भाग संख्या की आपूर्ति नहीं की जा सकती है। चूंकि तकनीकी विनिर्देशन, डिजाइन और स्टाइलिंग मौटे तौर पर ओईएम तथा आपूर्तिकर्ता के सामूहिक प्रयास का परिणाम होते हैं। इसलिए यह बाजार सामान्य वस्तु बाजारों से विशिष्ट होता है।
- xvi) भारत में ओईएम द्वारा प्राप्त की गई प्रत्येक भाग संख्या को अनिवार्यतः ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (एआरएआई) द्वारा अनुमोदित करना होता है। अन—अनुमोदित उत्पादक व्हीलों की बिक्री बाजार पश्चात खंड अथवा विस्थापन बाजार खेड (एएम) में कर सकते हैं जो वाहनों में फीट किये जा सकते हैं परन्तु उन्हें तकनीकी या वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं माना जा सकता है।
- xvii) घरेलू उद्योग का यह तर्क न केवल गुण रहित है अपितु अतार्किक भी है कि व्हीलों की कीमत मुख्यतः व्हील के वजन द्वारा निर्धारित की जाती है। यदि इस तर्क को स्वीकार किया जाता है तो इससे यह पूर्णता अस्वीकार निष्कर्ष निकलेगा कि वजन जितना अधिक होगा कीमत उतनी ही अधिक होगी। वास्तविकता यह है कि व्हील का वजन जितना कम होगा वह उतना ही मंहगा होगा।
- xviii) घरेलू उद्योग 100 प्रतिशत ईओयू इकाई है इसलिए ईओयू इकाई होने के नाते उन्हें निर्यात बाजार में लाभ मिलते हैं और घरेलू बाजार में आपूर्ति के लिए कुछ सीमाएं होती हैं अथवा वे अन्य घरेलू प्रतिस्पर्धियों की तुलना में घाटे में रहते हैं। इस प्रकार याचिकार्ता स्थानीय बाजार में किसी मात्रा की बिक्री तब तक नहीं कर सकता जब तक कि वह विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) के अध्याय 6.5 और 6.8 में उल्लिखित अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है। अन्य घरेलू उत्पादकों के पास पूरा करने के लिए ऐसा कोई दायित्व नहीं होता है। ऐसे किसी दायित्व से बड़ी संविदाएं स्वीकार करने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है जो ओई आपूर्तियों के लिए अनिवार्य है।
- xix) आवेदक की कुल आय एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत की उच्चतम सीमा से अधिक नहीं हो सकती जैसा एफटीपी के अध्याय 6.8 में निर्धारित किया गया है। अतः आवेदक का कुल घरेलू बिक्री मूल्य केवल उसके निर्यात निष्पादन पर निर्भर होता है। यदि याचिकार्ता/घरेलू उद्योग निर्यात नहीं करता है तो वह घरेलू बाजार में भी बिक्री नहीं कर सकता। ऐसे दायित्व अन्य घरेलू प्रतिस्पर्धियों के पास नहीं होते हैं। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह समूची क्षति अवधि के दौरान उनके निर्यात निष्पादन और भारतीय बाजार में बिक्री करने की उनकी क्षमता पर उसके प्रभाव का विश्लेषण करें।
- xx) जैसा कि पहले भी उल्लेख किया गया है कि आवेदक घरेलू उद्योग का निष्पादन केवल निर्यात निष्पादन पर पूर्णतः निर्भर होता है क्योंकि जब तक उनका निर्यात राजस्व नहीं बढ़ता है तब तक वह घरेलू बाजार में अपने उत्पाद की कीमत नहीं बढ़ा सकता। यदि निर्यात राजस्व में वृद्धि किये बिना वे अपनी कीमतें बढ़ाते हैं तो इस मामले में उन्हें घरेलू बाजार में अपनी मात्रा कम करनी होगी क्योंकि मूल्य के संबंध में घरेलू बिक्री पर उच्चतम सीमा लागू है। घरेलू उद्योग ओई के साथ अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सकता जिसका कारण उनके साथ दीर्घावधिक वचनबद्धताएं हैं।
- xxi) जांच अवधि में आयात मात्रा में बिक्री का मूल्यांकन इस तथ्य पर विचार करने के बाद करना होता है कि इन आपूर्तिकर्ताओं को ऑर्डर कम से कम एक—दो वर्ष पूर्ण दिये गए थे।
- xxii) घरेलू उद्योग अपनी घरेलू बिक्री बढ़ाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उसने स्पष्ट रूप से पूर्वर्ती वर्षों में अपनी डीटीए पात्रता को पार कर लिया है।
- xxiii) घरेलू उद्योग की लागत को क्षमता, क्षमता उपयोग, उच्च निर्धारित ऊपरी व्यय, उनकी दीर्घावधिक संविदाओं में कीमत वचनबद्धता, ओई बाजार हेतु निविदाओं में बोली के समय प्रदत्त लागत संरचना आदि के कारण समुचित ढंग से समायोजित किये जाने की जरूरत है।
- xxiv) लाभ में गिरावट के बारे में घरेलू उद्योग का दावा पूर्णतः भ्रामक है क्योंकि दावा की गई गिरावट की जांच उनके निष्पादन और ऐसे निर्यात दायित्वों के संबंध में करनी होगी जिनका घरेलू बाजार में भी उनके वित्तीय निष्पादन पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
- xxv) याचिकार्ता ने दावा किया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री में गंभीर हुई है। क्षमता में अत्यधिक वृद्धि का तथ्य भी याचिकार्ता के दावे का विरोधाभासी है।
- xxvi) याचिकार्ता का दावा है कि संबद्ध देशों से पाठन के प्रभाव के रूप में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से और काफी अधिक गिरावट आई है और वह जांच अवधि के दौरान नगण्य स्तर पर रही है। तथापि यह समझना कठिन है कि भारी घाटा क्यों हो सकता है जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री लागत और घरेलू बिक्री कीमत स्थिर रही है। ओईएम एआरडब्ल्यू विनिर्माताओं द्वारा ओईएम एआरडब्ल्यू विनिर्माताओं के लाभ के अनुपात का निर्धारण नहीं किया जाता है। इसके बजाय इसका अंततः निर्धारण कार निर्माताओं द्वारा किया जाता है।
- xxvii) याचिकार्ता ने यह भी दावा किया है कि उसने संबद्ध देशों के निर्यातों के लिए सीधे बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर गंवाये हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकार्ता द्वारा सार्वजनिक फाइल में इस बारे में कोई समर्थन कार्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- xxviii) क्षति विश्लेषण हेतु वर्तमान विनिमय दर को लिया जाना चाहिए। यदि डीजीएपी प्रचलित विनिमय दर की बजाय याचिकार्ता द्वारा विचारित 50.25 की पुरानी विनिमय दर के आधार पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करता है तो क्षति विश्लेषण से

सही स्थिति प्रदर्शित नहीं होगी और निर्यातक वास्तव में वास्तविक क्षति मार्जिन की तुलना में शुल्क की उच्चतर दर के बोझ से दब जायेंगे।

- xxix) यद्यपि याचिकार्ता कुछ सीमा तक क्षमता को बढ़ाने में सफल रहा है तथापि याचिकार्ता पूँजी की अड़चनों के कारण क्षमता में आगे और वृद्धि नहीं कर सका। यह याचिकार्ता कम्पनी में सबसे बड़े शेयरधारक कुबेर क्रास बॉर्डर फण्ड लिमि. की रिपोर्ट से स्पष्ट हो जाता है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि पूँजी की कमी के कारण प्रबंधन ने मजबूत ऑर्डर बुक होने के बावजूद क्षमता को न बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि क्षमता में वृद्धि के संबंध में निर्णय संबंद्ध देशों से आरोपित पाठित वस्तु के कारण नहीं लिया गया है।
- xxx) घरेलू उद्योग ने निर्यात बिक्री, दीर्घावधिक संविदा के ब्यौरे और कीमत तथा लागत पर इसके प्रभाव जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना प्रदान नहीं की है जिसके अभाव में प्राधिकारी द्वारा क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में कोई सार्थक क्षति विश्लेषण नहीं किया जा सकता।
- xxxi) जहां तक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के मुद्दे का संबंध है, यह दौहराया जाता है कि घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी को भ्रामक विश्लेषण प्रस्तुत किया है। कीमत तुलना में इस तथ्य की अनदेखी की गई है कि संविदा की वास्तविक निबंधन और शर्तों को वास्तविक आपूर्ति की तारीख से काफी पहले अंतिम रूप दिया गया था।
- xxxii) घरेलू उद्योग के निष्पादन और संबंद्ध वस्तु के आयात के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। ऑटो उद्योग के स्वरूप तथा अन्य वस्तुओं के कारण जांच अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा किये गये क्षति के किसी दावे का विश्लेषण विशिष्ट संविदाओं के समय तथा निबंधन और शर्तों के बारे में पूरी सूचना प्राप्त करने के बाद ही करना होता है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

70. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये क्षति संबंधी उद्योग निम्नानुसार हैं:
 - i. संबद्ध देशों घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सच्ची निर्धारण करना उचित होगा क्योंकि शामिल वस्तुएं समान वस्तुएं हैं और ये समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही है, आयातित उत्पादों की बिक्री वितरण के तुलनीय माध्यम के जरिये और ग्राहकों की तुलनीय श्रेणी को की जा रही है, संबद्ध देशों के उत्पादों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हो रही है।
 - ii. प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ||| के उपबंधों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित करनी चाहिए।
 - iii. जांच अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित होती है। तथापि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट पाठित आयातों के कारण आई है।
 - iv. संबद्ध देशों से हुए आयातों में समग्र रूप में और कुल आयात, भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग के हिस्से में तेजी से गिरावट आई है।
 - v. भारित औसत आयात की कीमत (मूल सीमा शुल्क और लागू शिक्षा को उपकर को शामिल करने के बाद) घरेलू उद्योग की निबल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही है और इस प्रकार कीमत में भारी कटौती हुई है। यद्यपि आयात कीमतों में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हो रही है परन्तु ऐसी आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की निबल बिक्री प्राप्ति की तुलना में अभी भी काफी कम है।
 - vi. बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से कम रही थी और इस प्रकार पाठित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत ह्रासकारी प्रभाव पड़ रहा है।
 - vii. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है। इसके अलावा वर्तमान स्थिति जारी रहने की दशा में घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होने का खतरा है।
 - viii. उपलब्ध क्षमता के बावजूद घरेलू उद्योग पाठित समग्री की मौजूदगी के कारण बड़ी हुई मांग में भारीदार नहीं बन सका और इसके बदले उसने भारी मात्रा में बाजार हिस्सा गंवाया। पाठित आयातों के अभाव में घरेलू उद्योग को उपर्युक्त मापदण्डों में विधि संवत और उचित वृद्धि प्राप्त करने में मदद मिल सकती थी।
 - ix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में संबद्ध देशों में पाटन के प्रभाव के कारण तेजी से और वास्तविक रूप से गिरावट आई है और वह जांच अवधि के दौरान नगण्य स्तर पर रही है।
 - x. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में भारी वृद्धि हुई है।
 - xi. यद्यपि उत्पाद की मांग में हुई वृद्धि हो पाठित आयातों द्वारा लगभग पूरी तौर पर पूरा कर दिया गया था तथापि रोजगार में उचित संख्या में उस स्तर तक वृद्धि नहीं हुई है जिस स्तर तक घरेलू उद्योग को मांग में वृद्धि का उचित हिस्सा दिये जाने की स्थिति में संभव हो सकती थी।
 - xii. आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की तुलना में भारी गिरावट आई है।
 - xiii. निवेश पर आय में तीव्र गिरावट आई है। निवेश पर आय का वर्तमान हिस्सा वाढ़नीय और विधिसम्मत स्तर की तुलना में काफी कम है जिसे घरेलू उद्योग द्वारा पाठित आयातों के अभाव में उसके द्वारा किये गये भारी निवेश पर विचार करते हुए प्राप्त किया जाना चाहिए था।
 - xiv. जांच अवधि के दौरान माल सूची में वर्षानुर्वर्ष भारी वृद्धि हुई है।
 - xv. बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, प्रति किग्रा. लाभ, पीवीआईटी, आरओआई आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के वृद्धि संबंधी समग्र मापदण्ड नकारात्मक रहे हैं।
 - xvi. घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध अपर्युक्त क्षमता के बावजूद पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में हुई समग्र वृद्धि की पूर्ति पाठित आयातों के जरिये की गई है।

- xvii. संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु काफी ज्यादा है।
- xviii. याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों, जिन्होंने पाटित कीमतों की पेशकश की है के बदले में सीधे ही बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर गंवाये हैं।
- xix. घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- xx. ऐसी कोई दीर्घावधि संविदाएं नहीं हैं जिनसे याचिकाकर्ता को क्षति हो सकती है। इसका एकमात्र कारण पाटन है और प्रतिवादी द्वारा दिया गया कोई अन्य सुझाव केवल भ्रामक है।
- xxi. एआरडब्ल्यू की अधिक मौजूदगी के स्तर के आधार पर उत्पाद की मांग बढ़ रही है। तथापि उनके द्वारा प्रस्तावित पाटित कीमतों के कारण पाटित आयातों द्वारा मांग में हुई ऐसी समस्त वृद्धि समाप्त कर दी गई है। समूची भारतीय मांग को पूरा करने वाले याचिकाकर्ता के प्रश्न का विधिवत समाधान कर दिया गया है क्योंकि शुल्क लागू करना केवल पाटन के व्यापार विकृतिकारी प्रभाव को दूर करना है न कि आयातों को रोकना। भारत किसी भी हालत में मांग पूरी कर सकता है बशर्ते भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा का समान स्तर उपलब्ध कराया गया हो।
- xxii. यह तर्क पूर्णतः गलत है कि आयातों में वृद्धि भारत में मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण हुई है। पाटनरोधी उपाय आयात रोकने के लिए नहीं हैं। पाटनरोधी उपायों से पाटन के व्यापार विकृतिकारी प्रभाव समाप्त होंगे। आयातों की अनुमति दी जा सकती है परन्तु पाटित कीमतों पर नहीं।
- xxiii. समूची क्षति अवधि के दौरान कीमत कटौती काफी अधिक हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित और संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों के बीच भारी अंतर है। इस प्रकार घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट पाटन के परिणामस्वरूप आई है।
- xxiv. यद्यपि घरेलू उद्योग इष्टतम से कम कीमत की पेशकश करने के लिए बाध्य हुआ है तथापि यह एक ओर अपनी बिक्रियां गंवा रहा है और दूसरी ओर लाभप्रदता को अव्यवहार्य स्तर तक कम कर रहा है।
- xxv. घरेलू उद्योग को निविष्टि लागत में हुई वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमत बढ़ाने से वंचित करने वाले अत्यंत कम कीमत पर हुए आयात की मौजूदगी जिनसे आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का न्यूनीकरण हो रहा है।
- xxvi. लाभ में कमी सीधे तौर पर लगाई गई पूँजी पर आय और नकद लाभ में गिरावट के कारण आई है। घरेलू उद्योग पूँजी लागत वसूलने में समर्थ नहीं रहा है। इस प्रकार लाभ, लगाई गई पूँजी पर आय और नकद प्रवाह तथा नकद लाभ में गिरावट प्रत्यक्ष तौर पर पाटित आयातों के कारण आई है।
- xxvii. बिक्री मात्रा में गिरावट का उत्पादन और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस प्रकार उत्पादन और क्षमता उपयोग में होने वाली वृद्धि में गिरावट पाटित आयातों के कारण आई है।
- xxviii. घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाली विद्युत की कमी के बारे में तर्क निराधार है। मामले की वास्तविकता यह है कि घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से पाटित सामग्री से मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण संभव सीमा तक उत्पादन और बिक्री नहीं कर सका।

प्राधिकारी द्वारा जांच

71. डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥। में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव, तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यप्रक्र जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।”

72. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध: ॥ के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

“संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा ।”

73. प्राधिकारी द्वारा नीचे किए गए क्षति विश्लेषण से हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों का स्वतः समाधान हो जाता है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट अनुरोधों पर प्राधिकारी ने निम्नानुसार विचार किया है :-

- I. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि चीन से आयातों में हो रही वृद्धि भारत में उच्च मांग तथा भारतीय व्हील उद्योग की अपर्याप्त आपूर्ति क्षमता के बीच भारी अंतर का नैसर्गिक परिणाम है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त क्षमता के अभाव से पाटित आयात न्यायोचित नहीं बन जाते हैं। इसके अलावा, पाटनरोधी उपायों का उद्देश्य आयातों को रोकना नहीं है बल्कि इसके बजाए पाटित आयातों के मुकाबले घरेलू उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धा का समान अवसर उपलब्ध कराना है।
- II. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकार्ता कंपनी 100 प्रतिशत ई ओ यू होने के कारण घरेलू उद्योग की मांग को तब तक पूरा करने में समर्थ नहीं है जब तक कि वह अपने निर्यात दायित्व की पूर्ति नहीं करता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत की विदेश व्यापार नीति के अनुसार रत्न एवं आभूषण इकाइयों से भिन्न इकाइयां रियायती शुल्क के भुगतान पर सकारात्मक एनएफई की पूर्ति के अधीन निर्यातों के एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत तक वस्तु की बिक्री कर सकते हैं। इसके अलावा, ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाइयों भी कालीमिर्च एवं कालीमिर्च के उत्पादों तथा संगमरमर, जो एफटीपी के अंतर्गत डीटीए में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं, को छोड़कर पूर्ण शुल्क का भुगतान कर विकास आयुक्त को सूचना देते हुए तैयार उत्पादों की बिक्री कर सकती है बशर्ते उन्होंने सकारात्मक

एनएफई प्राप्त कर लिया हो। घरेलू उद्योग ने विदेश व्यापार नीति के प्रावधानों के अनुसार जांच अवधि के दौरान सकारात्मक एनएफई प्राप्त किया है।

- III. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि 22 प्रतिशत पूँजी आय दर काफी अधिक है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के उपबंधों और प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सुसंगत पद्धति के अनुसार किया गया है।
- IV. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता द्वारा यूएसए में अपनी सहायक कंपनी को एआरडब्ल्यू का निर्यात किया जा रहा है और भारी घाटा उठाया जा रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग के घरेलू और निर्यात निष्पादन को अलग करने के बाद किया गया है। अतः यह तर्क कि घरेलू उद्योग को उसके निर्यात के कारण घाटा, यदि कोई हो, प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण पर वास्तविक प्रभाव नहीं डालता है।
- V. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि डीजीएडी के लिए न केवल याचिकाकर्ता कंपनी अपितु बाजार में अन्य घरेलू उत्पादकों के आंकड़ों की भी जांच करनी अपेक्षित होती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनी नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान अन्य घरेलू उत्पादकों ने प्राधिकारी के अनुरोध के बावजूद अपेक्षित सूचना दायर नहीं की है।
- VI. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि याचिकाकर्ता ने किसी औचित्य के बिना अर्ध तैयार एआरडब्ल्यू को भी उत्पाद क्षेत्र में शामिल किया है। अतः इसे क्षति विश्लेषण से बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उल्लंघन से बचने के लिए विचाराधीन उत्पाद में अर्ध तैयार एआरडब्ल्यू भी शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण में अर्ध तैयार एआरडब्ल्यू शामिल नहीं हैं।
- VII. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि संबद्ध वस्तु के दो विशिष्ट बाजार खंड-ओईएम खंड और बाजार पश्चात खंड हैं और क्षति विश्लेषण अलग-अलग किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार खंडों में अंतर होने से विचाराधीन उत्पाद निव्वन नहीं बन जाता है। स्टाइलिंग, वजन और स्वामित्वाधिकारों सहित अथवा पेटेंटिंग से भी उत्पाद भिन्न नहीं बन जाता है। पाटनरोधी जांच का उददेश्य संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, का पता लगाना है। बाजार के खंडीय स्वरूप से वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण निष्कल नहीं हो जाता है।
- VIII. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क सही नहीं है कि छीलों की कीमत का निर्धारण छीलों के वजन द्वारा नहीं किया जाता है बल्कि छीलों के स्टाइल और डिजाइन द्वारा किया जाता है। यद्यपि, आकार, स्टाइल, डिजाइन, गुणवत्ता, ब्रांड, पेटेंट आदि का योगदान बाजार में किसी उत्पाद की कीमत में हो सकता है। तथापि, किसी उत्पाद की लागत और कीमत का प्राथमिक निर्धारक कारक उत्पाद में प्रयुक्त निविदियों की कीमत होती है।
- IX. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि याचिकाकर्ता को हुई आरोपित क्षति का वास्तविक कारण संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं है अपितु यह क्षति विद्युत प्रेषण, घरेलू बिक्री को प्रभावित करने वाले निराशाजनक निर्यात निष्पादन, अन्य घरेलू उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा, विनियम दर में घट-बढ़, आई एम बाजार के गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में अक्षमता आदि जैसे अन्य कारणों से हुई है, यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में भारी वृद्धि हुई है परंतु इसमें पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट आई है। इस प्रकार, विद्युत प्रेषण के कारण क्षमता उपयोग पर कोई प्रभाव पड़ा हुआ प्रतीत नहीं होता है।
- X. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के अन्य तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी ने उन पर पूर्ववर्ती पैराग्राफों और नीचे भी समुचित कार्रवाई की है।

झ. संचयी निर्धारण

74. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह अपेक्षित है कि जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें :—

- i. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संयुक्त रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है तथा
- ii. आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मददेनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में पाटित आयात साथ-साथ प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से वे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी निर्धारण के मुददे की जांच उपर्युक्त मानदंडों के संबंध में की गई है और यह देखा गया था कि :—

- i. प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii. प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों की आयात मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- iii. संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।

76. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मददेनजर घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित समझते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों का पाटन मार्जिन और उनकी मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है।

77. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित

आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।”

78. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:-

“संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत अर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।”

79. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II (IV) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले अन्य संकेतकों पर विचार किया है।

ट. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क) मांग और बाजार हिस्सा

80. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग अथवा उसकी प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में परिभाषित किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

i) मांग

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
मांग	मी.ट.	7,298	9,913	16,006	16,410
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	136	219	225
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	3,066	4,719	12,039	12,497
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	1,317	1,420	531	550
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	2,545	2,966	2,636	2,603
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री (अनुमानित)	मी.ट.	370	808	800	760

ii) मांग में बाजार हिस्सा

81. विभिन्न स्रोतों से हुए आयातों और भारतीय उत्पादकों की बिक्री पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जांच की गई थी। वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
संबद्ध देशों से आयात	%	42.01	47.61	75.21	76.15
अन्य देशों से आयात	%	18.04	14.32	3.32	3.35
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	34.87	29.92	16.47	15.86
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	5.07	8.15	5.00	4.63

82. यह देखा जाता है कि समूची क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान भी देश में उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। यद्यपि संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष में 42.01 प्रतिशत था, वह जांच अवधि में बढ़कर 76.15 प्रतिशत हो गया, तथापि, घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष में 34.87 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि में 15.86 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार संबद्ध देशों के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

ख) आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

83. प्राधिकारी ने याचिकार्का द्वारा यथाप्रदत्त संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा (जो गौण स्रोत के आयात आंकड़ों अर्थात आईबीआईएस पर आधारित है) की जांच की है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों (आई बी आई एस) से प्राप्त आयात आंकड़ों की तुलना डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों के साथ करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों ही स्रोतों के आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध देशों से भारत में हुए आयातों की मात्रा के संबंध में कोई खास अंतर प्रदर्शित नहीं होता है, लेकिन डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित इकाई कीमत आई बी आई एस द्वारा सूचित कीमत की तुलना में असामान्य रूप से कम है। अतः प्राधिकारी ने इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोतों (आई बी आई एस) के आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से आयात की मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक पाई गई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

84. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है :

विवरण		इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
मात्रा	संबद्ध देश	मी.ट.	3,066	4,719	12,039	12,497
	अन्य देश	मी.ट.	1,317	1,420	531	550
	कुल आयात	मी.ट.	4,383	6,139	12,570	13,047
आयातों का बाजार हिस्सा	संबद्ध देश	%	69.96	76.88	95.77	95.78
	अन्य देश	%	30.04	23.12	4.23	4.22

85. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारी वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में एक बड़ा हिस्सा बनता है।

(ग) उत्पादन की तुलना में पाटित आयातों का हिस्सा

86. प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	3,066	4,719	12,039	12,497
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.ट.	3,361	5,496	5,818	5,715
घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में पाटित आयात	%	91.23	85.88	206.94	218.65

(द) क्षमता एवं क्षमता उपयोग

87. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
क्षमता मी.ट.	मी.ट.	6,760	6,760	8,060	8,060
क्षमता उपयोग	%	49.72	81.30	72.18	70.91

88. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई परंतु उसके बाद जांच अवधि सहित उसमें गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि क्षमता उपयोग में ऐसी गिरावट उसी अवधि में पाटित आयातों में हुई वृद्धि के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आई है। मांग में जब वृद्धि हुई है तब क्षमता उपयोग में गिरावट आने से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभावों का पता चलता है जिसका कारण पाटित आयातों द्वारा मांग में हुई ऐसी वृद्धि को खपा लेना है।

89. आगे यह देखा जाता है कि वर्ष 2011-12 की अवधि में क्षमता में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता के अनुरोधानुसार क्षमता में ऐसी वृद्धि उत्पाद की विशिष्टा और बढ़ती हुई मांग पर विचार करते हुए की गई थी। तथापि, देश में पाटित आयातों की भारी मौजूदगी की स्थिति में घरेलू उद्योग अपने उत्पादन में तदनुसार वृद्धि करने में असमर्थ रहा है।

(च) उत्पादन

90. घरेलू उद्योग के उत्पादन संबंधी आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन मी.ट.	मी.ट.	3,361	5,496	5,818	5,715
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	164	173	170
मांग	मी.ट.	7,298	9,913	16,006	16,409
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	219	225
मांग की तुलना में उत्पादन	%	46.06	55.44	36.35	34.83

91. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि में गिरावट आई जबकि इसी अवधि में मांग में भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यद्यपि मांग में तेजी से वृद्धि हुई है, तथापि, पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपना उत्पादन बढ़ाने से वंचित हुआ है।

(छ) बिक्री मात्रा

92. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	मी.ट.	2,545	2,966	2,636	2,603
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	104	102
मांग	मी.ट.	7,298	9,913	16,006	16,409
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	219	225
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	34.87	29.92	16.47	15.86

93. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2009-10 और 2010-11 के बीच वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और तत्पश्चात उसमें जांच अवधि तक गिरावट आई है। यद्यपि, जांच अवधि के दौरान उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई है। तथापि,

घरेलू उद्योग की बिक्री स्थिर रही है अथवा उसमें मामूली वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि ऐसी स्थिति पाटित आयातों के प्रभाव के कारण उत्पन्न हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग ने अत्यधिक बाजार हिस्सा गंवाया है।

ठ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

94. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत (सीआईपी), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

i. कीमत कटौती

95. निवल बिक्री प्राप्ति की गणना भुगतान किए गए भाड़े और करों की कटौती करने के बाद की गई थी। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना लागू उपकर सहित 1 प्रतिशत हैंडलिंग प्रभाव तथा लागू मूल सीमाशुल्क को संबद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य में जोड़कर की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी और यह पाया गया था कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में निम्नलिखित तालिका के अनुसार कटौती हो रही है।

चीन जन.गण.

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	188.83	208.96	224.22	238.78
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	25-35	15 - 25	25-35	15 से 25

कोरिया जन.गण.

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	220.48	232.01	251.83	256.68
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	15-25	10-20	15-25	15 - 25

थाइलैंड

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	220.36	247.36	258.14	262.84
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	15-25	5-15	15-25	10-20

संबद्ध देश

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	201.64	216.67	232.17	242.22
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	20 - 30	15 - 25	20-30	15 - 25

96. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। यद्यपि, पहुंच कीमत में इन वर्षों के दौरान वृद्धि प्रदर्शित हुई थी, तथापि, वे घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों से अभी भी कम थीं।

ii. कम कीमत पर बिक्री

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। क्षति रहित कीमत की गणना की गई है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षतिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुसार जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है। विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य क्षति रहित कीमत से कम था जैसाकि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	कोरिया	थाइलैंड
क्षतिरहित कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***
पहुंच कीमत (जांच अवधि)	रु./किग्रा.	238.78	256.68	262.84

कम कीमत पर बिकी	रु./किग्रा.	***	***	***
कम कीमत पर बिकी	%	***	***	***
कम कीमत पर बिकी	% रेंज	25-35	20-30	20-30

iii. कीमत ह्वास /न्यूनीकरण

98. प्राधिकारी ने इस बात की जांच है कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से भारत में समान वस्तु की कीमतों का ह्वास हुआ है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	103	119	119
बिकी कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	101	118	113
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	201.64	216.67	232.17	242.22

99. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि उत्पादन लागत 2009-10 में 100 से बढ़कर जांच अवधि में 119 हो गई है, बिकी कीमत इसी अवधि के दौरान 100 से बढ़कर केवल 113 हुई है जिससे पाटित आयातों के कारण कीमत का न्यूनीकरण हुआ है क्योंकि घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत को बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा था। यद्यपि, इन वर्षों के दौरान पहुंच कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, वह जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिकी प्राप्ति से कम है। इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण हो रहा था।

ड. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

i. लाभ/हानि

100. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	76	106	50
नकद लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	80	98	66
आरओसीई	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	71	69	38

101. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि वर्ष 2011-12 को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है। आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकद लाभ और निवेश पर आय में गिरावट आई है।

ii. नकद प्रवाह

घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने नकद लाभ में प्रवृत्तियों की जांच की है। घरेलू उद्योग के नकद लाभ के बारे में सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
नकद लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	80	98	66

102. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के नकद लाभ में गिरावट आई है। यह गिरावट वर्ष 2011-12 को छोड़कर प्रत्येक वर्ष लगातार आती रही है।

iii. मालसूची

103. घरेलू उद्योग के पास मालसूची में उतार-चढ़ाव निम्नानुसार रहा है :

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
औसत स्टॉक	मी.ट.	234	395	935	1,075
बिकी दिवसों की संख्या के रूप में स्टॉक	दिन	9	9	22	25

104. यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वृद्धि हुई है।

iv. उत्पादकता

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन के समान प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादकता में वर्ष 2011–12 तक वृद्धि हो रही थी और जांच अवधि में उसमें गिरावट आई।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं०	***	***	***	***
प्रति दिन उत्पादकता	मी.ट./दिवस	9.21	15.06	15.94	15.66

v. रोजगार और मजदूरी

106. निम्नलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि समूची क्षति अवधि के दौरान रोजगार के स्तर में वृद्धि हुई है और जांच अवधि में वह स्थिर रहा है। तथापि, आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति किग्रा. समग्र मजदूरी में गिरावट प्रदर्शित हुई है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
रोजगार	सं.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	116	140	140
मजदूरी	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	84	95	98

vi. पाटन की मात्रा

107. उस सीमा जहाँ तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, के संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी ज्यादा है।

vii. वृद्धि

108. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही थी। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि अत्यधिक कीमत कटौती के साथ पाटित आयातों में हुई वृद्धि के कारण बढ़ रही मांग का लाभ लेने से उन्हें वंचित किया गया था।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन	%		63.51	5.86	(1.76)
क्षमता उपयोग	%		31.58	(9.12)	(1.27)
घरेलू बिकी	%		16.54	(11.12)	(1.26)
मालसूची	%		68.42	136.94	15.01
लाभ/किग्रा.	%		23.95	38.86	(52.56)
आरओआई	%		(3.43)	(0.19)	(3.71)

viii. पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

109. आवेदक के अनुरोधों से प्राधिकारी नोट करते हैं कि एआरडब्ल्यू नई पीढ़ी का उत्पाद है और घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की उत्पन्न होने वाली भारी मांग का पूँजीकरण करने की आशा करते हुए एआरडब्ल्यू के उत्पादन में निवेश किया था। तथापि, पाटित आयात भारतीय बाजार में उस समय आने शुरू हुए जब भारत में उत्पाद ने गति प्राप्त की और मांग में होने वाली ऐसी किसी वृद्धि को ऐसे पाटित आयातों ने समाहित कर लिया।

110. आगे यह नोट किया जाता है कि उत्पाद में किसी अतिरिक्त निवेश को बढ़ाने की घरेलू उद्योग की क्षमता बाजारी स्थिति पर निर्भर करती है जैसा कि स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच अवधि तक कुछ तीव्र गिरावट आई है। अतः उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग की पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर निश्चित तौर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा होगा।

द. वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

111. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के हुए पाटित आयातों में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। विभिन्न क्षति मापदंडों की जांच करने पर प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। उत्पाद के आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी। इसके अलावा, यद्यपि, क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत बढ़ती रही यहाँ तक कि बिकी लागत में भी वृद्धि हुई। तथापि, बिकी कीमत में वृद्धि उत्पाद की लागत में हुई वृद्धि की तुलना में काफी कम रही थी। इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत का छास हो रहा था और कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आ रही थी जो पाटित आयातों के अभाव में अन्यथा बढ़ गई होती। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के बारे में यह पाया गया है कि उत्पाद की मांग में काफी अधिक वृद्धि हुई लेकिन घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिकी में गिरावट आई है क्योंकि पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गंवाया जिसके परिणामस्वरूप अन्य क्षति मापदंडों पर प्रभाव पड़ा। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

112. घरेलू उद्योग को उस स्थिति में अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमताओं का सामना करना पड़ा जब बाजार में उत्पाद की मांग काफी अधिक थी। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई। लगाई गई पूँजी पर आय और नकद लाभ में लाभ के समान प्रवृत्ति रही। जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूँजी पर आय और नकद लाभ, दोनों में नकारात्मक वृद्धि देखी गई। अतः उत्पादन, बिकी, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ, लगाई गई

पूंजी पर आय, बाजार हिस्सा एवं मालसूची आदि जैसे अधिकांश मापदंडों के संबंध में होने वाली वृद्धि का घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव प्रदर्शित होता है। अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ण. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

113. घरेलू उद्योग की कम कीमत पर विक्री तथा कीमत द्वास और कीमत न्यूनीकरण के प्रभावों के संबंध में उसकी कीमतों पर पाटित आयातों के कारण होने वाली वास्तविक क्षति, आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करने के बाद भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तदनुसार, निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:—

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

114. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से इतर देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा नगण्य रही है। अतः अन्य देशों से हुए आयातों के बारे में यह नहीं माना जा सकता कि उनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी।

(ख) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

115. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र बाजार है जहां संबद्ध देशों से हुए पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में उपयोग किया जाता है। विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो। दूसरी ओर जैसा कि घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है, ई यू और आरस्ट्रेलिया ने चीन जन.गण. द्वारा निर्यातित एआरडब्ल्यू पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है जिससे चीन के उत्पादकों पर वास्तव में भारत में सामग्री का पाटन करने का आगे दबाव बढ़ सकता है।

(ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

116. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान भी उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में कमी के कारण नहीं हुई थी।

(घ) प्रौद्योगिकी विकास

117. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रौद्योगिकी में हुए किसी खास परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

118. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निर्यातों का ब्यौरा निम्नानुसार है:—

अवधि	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
मात्रा मी.ट. में	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	322	324	326

119. घरेलू और निर्यात बाजार के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन को पृथक किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों में क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान भी उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित हुई है। अतः निर्यात निष्पादन में आई कोई संभावित गिरावट होने वाली किसी क्षति का कारण नहीं हो सकती है। बहरहाल प्राधिकारी ने कीमत मापदंडों पर प्रभाव का पता लगाने के लिए केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार किया है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

120. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में लगातार वृद्धि हुई है। तथापि, उत्पादकता के स्तर में परिवर्तनों पर ध्यान दिए बिना घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में लगातार गिरावट प्रदर्शित की है।

121. पूर्वोक्त से प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अन्य कारकों की वजह से होने वाली क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है।

त. कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले कारक

122. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित आधारों पर की जाती है:

- (क) मांग में पर्याप्त वृद्धि के साथ-साथ संबद्ध देशों से हुए आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में अपना हिस्सा गंवा दिया;
- (ख) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। परिणामतः आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है;
- (ग) पाटित आयातों के कारण हो रही कीमत कटौती से घरेलू उद्योग अपनी कीमत बढ़ाने से वंचित हो रहा है। इसके विपरीत घरेलू उद्योग कीमत को कम करने के लिए बाध्य किया गया है जबकि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है;
- (घ) आयात मात्रा में हुई वृद्धि और आयात कीमतों के कारण घरेलू उद्योग कीमतों को कम करने के लिए बाध्य हुआ है;
- (ङ) पाटित आयातों का कीमत न्यूनकारी प्रभाव घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आई भारी गिरावट पर देखा जाता है;
- (च) पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप लाभ, लगाई गई पूंजी पर लाभ और नकद लाभ में गिरावट आई है;
- (छ) पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है;
- (ज) कीमत से जुड़े कई आर्थिक मापदंडों और मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में भी घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक बन गई है।

123. प्राधिकारी का यह मत है कि उपर्युक्त आधारों से पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की स्पष्ट तौर पर पुष्टि होती है। अतः वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

थ. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

124. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण यथासंशोधित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर किया है। इस प्रकार से निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

क्र. सं.	निर्यात का माध्यम	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत – अम. डॉ./किग्रा	पहुंच कीमत – अम. डॉ./किग्रा	क्षति मार्जिन – अम. डॉ./किग्रा	क्षति मार्जिन – %	क्षति मार्जिन रेज – %
1	चीन—भारत	झिजियांग यूएलिंग क. लिमि., चीन ज.ग.	झिजियांग यूएलिंग क. लिमि., चीन ज.ग.	***	***	***	***	45-55
2	चीन—भारत	झिजियांग बायांग ऑटो फ्लील क. लिमि., चीन ज.ग.	झिजियांग बायांग ऑटो फ्लील क. लिमि., चीन ज.ग.	***	***	***	***	60-70
3	चीन—भारत	झिजियांग ऑटोम एल्यूमिनियम फ्लील क. लिमि., चीन ज.ग.	झिजियांग ऑटोम एल्यूमिनियम फ्लील क. लिमि., चीन ज.ग.	***	***	***	***	65-75
4	चीन—भारत	बॉडिंग लिझांग फ्लील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन ज.ग.	बॉडिंग लिझांग फ्लील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन ज.ग.	***	***	***	***	30-40
5	चीन—हाँग कांग—कोरिया—भारत	बॉडिंग लिझांग फ्लील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन ज.ग.	हूनडेर्इ ग्लोबिस क. लिमि. कोरिया गण. एवं हूनडेर्इ मोबिस हाँग कांग	***	***	***	***	25-35
6	बॉडिंग लिझांग फ्लील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., चीन ज.ग. का भारित औसत			***	***	***	***	25-35

चीन के गैर नमूनाशुदा निर्यातक

125. निम्नलिखित निर्यातकों जिन्होंने नमूना प्रश्नावली के उत्तर में स्वयं की पहचान बताई परन्तु प्राधिकारी द्वारा नमूना नहीं लिया गया, के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण उपर्युक्त नमूनाशुदा निर्यातकों के लिए निर्धारित क्षति मार्जिन के भारित औसत के आधार पर किया गया है। चीन जन गण के गैर नमूनाशुदा निर्यातकों के संबंध में भारित औसत क्षति मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार है:

क्र. सं.	विवरण	क्षति मार्जिन— अम. डॉ./किग्रा	क्षति मार्जिन— %	क्षति मार्जिन रेज— %
1	सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) क. लिमि., शंघाई, चीन जन.गण. (प्रो.) एवं शंघाई जर्नल मोटर्स कोरपोरेशन लिमि. पूड़गंग, शंघाई, चीन ज.ग. (निर्यातक)			
2	झिजियांग बओकांग फ्लील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि., वांगाई टाउन, झिजियांग, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
3	झिजियांग जेंट ऑटो फ्लील क. लिमि., योगकॉग सिटी, झिजियांग, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
4	झिजियांग जिनफेइकेडा फ्लील क. लिमि., जिनहूआ सिटी, झिजियांग, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
5	वियूक्सी सिटी वानएक्यॉग मैटल प्रोडेक्शन क. लिमि., वूएक्सी सिटी, जिअंगसू, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
6	झिजियांग शुगुआंग इंडस्ट्रीशियल क. लिमि., वूयी, झिजियांग चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
7	एक्सीनयांग हेनगडे ऑटो पार्ट्स क. लिमि., एक्सीनयांग, हॉबेर्झ प्रोविन्स, चीन ज.ग. (उत्पादक एवं निर्यातक)			
8	कुनशांग लियूफेंग मशीनरी इंडस्ट्री क. लिमि., सूजोउ सिटी, जिआंग्यू प्रोविन्स, चीन ज.ग. (उत्पादक) एवं लिओ फूंग इन्टरनेशनल कारपोरेशन, कुनशान डेवेलपमेंट जॉन, जिआंगसू प्रोविन्स, चीन ज.ग. (निर्यातक)	***	***	30-40

चीन जन गण के अन्य सभी निर्यातक

126. प्राधिकारी द्वारा चीन जन गण के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

विवरण	क्षति रहित कीमत - अम. डॉ. / किग्रा	पहुंच कीमत - अम. डॉ. / किग्रा	क्षति मार्जिन - अम. डॉ. / किग्रा	क्षति मार्जिन - %	क्षति मार्जिन रेंज - %
सभी अन्य उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	60-70

127. कोरिया गण, और थाइलैंड के मामले में घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना भारत में हुए आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है व्यांकिकों कोई उत्तर/ब्रुटिपूर्ण उत्तर वास्तव में प्राप्त हुआ था और क्षति मार्जिन की तुलना कमतर शुल्क लागू करने के लिए पाटन मार्जिन के साथ की गई है। इस प्रकार निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	विवरण	क्षति रहित कीमत — अम.डा./किग्रा.	पहुंच कीमत — अम.डा. /किग्रा.	क्षति मार्जिन —अम.डा. /किग्रा	क्षति मार्जिन - %	क्षति मार्जिन रेंज - %
1	कोरिया जन.गण से समस्त उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	25-35
2	थाइलैंड से समस्त उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	20-30

द. निष्कर्ष

128. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों और इस जांच परिणाम में यथा दर्ज रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि:

ध. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

- (क) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन हुआ है।
- (ख) विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण हुई है।
- (ग) वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

129. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

130. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादक के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इस उत्पाद की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण उस राशि तक सीमित रखा जाएगा जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के निष्पादन में छास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

न. सिफारिशें

131. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों में निर्धारित उपबंधों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन और क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित स्वरूप में और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

132. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा ये सिफारिशें स्वीकार किए जाने की स्थिति में चीन जन.गण., कोरिया गण. और थाइलैंड के मूल्य की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु की सभी आयातों पर इस अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष / उप शीर्ष*	वस्तु विवरण**	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8708 70	“12 इंच से लेकर 24 इंच तक के व्यास वाले आकार के मोटर वाहनों में प्रयुक्त कास्ट एल्यूमिनियम अलौंय व्हील्स अथवा अलौंय रेड व्हील्स (एआरडब्ल्यू) चाहे उनके साथ सहायक सामग्री हो अथवा नहीं”	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झेजियांग यूलिंग कं.लि. चीन जन.गण.	झेजियांग यूलिंग कं.लि. चीन जन.गण.	1.56	किग्रा.	अम.डॉ.
2	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झेजियांग बूयांग ऑटो व्हील कं.लि. चीन जन.गण.	झेजियांग बूयांग ऑटो व्हील कं.लि. चीन जन.गण.	2.08	किग्रा.	अम.डॉ.
3	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झेजियांग ऑटोम एल्यूमिनियम व्हील कं.लि. चीन जन.गण.	झेजियांग ऑटोम एल्यूमिनियम व्हील कं.लि. चीन जन.गण.	2.14	किग्रा.	अम.डॉ.
4	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	बाओडिंग लिझोंग व्हील्स मैन्युफैक्चरिंग कं.लि. चीन जन.गण.	बाओडिंग लिझोंग व्हील्स मैन्युफैक्चरिंग कं.लि. चीन जन.गण.	1.37	किग्रा.	म.डॉ.
5	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	बाओडिंग लिझोंग व्हील्स मैन्युफैक्चरिंग कं.लि. चीन जन.गण.	हुंडई मोबीस, हॉगकॉंग तथा हुंडई ग्लोबीज कं.लि.0, कोरिया गण.	1.37	किग्रा.	अम.डॉ.
6	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सूची के अनुसार गैर-नमूनाशुदा उत्पादक / निर्यातक***	सूची के अनुसार गैर-नमूनाशुदा उत्पादक / निर्यातक***	1.69	किग्रा.	अम.डॉ.
7	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त क्र.सं. 1 से 6 में उल्लिखित नामों से इतर कोई संयोजन	उपर्युक्त क्र.सं. 1 से 6 में उल्लिखित नामों से इतर कोई संयोजन	2.15	किग्रा.	अम.डॉ.
8	यथोक्त	यथोक्त	चीन जन.गण.	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोई	कोई	2.15	किग्रा.	अम.डॉ.
9	यथोक्त	यथोक्त	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	2.15	किग्रा.	अम.डॉ.
10	यथोक्त	यथोक्त	कोरिया गण.	कोरिया गण.	कोई	कोई	1.18	किग्रा.	अम.डॉ.
11	यथोक्त	यथोक्त	कोरिया गण	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोई	कोई	1.18	किग्रा.	अम.डॉ.
12			जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोरिया गण.	कोई	कोई	1.18	किग्रा.	अम.डॉ.
13	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैंड	थाइलैंड	कोई	कोई	1.06	किग्रा.	अम.डॉ.
14	यथोक्त	यथोक्त	थाइलैंड	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	कोई	कोई	1.06	किग्रा.	अम.डॉ.
15			जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उनसे इतर कोई देश	थाइलैंड	कोई	कोई	1.06	किग्रा.	अम.डॉ.

- * संबद्ध वस्तु का आयात 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 आदि जैसे विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत भी किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।
- ** दुपहिया वाहनों के लिए एल्युमिनियम एलॉय व्हील्स अथवा एलॉय रोड व्हील्स (एआरडब्ल्यू) विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखे गए हैं।
- *** चीन जन.गण. के गैर नमूनाशुदा निर्यातकों की सूची
 - i. सियेन हैवी इंडस्ट्रीज (शंघाई) क. लिमि., शंघाई, चीन ज.ग. (उत्पादक) और शंघाई जर्नल मोटर्स कोरपोरेशन लिमि. पुड़ोंग, शंघाई, चीन ज.ग. (निर्यातक)
 - ii. झिजियांग बाओकांग व्हील मैन्यूफैक्चरिंग क. लिमि. मांगझै टाउन, वूई, झिजियांग, चीन ज. ग. (उत्पादक व निर्यातक)।
 - iii. झिजियांग जेन्ट ऑटो व्हील क. लिमि. योंगकांग सिटी, झिजियांग, चीन ज. ग. (उत्पादक व निर्यातक)
 - iv. झिझिजियांग जिनफिर्ड कैडा व्हील क. लिमि. जिनहूअ सिटी झिजियांग, चीन ज. ग. (उत्पादक व निर्यातक)।
 - v. व्यूक्सी सिटी वानएकअन मैटल प्रोडेक्शन क. लिमि., व्यूक्सी सिटी, जिअंगसू, चीन ज. ग..।
झिजियांग शुगआंग इंडस्ट्रीयल क. लिमि. व्यूवई, झिजियांग, चीन ज. ग. (उत्पादक व निर्यातक).।
 - vi. झेजियांग शुगुआंग इंड. कंपनी लिलो, वूई, झिजियांग, चीन ज. ग. (उत्पादक व निर्यातक)।
 - vii. झियांगयांग हेनगडे ऑटो पार्ट्स क. लिमि., एक्सीयांग, हूबई, प्रोविन्स, चीन ज. ग. (उत्पादक व निर्यातक)।
 - viii. कुनशंग लियूफेनग मशीनरी इन्डस्ट्री क. लिमि., सुजोउ सिटी, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन जन.गण. (उत्पादक) और लिओ फूंग इन्टरनेशनल कारपोरेशन, कुनशन डेवेलपमेंट जॉन, जिअंगसू प्रोविन्स, चीन ज. ग. (निर्यातक)।

प. आगे की प्रक्रिया.

133. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-
- क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा ;
 - ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझे गए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है जो इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है;
 - ग. प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन किया जाएगा;
 - घ. अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व प्राधिकारी पाटनराधी नियमों के अनुसार अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे ।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th January, 2014

Preliminary Findings

Subject:—Anti-Dumping Investigations concerning imports of Cast Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches, originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.

F. No.14/7/2012-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules,1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules);

2. Whereas Aluminium Association of India filed an application on behalf of the domestic industry represented by M/s Synergies Castings Limited, alleging dumping of Cast Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Thailand and Korea RP (hereinafter also referred to as the subject countries) and requested for initiation of anti-dumping

investigations for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a public notice dated 10th December 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

- 4 The procedure described below has been followed by the Authority after issuance of the Public Notice notifying the initiation of the present investigation:

- i. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- ii. In addition to the provisions of sub-rule (5) of Rule 5 supra, the Government of Korea RP was informed through its Embassy in India about the receipt of the subject application as per provisions of Article 2.14 of Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA) between India and Korea RP.
- iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 10th December, 2012 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
- iv. The copy of the Initiation Notification was sent to the known producers/exporters of the subject goods in the subject countries, Embassies of the subject countries in India, importers/users of the subject goods in India, the domestic producers and other known interested parties requesting them to file response and make their views known in writing.
- v. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters of the subject goods in the subject countries and to the Embassies/Representatives of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.
- vi. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to the Embassies/Representatives of the subject countries in India, along with the names and addresses of the exporters with the request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- vii. Since a large number of producers/exporters from the subject countries expressed interest to participate in the subject investigation, the Authority took resort to sampling under Rule 17(3) of the Anti-dumping Rules and Article 6.10 of the WTO Agreement.
- viii. Along with the initiation Notification, a sampling questionnaire was sent to the producers/exporters of the subject goods in the subject countries, with copy to the concerned Embassies/Representatives in India, with the advice to fill in the same and provide to the Authority within 15 (fifteen) days of the date of the letter.
- ix. The initiation notification along with sampling questionnaire was sent to the following producers/exporters of the subject goods in the subject countries:

China PR

- a. Baoding Lizhong Wheel Manufacture Co., Ltd.
- b. Dare Technology Co.,Ltd.
- c. Danyang Co
- d. Yhi International Limited
- e. Citic Dicastal Wheel Manufacturing Co., Ltd
- f. Ysm Wheels Corporation Ltd

- g. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd
- h. Baosh Auto Parts Company Limited
- i. Chiping Xinfu Aluminium Product Co., Ltd
- j. Freeman Racing Wheels
- k. Shandong Vesteon Auromotive Parts Co., Ltd
- l. Uniracing (Ningbo) Manufacturing Co., Ltd
- m. Ningbo Jinggang Machinery Co., Ltd
- n. Qindago Homeshine International Trading Co., Ltd
- o. Ningbo Qiyu Special Wheel Corp
- p. Zhejiang Buyang Auto Wheels Co., Ltd
- q. China Zenix Auto International Limited
- r. Qingdao Donghwa Casting Inc
- s. Dare Wheel Manufacturing Co., Ltd
- t. Hua Tai (Jiang Men) Aluminium Product Co Ltd
- u. Sanmengxia Dicastal Wheel Manufacturing Co.Ltd
- v. Shanghai Jinheli Aluminium Wheel Hub Manufacture Co., Ltd
- w. Liufeng Machinery Industry Co., Ltd
- x. Foshan Nanhai Zhongan Aluminium Wheel Co., Ltd
- y. China Zenix Auto International Limited

Korea RP

- a. Korea Wheel Tech Co Ltd
- b. Samsung Auto Dismantling Co., Ltd
- c. GS Corporation
- d. Uniwell Corporation
- e. Mirae Trading Co Ltd
- f. Rainbow Industrial Co., Ltd
- g. Eastern Point
- h. MH International
- i. Wowmotors Co., Ltd
- j. Unhwa Commerce Inc
- k. Alux Co., Ltd

Thailand

- a. Sammitr Bangyai Auto Part & Export Co.,Ltd
- b. Easy World Sa Trading Ltd. Part
- c. Southern Cross Enterprises
- d. WC Co., Ltd.,
- e. The Rep Company
- f. Tanut Netphant
- g. Taita Enterprise Co., Ltd.,
- h. I.C.Point
- i. Tnp Autoparts Company Limited
- j. Technet Corp Asia Co., Ltd.,
- k. Hyper Silvers & Chrome Paints
- l. Enkei
- x. The following producers/exporters from the subject countries submitted the sampling questionnaire along with relevant information:

China PR

- a. Seyer Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd., Shanghai, China PR.
- b. Shanghai General Motors Corporation Ltd., Pudong, Shanghai, China PR.
- c. CITIC Dicastal Wheel Manufacturing Co Ltd., Qinhuangdao City, Hebei, China PR.
- d. SAIC GM Wuling Automobile Co., Ltd., Guangxi, China PR.
- e. Zhejiang YueLing Co., Ltd., Wenling, Zhejiang, China PR.

- f. CITIC Dicastal Co Ltd, Qin Huangdao City, China PR.
- g. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR.
- h. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR.
- i. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co., Ltd., West City, Yongkang, Zhejiang, China PR.
- j. Zhejiang Jinfei Kaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR.
- k. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR.
- l. Zhejiang Autom Aluminium Wheel Co., Ltd., Wuyi City, Zhejiang, China PR.
- m. Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi ,Zhejiang, China PR.
- n. Lio Fung International Corporation Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR.
- o. Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd., Baoding, Hebei, China PR.
- p. Xiangyang Hengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR.
- q. Kunshan Liufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR.

Korea RP

- a. Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd, Wanju-gun, Chunbuk, Korea RP.
- b. G.M. Korea Co., Bupyeong-Gu, Incheon, Korea RP.
- c. Hands Corporation, Gajwa-dong Seogu, Incheon, Korea RP.
- d. Hyundai Glovis Co. Ltd., Gangnam-gu, Seol, Korea RP.
- xi. No sampling questionnaire was received from producers/exporters from Thailand.
- xii. The following producers/exporters from the subject countries were sampled by the Authority:
 - i. Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co., Ltd., China PR.
 - ii. CITIC DICASTL Co Ltd, China PR.
 - iii. Zhejiang Yueling Co., Ltd., China PR.
 - iv. Zhejiang Autom Aluminium Wheels Co., Ltd., China PR.
 - v. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co., Ltd., China PR.
 - vi. Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd., Korea RP.
 - vii. G.M. Korea Co., Korea RP.
 - viii. Hands Corporation, Korea RP.
 - ix. Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP.
- xiii. The following sampled producers/exporters from the subject countries along with their related/connected parties filed the exporters questionnaire and MET (as applicable) responses:

China PR

- i. CITIC Dicastal Co. Ltd
- ii. Zhejiang Yueling Co. Ltd
- iii. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd
- iv. Zhejiang Autom Aluminum Wheels Co. Ltd
- v. Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd along with MET response of the related companies namely Hebei Lizhong Non-ferrous Metals Group Co Ltd (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co Ltd, Tiaanjin Dicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co Ltd.

Korea RP

- i. Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer)
- ii. GM Korea Company (exporter)
- iii. Hands Corporation (producer)
- iv. Hyundai Glovis Co. Ltd (exporter)

- xiv. The Authority notes that Hands Corporation, Korea RP (producer) exporting through Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP has not filed exporters questionnaire response. Hyundai Glovis Co. Ltd (exporter), Korea RP exporting the subject goods produced by Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR has filed the exporters questionnaire response along with the concerned Chinese producer.

- xv. The Authority further notes that M/s GM Korea Company, one of the responding exporters from Korea RP, has exported subject goods by purchasing from two producers namely M/s Artisan Spirit Alloy Co Ltd, Korea RP and M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP. While M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd., which constituted less than 1% share of total exports made by GM Korea Company to India during the POI, has filed the exporters questionnaire response, M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP, accounting for 99% of the exports made by GM Korea Company to India during the POI, has not filed response. M/s GM Korea was given an opportunity through a deficiency letter to explain the position. However, the company could not furnish any satisfactory explanation towards non-cooperation by M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP in the present investigation. Further, it is also noted that M/s Artisan Spirit Alloy Co Ltd, Korea RP has also not filed complete information with regard to pricing/costing. In view of the above position and since the quantity of exports, in respect of which response has been filed, is negligible and the export price cannot be considered as the representative export price in the absence of response from M/s Dayou Smart Aluminium Co Ltd, Korea RP, whose products constitute 99% of the total quantity of subject goods exported by GM Korea Company to India during the POI, the Authority does not accept the response filed by M/s GM Korea Company, Korea RP (exporter). It may further be noted that M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer) has not filed information with regard to costing/pricing as per the prescribed Appendixes by the Authority in spite of giving sufficient opportunity. In view of the above the Authority has not accepted the response of M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer) as well.
- xvi. The Authority further notes that the exporter's questionnaire responses filed by M/s SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China PR and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co Ltd, China PR were not accepted, since the said parties were not sampled in the sampling process. Moreover, in their exporter's questionnaire responses the said parties claim to have exported the subject goods produced by CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR and exported to M/s GM India. However, the exporter's questionnaire response filed by CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR does not show export through M/s SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China PR and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co Ltd, China PR as a channel of sale. As subsequently clarified by CITIC Dicastal Co. Ltd, some of the subject goods were domestically sold to SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China. But, they expressed their inability to confirm whether the said goods were exported to India. Therefore, the Authority does not accept the responses filed by M/s SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd, China PR and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co Ltd, China PR.
- xvii. Importers Questionnaire was sent to the following known importers and/or consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
- i. Enkei Castalloy Limited
 - ii. Neo Wheels
 - iii. Aakar Castings Pvt Ltd
 - iv. Volkswagen India Pvt. Ltd.
 - v. Ford India Private Ltd.
 - vi. General Motors India Pvt. Limited.
 - vii. Hyundai Motor India Ltd
 - viii. Toyota Kirloskar Motor Pvt. Limited
 - ix. FIAT India Automobile Limited
 - x. Hindustan Motors Limited
 - xi. BMW India
 - xii. Tata Motors Limited
 - xiii. Daimler India Pvt. Ltd
 - xiv. Skoda Auto India Private Limited
 - xv. Honda Siel Cars India Ltd.
 - xvi. Renault Nissan Technology & Business Centre India Pvt.Ltd.
 - xvii. Sai Mag Wheels
 - xviii. Prestige Design
 - xix. Marwah Trader
 - xx. The Automotive Component Manufacturers Association of India (ACMA)
 - xxi. Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM)

- xxii. Sheromani Trader Pvt. Ltd.
 - xxiii. Rockford Wheels
 - xxiv. Sukhmani Wheels
 - xxv. Sukhadata Enterprises
 - xxvi. Perfect Importers & Distributors (I) Pvt. Ltd.
 - xxvii. Auto Dinamic Corporation
 - xxviii. Fast Track Distributors Pvt. Ltd.
 - xxix. General Motors India Pvt. Ltd.
- xviii. In response, the following importers/users in India have filed importers questionnaire response:
- (a) Hyundai Motors India Ltd
 - (b) General Motors India Private Limited
 - (c) Chevrolet Sales India Pvt. Ltd
- xix. The following interested parties have also made submissions during the course of the investigation:
- (a) Auto Dynamic Corporation
 - (b) Perfect Importers & Distributors (I) Pvt. Ltd
 - (c) Ford India Pvt Ltd
 - (d) Mahindra & Mahindra Ltd
 - (e) Volkswagen India Pvt. Ltd
 - (f) TVS Motor Company Ltd
 - (g) China Chamber of Commerce for Import and Export of Machinery and Electronic Products (CCCME).
 - (h) BMW Group, India.
 - (i) Maruti Suzuki India Ltd.
 - (j) Hindustan Motors India Ltd.
 - (k) Endurance Technologies Pvt Ltd.
 - (l) Sheromani Traders Pvt Ltd.
 - (m) Rockford Wheels.
 - (n) Focus Tradex Pvt Ltd.
 - (o) Sukhmani Wheels.
 - (p) Sukhadata Enterprises.
- xx. The Authority made available non-confidential version of the evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xxi. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xxii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxiii. On site verification of the information provided by the petitioner were conducted at the premises of the petitioner. Only such verified information with necessary rectification wherever applicable is relied upon for the purpose of preset provisional finding.
- xxiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st July 2011 to 30th June, 2012 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2009-March 2010, April 2010-March 2011, April 2011-March 2012 and the POI.

- xxv. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.
- xxvi. After comparing the import data from the secondary sources (IBIS) as furnished by the domestic industry with the import data received from the DGCI&S, the Authority notes that in terms of volume of imports into India from subject countries, data as per both the sources do not show any significant differences, however, the unit prices reported by DGCI&S are abnormally low vis-à-vis the price reported by IBIS. Therefore, the Authority has relied upon the secondary sources (IBIS) data furnished by the domestic industry for the purpose of this preliminary finding.
- xxvii. The Authority held an oral hearing on 3rd December, 2013 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties.
- xxviii. ***In this preliminary finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxix. The exchange rate adopted for the POI is 1 US\$ = Rs. 50.25

A. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

- 5 The product under consideration in the present investigation is “Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels(ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches”, originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.
- 6 Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) are produced in various sizes/diameters. The product under consideration covers only ARWs of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches used in motor vehicles. ARWs other than 12 inches to 24 inches diameter are out of the product scope. The goods include finished or semi-finished ARWs whether unpainted, painted or chrome plated. The main function of ARWs is that they are fitted on motor vehicles to enable vehicle movement. Wheels for Motor Vehicles are generally made of Steel or Aluminium Alloy. As claimed by the domestic industry, Alloy Wheels are new generation product and are widely capturing market in India because of their superior features over the steel wheels. Steel wheels are not included in the product scope. ARWs are classified under Chapter 87 of the Customs Tariff Act, 1975, under customs sub-heading No. 8708.70 under the description “Road wheels and parts and accessories thereof”. As claimed by the domestic industry, the subject goods are also imported under different customs classifications such as 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 7 The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties, regarding product under consideration and like articles, during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. As agreed by the petitioner during the oral hearing, the alloy wheels meant for 2-wheelers should be specifically excluded from the purview of the product under consideration.
 - ii. Apart from the above, the following alloy wheels should also be excluded from the purview of the present investigations due to the reasons as stated against each:
 - a. Products protected by IPRs (Copyrights) ought to be excluded as per the past practice and jurisprudence of the Designated Authority itself.
 - b. Products not produced by the Domestic Industry during the Period of Investigation.
 - c. Products not sold by the Domestic Industry during the Period of Investigation.
 - d. Products that is not commercially substitutable with the products of the Domestic Industry.
 - e. Products that is not technically substitutable with the products of the Domestic Industry.
 - f. Products that is not substitutable due to legal constraints.
 - g. The petitioner has sought to include finished as well as semi-finished, whether painted or unpainted, forged or chrome plated within the scope of the PUC. It is not known whether the petitioner itself is producing all such products or not. If not, they should be excluded

from the purview of the PUC as well along with all sizes of wheels not produced by the petitioner.

- iii. The Product under Consideration covers Alloy Road Wheels "with or without accessories". The nature of such accessories is required to be elaborated.
- iv. Considering factors like differences in technical specifications, pricing and long term contractual obligations, channels of distribution, isolation of the Original Equipment Manufacturers (OEM) and the After Market segment (AM) segments, volumes in different market segments, intellectual property issues, statutory approvals and involvement of OEM in the development of the products, etc, ARWs for OEM and AM segments should be treated as separate products and analysis should be done accordingly.
- v. Conversion of wheels in terms of Kg/MT is not appropriate as weight alone can't be the core factor while defining the PUC. The petitioner should explain the methodology of converting number of wheels in terms of weight. While it is admitted that styling, weights as well as designs are determining factors for deciding the specificity of wheels, the impacts of the same while defining the product is not taken into consideration.
- vi. The Domestic industry adopts Low pressure Die casting (LPDC) or Gravity Die Casting Technology, instead of newer technologies such as Cast-Flow & Forged.
- vii. Wheels are manufactured in various sizes, designs, weights, finishes and fitment configurations. Only such product types which are produced by the petitioner should be included in the PUC and the rest to be excluded.

Submissions by the domestic industry

- 8 The submissions made by the domestic industry, regarding product under consideration and like articles, during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The wheels for two wheelers are as such not included in the product scope; hence the question of exclusion is irrelevant. However, the petitioner does not have any reservations to recording a specific finding to show the exclusion of ARWs for two wheelers from the ambit of PUC.
 - ii. Classification of PUC as OEM and After Market wheels are completely baseless. OEM and aftermarket are mere channels of distribution and subject goods being sold in both the channels do not constitute two dislike articles per se. The products supplied to OEMs and After Market have the same basic product features and end use and both the wheels are like articles and perfect substitutes.
 - iii. A wheel design can change depending upon the choice of the OEM but the same do not render them a different product. This aspect was also addressed by EU and Australia in their investigations against China and concluded that OEM and AM wheels are considered to form one single product and like articles.
 - iv. IPR is not a license to dump the material in another country and has no relevance while determining dumping and injury. The TRIPS agreement and Anti-dumping agreement under the GATT have different purposes and objectives. Copy right on design do not render them different product under the meaning of rule 2 (d) of AD Rules as the basic product features such as raw material, production process, technology, physical properties, end uses etc remain the same. Copy right do not limit any commercial or technical substitutability of ARWs. A design is in any case associated with an ARW and copy right on any such design is the choice of the car maker and do not prejudice the product definition for the present anti-dumping investigation.
 - v. Possession of any copy right on a particular design does not alter the substitutability of the wheel. The subject goods, which are being dumped in India, are identical to the goods produced by the domestic industry. The two are technically and commercially substitutable and are 'like article'.
 - vi. The product is produced in different sizes and different size would have different weight. Thus, the cost and price also that of the wheel would vary between different sizes and weights proportionate to their size and weights. The conversion of wheels with different sizes to equivalent weights is the fair methodology to compare any price and cost related information. Such methodologies were also adopted by the DGAD in a number of cases such as Steel Wheels, Tyres etc.
 - vii. The PUC is defined to include wheel sizes from 12 inches to 24 inches only. Such sizes are produced depending upon the demand for such sizes. Petitioner has produced and sold all such sizes during the POI. Even if any particular size was not produced or sold in the POI would not make them liable to be excluded

as the petitioner has the capacity to cater to all such sizes provided demand for a particular design emerged. Different sizes within the PUC do not mean they are all different products. An apple to apple comparison is possible after converting the domestic and imported goods equivalents of weights.

- viii. The argument of the interested parties that part numbers not manufactured or sold in India should be excluded, is completely skewed. The present investigations are concerning dumping of subject goods and the Authority has already identified the PUC and like article subject to rule 2 (d).
- ix. The PUC is classified under the customs subheading ‘Road wheels and parts and accessories thereof’. Presence or absence of any accessories such as any wheel caps, air valves and lug nuts at the time of import should not lead to any ambiguity with regard to definition of PUC.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 9 The product under consideration in the present investigation is “*Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches*”, originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.
- 10 Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) are produced in various sizes/diameters. The product under consideration covers only ARWs of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches used in motor vehicles. ARWs other than 12 inches to 24 inches diameter and for use other than motor vehicles are out of the product scope. The goods include finished or semi-finished ARWs whether unpainted, painted or chrome plated. The main function of ARWs is that they are fitted on motor vehicles to enable vehicle movement. Wheels for Motor Vehicles are generally made of Steel or Aluminium Alloy. As claimed by the domestic industry, Alloy Wheels are new generation product and are widely capturing market in India because of their superior features over the steel wheels. Steel wheels are not included in the product scope. ARWs are classified under Chapter 87 of the Customs Tariff Act, 1975, under customs sub-heading No. 8708.70 under the description “Road wheels and parts and accessories thereof”. As claimed by the domestic industry, the subject goods are also imported under different customs classifications such as 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400 etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

- 11 With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under :—

“like article” means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

- 12 The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of PUC and domestic like article and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i. As regards the submission that the alloy wheels meant for 2-wheelers should be specifically excluded from the purview of the product under consideration, the Authority notes that the PUC defined in the present investigation as “*Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW)*” as such does not include the ARW meant for two wheelers. Moreover, the domestic industry does not manufacture ARW meant for two wheelers and therefore the same was not included in the petition filed by them. Further, the domestic industry has also submitted that they have no objection for exclusion of ARWs for two wheelers from the ambit of PUC. In view of the above, the Authority excludes the ARW meant for two wheelers from the purview of the PUC in the present investigation.
 - ii. As regards the submission of the interested parties that the ARW of size, design, style, etc with or without copy rights, not manufactured/supplied by the domestic industry, should be excluded from the purview of the PUC, the Authority notes that the PUC covers “*Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches*” with the exclusion of the ARW meant for two wheelers as noted above. The domestic industry either manufactures all the sizes of the ARW covered in the PUC or is having the capacity to manufacture the same. Moreover, design of an ARW (including those with copy rights) is an aesthetical aspect determined by a Motor Vehicle manufacturer. Thus the design of a particular ARW, even if having copy rights, does not make it different from another design of ARW as long as both are technically and commercially substitutable within the purview of Anti-dumping Rules.

- iii. As regards the submission of the interested parties that ARWs for OEM and AM segments should be treated as separate products and analysis should be done accordingly, the Authority notes that OEM and After Market (AM) are two channels of distribution of subject goods and not goods per se. As claimed by the domestic industry, the products supplied to OEMs and After Market has the same basic product features and end use and both the wheels are like articles and perfect substitutes. The Authority notes that the subject goods sold in both the channels constitute like articles in terms of the Anti-dumping Rules.
- iv. The petitioner has claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. Examination of the product and import data submitted by the applicant and the respondent exporters indicates that there is no difference between subject goods produced by the Domestic Industry and imported from the subject countries. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority holds that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of defining the ‘product under consideration’ in this case.
- v. As regards the submission of the interested parties that conversion of wheels in terms of Kg/MT is not appropriate as weight alone can't be the core factor while defining the PUC, the Authority notes that the product under consideration is produced and sold in different sizes and different weights. As a result, the cost and price of the product having different size and weight is bound to differ according to their size and weight. Thus, the Authority notes that conversion of wheels with different sizes equivalent to their weights to compare their price and cost is the most appropriate methodology.
- vi. As regards the submission of the interested parties that the Domestic industry adopts Low pressure Die casting (LPDC) or Gravity Die Casting Technology, instead of newer technologies such as Cast-Flow & Forged, the Authority notes that different technologies as such do not make end products different.

B. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 13. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The petitioner being a 100% EOU cannot be considered as domestic industry.
 - ii. Since the petitioner is a 100% Export Oriented Unit (EOU), production of the petitioner shall be restricted to its entitlement to supply in the Domestic Tariff Area (DTA) for the purposes of determining their standing.
 - iii. Being a 100% Export Oriented Unit (EOU), only that production is to be considered, which the petitioner could have sold in the domestic market. In such a case, the share of petitioner in total domestic production would be even less than 30%. The data shows that they do not have standing to file the petition.
 - iv. It was submitted by the petitioner at the time of initiation that there were only two other producers in the Indian market. However, during the hearing, the petitioner named 3 more producers of the subject goods in India. This is a clear case of material non-disclosure of essential facts by the petitioner which has a direct bearing on the locus-standi of the petitioner and therefore the investigation should be terminated.
 - v. Considering the production of the petitioner- Synergies Castings Ltd and other domestic producers in India namely Neo Wheels, Enkei Wheels, Minda Kosei and Deltronics, Synergies Castings does not account for a major proportion of the total domestic production of like articles in India.
 - vi. Petitioner has not been able to demonstrate with supporting evidence as to why Enkei and Neo Wheels should be excluded.,
 - vii. The claim of the petitioner that its net inflow of foreign exchange is higher than the net foreign exchange outflow, which determines its sales in the domestic market, is doubtful. As per the annual reports of the petitioner company for 2008-09, 2009-10 and 2010-11, the foreign exchange outgo is much more than the foreign exchange earnings. If the petitioner was unable to achieve positive NFE, then it could not have sold in DTA.

Submissions by the domestic industry

- 14 The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the authority are as follows:
- i. EOU status of the petitioner has no bearing on the definition of domestic industry. Synergies Castings Limited (SCL) accounts for entire production by domestic industry during the POI to satisfy standing requirements as the other two producers are themselves importers of the subject goods and not eligible to form domestic industry within the meaning of AD rules. Presumptions of the interested parties that the unit may not be an NFE positive unit have no factual foundation. SCL maintains its NFE level positive. Moreover, the Foreign Trade Policy do not impose any volume restrictions on the 100% EOU unit for DTA sale after achieving the positive NFE as alleged by the other interested parties.
 - ii. The petition has been filed by Aluminium Association of India (AAI) on behalf of the domestic industry. One of its members, who is the largest producer of subject goods in India, Synergies Castings Limited (SCL), an 100% EOU, has provided all information relevant for the application for imposition of anti dumping duties. There were three producers of subject goods relevant for the POI. Except SCL, Enkei Castalloy Ltd and Neo Wheels were identified as producers of subject goods in India who were in production of subject goods during the POI. Enkei wheels has neither supported nor opposed the investigation. However, Neo Wheels has supported the petition vide their letter to the Authority post initiation. As per market information, two more producers also started production of the subject goods in the post POI period namely Minda Kosei and Deltronics. However, Minda Kosei has supported the present investigation. Enkei and Neo Wheels should be excluded from the purview of domestic industry as they are engaged in import activities. Thus, the petitioner satisfies the standing requirements under the rule and production by SCL constitutes major proportion in the total domestic production and accounts for entire domestic production by domestic industry during the POI.
 - iii. EOU scheme provides a competitive footing to serve the domestic and foreign customer better, provided there exists a fair market condition. Therefore, EOUs cannot be considered as beyond the scope of the domestic industry under the AD Rules. They are very much an industry in India.
 - iv. The present petition satisfies the requirements of Rule 2 (b) of the AD rules and Synergies Castings Limited should be considered as the domestic industry within the meaning of Rule 2 (b).
 - v. There is no export obligation on the petitioner. Being an EOU, Foreign Trade Policy requires the unit to be an NFE positive unit and the NFE needs to be met in blocks of 5 years which is further extendable and the same was met by the petitioner.
 - vi. The claim of the interested parties that domestic performance of the petitioner is depended upon the export has no legal footing. The domestic industry could increase its sales only at minuscule levels when the demand for the product increased significantly and there were significant unutilized capacity available with the petitioner. Dumped imports caused direct loss of sales to the domestic industry.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 15 The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. The application in the present investigation has been filed by the Aluminium Association of India on behalf of M/s Synergies Castings Limited, an 100% Export Oriented Unit. As claimed by the applicant there were two other producers of the product under consideration in India during the POI namely M/s Enkei Castalloy Ltd and m/s Neo Wheels. As claimed by the domestic industry, both M/s Enkei Castalloy Ltd and M/s Neo Wheels have imported the subject goods from the subject countries during the POI. The Authority provided the initiation notification to both the said domestic producers requesting for the information. While, both the said domestic producers have not furnished required information, Neo Wheels has supported the present investigation. The Authority further notes that, as submitted by the domestic industry, Minda Kosei and Deltronics have started production during the post-POI and thus not relevant for the present investigation. Nevertheless, the Authority notes that Minda Kosei has supported the present investigation.

- ii. As regards the submission of the interested parties that the petitioner being a 100% EOU cannot be considered as domestic industry, the Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules defines domestic industry as under:-

(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”;

- iii. In terms of the above stated Rule, there is no explicit exclusion of EOUs from the scope of domestic industry. The Authority however notes that EOU units may form part of the domestic industry to the extent of their domestic sales within the limit of their entitlement permitted under the foreign trade policy of India.
- iv. With regard to the eligibility of the 100% EOU units and conditions to sale in the DTA, the Authority notes that Paragraph 6.8 (a) and (h) of the Foreign Trade Policy, 2009-14 lays down the relevant provisions as follows:

“6.8 Entire production of EOU/EHTP/STP/BTP units shall be exported subject to following:

(a) Units, other than gems and jewellery units, may sell goods upto 50% of FOB value of exports, subject to fulfilment of positive NFE, on payment of concessional duties. Within entitlement of DTA sale, unit may sell in DTA, its products similar to goods which are exported or expected to be exported from units. However, units which are manufacturing and exporting more than one product can sell any of these products into DTA, upto 90% of FOB value of export of the specific products, subject to the condition that total DTA sale does not exceed the overall entitlement of 50% of FOB value of exports for the unit, as stipulated above. No DTA sale at concessional duty shall be permissible in respect of motor cars, alcoholic liquors, books, tea (except instant tea), pepper & pepper products, marble and such other items as may be notified from time to time. Such DTA sale shall also not be permissible to units engaged in activities of packaging/ labelling/segregation/refrigeration/compacting/micronisation/pulverization/granulation/conversion of monohydrate form of chemical to anhydrous form or vice-versa. Sales made to a unit in SEZ shall also be taken into account for purpose of arriving at FOB value of export by EOU provided payment for such sales are made from Foreign Exchange Account of SEZ unit. Sale to DTA would also be subject to mandatory requirement of registration of pharmaceutical products (including bulk drugs). An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit.”

“(h) EOU/EHTP/STP/BTP units sell finished products, except pepper and pepper products and marble, which are freely importable under FTP in DTA, under intimation to DC, against payment of full duties, provided they have achieved positive NFE. An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit.”

- 16 After detailed examination the Authority determines that M/s Synergies Castings Limited accounts for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and thus constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti- dumping Rules.

C. Confidentiality

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 17 The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to petitioner’s policy regarding its distribution channels, commission/discount policy, credit terms, normal value calculation etc.

- ii. The domestic industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file. Domestic Industry has also not provided the details of their export sales, export obligations (being an EOU) and the quantities available for domestic market.
- iii. It has been claimed by petitioner that exporter has claimed excess confidentiality. Respondent considers that it has filed submitted a reasonable non-confidential versions of the submissions. On the contrary, petitioner has not disclosed many material information, which should have been provided along with the petition.
- iv. Petitioner has not disclosed many material information relating to methodology used to refine the import data, conversion factor used for converting number of wheels into MT/KG, information about the subject goods viz., size, quality, category and uses, information about existence of other producers and their production, evidence of lost sales order, annual report of the company, etc.

Submissions made by the domestic industry

- 18 The various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. Excessive confidentiality has been claimed by the exporters.
 - ii. Petitioner has claimed confidentiality on information provided by them as allowed in rule 7 of the AD rules and a meaningful summary of such information were also provided. The claims of interested parties that the petitioner has claimed excessive confidentiality are baseless.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 19 The various submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

- ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
- iii. With regard to the submission of the opposite interested parties that the petitioner should make available their annual report in the public file, the Authority notes that the domestic industry has already provided the ROC version of their annual report in the public file.

D. Miscellaneous Submissions

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 20 The miscellaneous submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated.
- ii. Selection of period of investigation and injury period are flawed.
- iii. Importers need not file questionnaire response in order to be treated as a cooperating importer. Non-filing or incomplete filing of response does not dilute the right of an interested party to make submissions.
- iv. The anti-dumping duties imposed by the EU and Australia on the imports of the subject goods from China PR have no impact on the Indian situation.
- v. The market situation, conditions of competition, level of development of the domestic producer differs from country to country. The finding of investigating authority of one country cannot form the basis of decision for another country's investigating authority. The authority need not rely upon the findings of EU and Australia. The authority is required to conduct AD investigations based on its own domestic laws and jurisprudence.

Submissions made by the domestic industry

- 21 The miscellaneous submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The Authority should reject the submissions made by the importers as they have not filed questionnaire response.
 - ii. EU and Australia have imposed anti-dumping measures against imports of subject goods from China PR. Facts in the findings by EU and Australia should be considered by the Authority in the present investigation. The imposition of anti-dumping measures by EU and Australia against imports of subject goods from China PR has impact on Chinese exports to India.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 22 Various miscellaneous issues raised by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined herein below:
- i. As regards the argument of the opposite interested parties that the petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of prima facie evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and causal link and justifying initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules. The Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the domestic industry.
 - ii. As regards the contention of the opposite interested parties that selection of injury period and period of investigation are contrary to the provisions contained in Annexure III of the AD Rules in India, the Authority notes that the period of investigation and the injury investigation period were determined in accordance with the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and as per practice.

E. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

- 23 The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
- 24 As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 25 The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; some Chinese producers and exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter were examined for determination of Normal value of the responding producers/exporters of the subject goods from the subject country and deficiencies in the submissions were pointed out and clarifications were sought.
- 26 The following sampled respondent producers/exporters from China PR have claimed market economy treatment by filing the required questionnaire:
- i. CITIC Dicastal Co. Ltd.
 - ii. Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd. along with related companies namely Hebei Lizhong Non-ferrous Metals Group Co. Ltd. (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co. Ltd, Tiaanjin Dicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co. Ltd.
 - iii. Zhejiang Yueling Co. Ltd.
- 27 While the responses filed by SAIC GM Wuling Automobile Co. Ltd. and SAIC GM Wuling (Linzhou) Importation & Exportation Co. Ltd, China PR have not been accepted by the Authority due to the reasons well explained in this finding, the other Chinese companies namely Zhejiang Autom Aluminum Wheels Co. Ltd. and Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd., have not filed MET response and have not claimed market economy treatment.

CITIC Dicastal Co. Ltd, China PR

- 28 In the MET Response filed by M/s CITIC Dicastal Co. Ltd., China PR, it is stated that the company is a Sino foreign (Taiwan, Hong Kong, Macau) joint venture belonging to China CITIC Group (formerly known as China International Trust and Investment Corporation), a fully State owned company. It has been further stated that China CITIC Group was established in the early years of China's economic reforms. The Group is stated to own 44 subsidiaries in China and abroad. The CITIC Group controls M/s. CITIC Dicastal Co. Ltd. (respondent company) through its 100% subsidiary M/s. CITIC Group Investment Holdings. As stated in the MET response, the senior officers of the CITIC Group and CITIC Dicastal (respondent company) are appointed by the State Council which is involved in the major decisions of the group. It is further stated in the MET response that some of the subsidiaries of CITIC Dicastal are involved in the subject goods, but CITIC Dicastal only exported the subject goods to India during the POI. As stated in the MET response, Mr. ZuoXu, CEO of CITIC Dicastal is responsible for the management of the whole Group.
- 29 In response to the deficiency letter issued by the Authority, it is stated that M/s. CITIC Dicastal Co. Ltd., China PR was originally established in May, 1988 with the name of Bohai Aluminium Alloy Casting Co. Ltd. The original investors were CITIC Development Co. Ltd., Top Winner Development Ltd. and Vitality Motor Co Ltd. The investment ratio of the three above named investors is ***%, ***% and ***% respectively. Bohai Aluminium Alloy Casting Co Ltd was renamed as Dicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd. in May 1988 and subsequently as CITIC Dicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd. in October, 2007. Further, in July, 2012, CITIC Dicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd. changed its name as CITIC Dicastal Co. Ltd. It is further acknowledged by the company that CITIC Group is funded by Ministry of Finance, China. Further, it has been acknowledged by the respondent company they are recipients of substantial subsidies from Government of China. Moreover, the Group Company as well as the subsidiaries/related companies involved in the subject goods have also not filed response.

Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd. along with related companies namely Hebei Lizhong Non-ferrous Metals Group Co Ltd (related raw material supplier), Qinhuangdao Dicamry Wheel Co. Ltd., Tiaanjin Dicastal Wheel Manufacturing Co Ltd, and Tianjin Lizhong Wheel Co. Ltd.

- 30 In the MET response filed by Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd., it is stated that the company was originally set up in August, 1995 by three Chinese individual shareholders namely ***, *** (previously

known as *** and *** (previously known as ***). On 5th July, 2004 all the shares were transferred to ***, Singapore and thus Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd., China PR became a wholly foreign owned company. In Dec, 2005 China Wheel Holdings Pvt. Ltd. was renamed as China Wheel Holdings Ltd. and in February, 2008 as Lizhong Wheel Group Ltd. Lizhong Wheel Group Ltd is related to three Chinese producers of subject goods namely ***, ***, and ***, who produced and sold the subject goods in the Chinese market but not exported to India during the POI. The respondent company is stated to be procuring the major raw materials from its related company namely Hebei Lizhong Non-ferrous Metals Group Co. Ltd., who has also filed MET response along with the above three other related companies. It has been further stated in the response that the ultimate owner and controller of the entire Group including the respondent company is *** family. MET response has not been filed by the group company i.e. M/s. Lizhong Wheel Group Ltd.

Zhejiang Yueling Co. Ltd.

- 31 In the MET response, Zhejiang Yueling Co. Ltd. is stated to be a Chinese Limited Company, held by seven major Chinese individual shareholders. The related companies of Zhejiang Yueling Co. Ltd. are ***, ***, and ***. Out of these, as stated in the MET response; *** is the actual controller of Zhejiang Yueling Co. Ltd. Further, as stated in the annual accounts, the predecessor of Zhejiang Yueling Co. Ltd. is Yuelin Wheel Hub Making Company Ltd., set up in May, 1998. In September, 2010 it is stated that the name of the company was changed from Yuelin Wheel Hub Making Company Ltd. to Zhejiang Yueling Co. Ltd. As it is evident from the MET response, the respondent company is not only under the control of a Wenling City body, it has also received substantial Government subsidies. Moreover, the respondent company seems to be procuring the major raw materials from the first-rate state-owned enterprises.
- 32 The submissions concerning market economy, normal value, export price and dumping margin made by the producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. During the last 30 years, China has established a complete market economy system. To date, 97 WTO members have recognized China as complete market economy country, and the same should also be granted by authorities of India. The contention of the petitioner that all producers in China are operating under non-market economy conditions is presumptuous and baseless.
 - ii. The normal value and export price arrived by petitioner in its petition cannot be accepted as correct since petitioner has not made available any evidence to support their computations.
 - iii. The Designated Authority has also not followed the prescribed procedure with regard to Normal Value for China in terms of para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules.
 - iv. It has been contended by the petitioner that since aluminum prices in China reflect state interventions, such prices cannot be considered as fair market rates. However, the authorities in both EC and Australia cases have concluded that aluminum market price in China was lower than aluminum price in LME. Thus, the contention of petitioner needs to be rejected.
 - v. The contention of the petitioner that EC has found serious distortions in the financial situations of CITIC Dicastal is baseless. EC has clearly determined that CITIC Dicastal met the MET criterions.
 - vi. Baoding fulfils criteria to be treated as a market economy company and should be accorded Market Economy status. DGAD has granted Market Economy status to Chinese exporters who acted under similar circumstances.
 - vii. OEM segment is the largest consumer of alloy wheels and after-market segment comprises of a very minuscule share in the total Indian market. Since almost all the procurement of wheels in India is done by OEMs, it is the decision of the OEMs, not the wheels manufacturers, which decides the market for the wheels. Moreover, OEM comprises of global vehicle manufacturers, who resort to global tendering process. In such a case, it cannot be said that wheels are being dumped into India.
 - viii. The decision whether to participate in AD investigation is that of an individual party and the cooperation by GMK, therefore, cannot be rejected. It is not necessary that all the producers from whom the subject goods may have been bought by the cooperating exporter must participate in the investigations, even though such producers are unrelated to the exporter.

- 33 The submissions made by the domestic industry concerning market economy, normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. None of the Chinese exporters are eligible to be considered as market economy in terms of the various criteria laid down under the Annexure – I of AD Rules.
 - ii. Almost 50 to 55% of cost of production of the subject goods is on account of the main raw material i.e. aluminium which reflects significant State intervention. Moreover, the EU and Australia findings also did not consider Chinese exporters as operating under market economy.
 - iii. Baoding has placed their reliance on a claim that they are a wholly foreign owned company for market economy. But ownership alone can't rule out the element of state interference. Baoding was denied MET by European Union recently in an investigation concerning ARWs dumped in EU by Chinese producers. Thus, Baoding should be treated as operating under NME conditions based on the facts of decision by EU alone.
 - iv. Dicastal has presented highly unreliable data and needs to be rejected. Dicastal is attracting AD duties in EU and Australia. There is enough reason to believe that the company is on a dumping spree on all budding markets.
 - v. CITIC Dicastal submitted that they supply only to OEMs. But the EQR by CITIC Dicastal shows they have supplied ARWs purchased from unrelated parties to India which is in complete contradiction to the claim of the exporter that they cater only to OEMs because the practice of OEM is not to buy the products purchased from OEM but their purchases are manufacturer centric.
 - vi. The questionnaire responses filed by GM Korea Company should be rejected as one of the producers who have supplied the material to GM Korea Company hasn't filed any EQR and thus the export chain is not complete.
 - vii. Normal Value in case of China PR being a non-market economy should be constructed as per Para 7 of Annexure 1 of the AD Rules by considering India as an appropriate surrogate country for Chinese producers.
 - viii. For Normal Value in Korea RP petitioner relied upon a price list of a Korean producer. The same may kindly be relied upon by the Authority as the information provided by Korean exporter is incomplete and unreliable.
 - ix. In case of Thailand, efforts were made to determine normal value based on cost of production in Thailand. However no such information is publicly available. In the alternative, normal value for Thailand is determined based on cost of production in India by taking aluminium price as per LME rates and electricity rates in Thailand. It is requested that the same may be considered for the purpose of findings in the present investigation.
 - x. Large number of importers who have participated in the present investigation hasn't filed any questionnaire response. In view of that the export price claimed by the exporters does not seem to be reliable. The Authority should compare export prices claimed by the exporters with that reported by Indian customs.
 - xi. In the absence of any response from Thailand, determination of normal value, export price and dumping margin for Thai exports may be carried out based on the information provided by the petitioner.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 34 The subject goods, originating in or exported from China PR, are also subjected to anti-dumping duty in Australia and European Union. In their final findings, the Australian Authority did not grant MET to the Chinese companies on the ground that the actions of Government of China have directly impacted the price of aluminium materials in China, causing prices to be lower than they would be without the intervention of the government. Similarly, in the EU Authority also denied MET to the Chinese companies in their final findings on the ground that Chinese State has a primary role in the setting of prices of primary aluminium and interferes in the market continuously with a number of tools. Further, as EU has observed, State interferes with the price setting mechanisms in the Shanghai Futures Exchange (SHFE), which is a closed exchange for Chinese-registered companies and Chinese citizens, and State interference with the price setting mechanisms in the SHFE is linked to its position both as a seller of primary aluminium and as a purchaser via the State

Reserve Bureau and other State Bodies. In addition, the State sets daily price limits via the rules of the SHFE which have been approved by the State Regulator, the China Securities Regulatory Commission.

- 35 In addition to the significant Government interferences in the determination of prices of the major raw material, the EU has also observed significant distortions in the financial situation of the major Chinese respondent companies like CITIC Dicastal and Baoding Lizhong group. In respect of CITIC Dicastal and Baoding Lizhong group , the EU final finding observed as follows:

(41) It has been claimed by Baoding Lizhong group that Article 2(7)(c) of the basic Regulation explicitly requires that the distortions are caused by the former non-market economy system; the group claimed that since it would have allegedly always operated as privately-held group, distortions cannot be the result of the 'former' non- market economy system as the group never operated as State-owned companies. The argument cannot be accepted. As established in the present case, production costs and financial situation of companies can be subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system regardless if a company has operated as a State-owned company or not.

(42) In addition, Baoding Lizhong group, YHI Manufacturing (Shanghai) Co. Ltd. and CITIC Dicastal reiterated the arguments already put forward before the adoption of the provisional Regulation and insisted on the fact that the advantages enjoyed by the companies are not significant. However, as explained in recital (50) of the provisional Regulation, the investigation revealed that distortions on the financial situation of the groups were significant. (Emphasis Supplied)

"(53) As regards CITIC Dicastal, it is a State-owned company directly controlled by the State (the majority of its shares belong to the State). The State interference is such that it permits circumvention of measures if it obtains a different rate of duty. In other words, production of other State-controlled companies could be re-directed through CITIC Dicastal. Concerning the other argument put forward by CITIC Dicastal, the fact that it supplies exclusively car makers in the OEM market does not prevent it from supplying to other clients in the future. It can therefore be concluded that CITIC Dicastal should be denied IT".

- 36 The market economy responses filed by the above stated Chinese companies have been examined by the Authority and deficiency letters issued. The Authority notes that in a situation where the respondent company is a State owned/controlled entity or a State owned/controlled entity having significant share in the company or the information provided by the respondent company indicates possibilities of State interference or the prices of basic inputs do not substantially reflect market values or the respondent companies are recipients of substantial Government subsidies and other financial benefits or have grown from a non-market situation to an apparent private entity without explicit market process, etc, the rebuttal of non-market status by the Chinese companies cannot be accepted. In view of the above, pending examination of the above issues regarding ownership & control, its impact on the costs & prices and business decisions of the enterprise and a determination whether the prices of inputs substantially reflect market value, the Authority is of the view that the responding producers/exporters from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination, pending further investigations, including on the spot verification.

- 37 As regards the contention of the opposite interested parties that the normal value and export price arrived by petitioner in its petition cannot be accepted as correct since petitioner has not made available any evidence to support their computations, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of prima facie evidences of dumping, injury and causal link furnished by the applicant.
- 38 The argument of the producers/exporters/importers that OEM segment is the largest consumer of alloy wheels and after-market segment comprises of a very minuscule share in the total Indian market and hence it is the decision of the OEMs, not the wheels manufacturers, which decides the market for the wheels, who resort to global tendering process and not dumping, the Authority notes that the facts of the investigation as enunciated in this finding is self-explanatory in this regard.

F. Determination of Normal Value

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

- 39 The Authority notes that none of the sampled producers/exporters from China PR have been found to be operating under market economy condition for determination of normal value in China in terms of Para-6 of

Annexure-1 to the Rules. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules.

40 Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin".

41 According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:

- a) On the basis of the price in a market economy third country, or
- b) The constructed value in a market economy third country, or
- c) The price from such a third country to other countries, including India.
- d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

42 The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country at this stage. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.

43 The Authority proceeds to provisionally determine the Normal value for China PR on available facts basis in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is 5.35 US\$/KG.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP and Thailand

Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP

44 Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:

- (i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*
 - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not

produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

45 The following sampled producers/exporters from Korea RP have filed exporter's questionnaire response.

- i. Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd. (producer)
- ii. GM Korea Company (exporter)
- iii. Hands Corporation (exporter)
- iv. Hyundai Glovis Co. Ltd. (exporter)

46 The Authority has not accepted the responses filed by M/s. GM Korea Company, Korea RP (Exporter) and M/s Artisan Spirit Alloy Co Ltd, Korea RP (Producer) for reasons well explained in this finding. As regards Hands Corporation and Hyundai Glovis Co. Ltd., they are not producers of the subject goods in Korea RP and are exporters of the subject goods produced by China PR. In view of this position, determination of normal value on the basis of cooperative producer/exporter from Korea RP is not possible. Therefore, the Normal Value for producers/exporters from Korea RP has been provisionally determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is *** US\$/KG.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Thailand

47 As there is no response from Thailand, the Normal Value for producers/exporters from Thailand has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is *** US\$/KG.

G. EXPORT PRICE

Sampled Exporters From China PR

a) CITIC Dicastal, Ltd., China PR

48 In the EQR, CITIC Dicastal claimed to have exported the subject goods produced by themselves and also produced by other producers. Further, as it is evident from the EQR, the subject goods produced by CITIC Dicastal are also exported to India during the POI by other exporters. In reply to the deficiency letter issued by the Authority, CITIC Dicastal stated that they exported the subject goods to India during the POI manufactured by two unrelated producers namely M/s. *** and ***, to meet either urgent orders or to cater to relatively small orders which may not be advantageous for the company to produce themselves. The Authority notes that the export of the subject goods produced by other producers by CITIC Dicastal constitutes about 75% of the total exports made by CITIC Dicastal to India during the POI. The Authority further notes that such other producers, whose products have been exported by CITIC Dicastal, have not filed response. Further, CITIC Dicastal claimed in their EQR that they only supply to OEMs. However, as claimed by the petitioner, it is highly unlikely that OEMs would have accepted subject goods merely purchased from the market. In view of this position, determination of export price in respect of 75% of the exports made by CITIC Dicastal, of subject goods purchased from the market, to India during the POI, without the response from the concerned producers, especially when it is acknowledged to be advantageous to CITIC Dicastal to export such goods produced by other non-cooperative producers, may not be appropriate at this stage, pending verification. Therefore the Authority does not accept the export price claimed by CITIC Dicastal.

b) Zhejiang Autom Aluminum Wheels Co. Ltd.

49 In the EQR, Zhejiang Autom Aluminum Co. Ltd. has claimed to have exported *** MT of the subject goods for a total CIF value of US \$ *** to India during POI at an average CIF price of US\$ *** per Kg. Appendix- 2 provided by the exporter in this respect contains *** export transactions. Further, the Authority is in possession of export information from Director General, Systems considering the customs classification/subheading for the subject goods which is 87087000. It is noted that *** transactions, out of the *** transactions, reported by the exporter has reconciled with the DG Systems data in terms of quantity, however, the invoice value did not match and is found to be much lower than the price claimed by the exporter. In view of this gross discrepancy, the Authority does not accept the export price as claimed by the exporter at this stage, pending verification. Instead of rejecting the export price as claimed by the exporter pending verification, for this preliminary finding, the Authority determines the net export price in respect

Zhejiang Autom Aluminum Co. Ltd., China PR on the basis of the customs data available with the Authority as per DG Systems, after making due adjustments as claimed by the exporter to arrive at the net export price. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhejiang Autom Aluminum Co. Ltd., China PR has been provisionally determined as US\$ ***per Kg. The Authority will consider whether to completely reject the export price as claimed by Zhejiang Autom Aluminum Co. Ltd. or accept it for the final findings, after on the spot verification.

c) Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd.

50 In the EQR, Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd. has claimed to have exported *** MT of the subject goods for a total CIF value of US \$ ***to India during POI at an average CIF price of US\$ ***per Kg. Appendix- 2 provided by the exporter in this respect contains *** export transactions. Further, the Authority is in possession of export information from Director General, Systems considering the customs classification/subheading for the subject goods which is 87087000. It is noted that *** transactions, out of the ***transactions, reported by the exporter has reconciled with the DG Systems data in terms of quantity, however, the invoice value did not match and is found to be much lower than the price claimed by the exporter. In view of this gross discrepancy, the Authority does not accept the export price as claimed by the exporter at this stage, pending verification. Instead, of rejecting the export price as claimed by the exporter pending verification, for this preliminary finding, the Authority determines the net export price in respect Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd., China PR on the basis of the customs data available with the Authority as per DG Systems, after making due adjustments as claimed by the exporter to arrive at the net export price. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd., China PR has been provisionally determined as US\$ ***per Kg. The Authority will consider whether to completely reject the export price as claimed by Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd. or accept it for the final findings, after on the spot verification.

d) ZheJiangYueLing Co., Ltd.

51 In the EQR, ZheJiang YueLing Co., Ltd. has claimed to have exported *** MT of the subject goods for a total CIF value of US \$ ***to India during POI at an average CIF price of US\$ ***per Kg. Appendix- 2 provided by the exporter in this respect contains ***export transactions. Further, the Authority is in possession of export information from Director General, Systems considering the customs classification/subheading for the subject goods which is 87087000. It is noted that *** transactions, out of the *** transactions, reported by the exporter has reconciled with the DG Systems data in terms of quantity, however, the invoice value did not match and is found to be much lower than the price claimed by the exporter. In view of this gross discrepancy, the Authority does not accept the export price as claimed by the exporter at this stage, pending verification. Instead, of rejecting the export price as claimed by the exporter pending verification, for this preliminary finding, the Authority determines the net export price in respect Zhejiang YueLing Co., Ltd., China PR on the basis of the customs data available with the Authority as per DG Systems, after making due adjustments as claimed by the exporter to arrive at the net export price. Accordingly, the net export price at ex-factory level for ZheJiang YueLing Co., Ltd., China PR has been provisionally determined as US\$ ***per Kg. The Authority will consider whether to completely reject the export price as claimed by ZheJiang YueLing Co., Ltd. or accept it for the final findings, after on the spot verification.

e) Baoding L zhong Wheels Manufacturing Co. Ltd. and through Hyundai Glovis, Korea RP and Hyundai Mobis, Hong Kong

52 In the EQR, Baoding L zhong Wheels Manufacturing Co. Ltd., China PR has claimed to have exported *** MT for a total CIF value of US \$ ***of the subject goods to India through Hyundai Glovis, Korea RP and Hyundai Mobis, Hong Kong and directly *** MT for a total CIF value of US\$ *** during POI at an weighted average CIF price of US\$ ***per Kg. The Authority reconciled the data provided by the exporter with the customs data procured from Director General, Systems and was found to be matching. The Authority made adjustments as claimed by the exporter in their response to the questionnaire in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Baoding L zhong Wheels Manufacturing Co. Ltd., China PR has been provisionally determined as US\$ ***/Kg.

Non-Sampled Exporters From China PR

53 The Authority notes that the following exporters from China PR have submitted the sampling questionnaire:

- i. Seyer Heavy Industries (Shanghai) Co. Ltd., Shanghai, China PR.
- ii. Shanghai General Motors Corporation Ltd., Pudong, Shanghai, China PR.
- iii. CITIC Dicastal Wheel Manufacturing Co. Ltd., Qinhuangdao City, Hebei, China PR.
- iv. SAIC GM Wuling Automoblie Co. Ltd., Guangxi, China PR.
- v. ZheJiangYueLing Co. Ltd., Wenling, Zhejiang, China PR.
- vi. CITIC Dicastal Co. Ltd., Qin Huangdao City, China PR.
- vii. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co. Ltd., Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR.
- viii. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR.
- ix. Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd., West City, Yongkang, Zhejiang, China PR.
- x. Zhejiang Jinfei Kaida Wheel Co. Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR.
- xi. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co. Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR.
- xii. Zhejiang Autom Aluminium Wheel Co. Ltd., Wuyi City, Zhejiang, China PR.
- xiii. Zhejiang Shuguang Industrial Co. Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR.
- xiv. Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR.
- xv. Baoding L zhong Wheel Manufacturing Co., Ltd., Baoding, Hebei, China PR.
- xvi. Xiangyang Hengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR.
- xvii. Kunshan Liufeng Machinery Industry Co. Ltd., Suzhou City, Jiangsu Province, China PR.

54 The Authority further notes that out of the above stated exporters from China PR, the following were not selected by the Authority in the sampling process:

- i. Seyer Heavy Industries (Shanghai) Co. Ltd., Shanghai, China PR.
- ii. Shanghai General Motors Corporation Ltd., Pudong, Shanghai, China PR.
- iii. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co. Ltd., Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR.
- iv. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR.
- v. Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co. Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR.
- vi. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co. Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR.
- vii. Zhejiang Shuguang Industrial Co. Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR.
- viii. Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR.
- ix. Xiangyang Hengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR.
- x. Kunshan Liufeng Machinery Industry Co. Ltd., Suzhou City, Jiangsu Province, China PR.

55 In respect of the above exporters from China PR, who had submitted the required information in the sampling questionnaire, but not sampled, the Authority determined their net export price on the basis of the weighted average of the net export price determined in respect of the sampled exporters and accordingly the net export price in respect of the above listed non-sampled exporters from China PR is determined as US\$ ***per Kg.

Other Exporters From China PR

56 In respect of non-cooperating exporters from China PR, the Authority has determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Accordingly the net export in respect of the non-cooperating exporters from China PR has been determined as US\$ ***/Kg.

Exporters from Korea RP

57 The Authority notes that the following producers/exporters from Korea RP have submitted the sampling questionnaire:

- a. Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd, Wanju-gun, Chunbuk, Korea RP (Producer).
- b. G.M. Korea Co., Bupyeong-Gu, Incheon, Korea RP (Exporter).
- c. Hands Corporation, Gajwa-dong Seogu, Incheon, Korea RP (Producer).
- d. Hyundai Glovis Co. Ltd., Gangnam-gu, Seol, Korea RP (Exporter).

58 The Authority further notes that all the above listed producers and exporters from Korea RP have been selected in the sampling process:

- 59 The Authority notes that out of the above stated producers/exporters from Korea RP, Hands Corporation (producer), whose subject goods were claimed to have been exported by Hyundai Glovis Co. Ltd, has not filed exporters questionnaire response. However, Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP also filed sampling questionnaire and subsequently exporters questionnaire response along with the Chinese producers/exporters namely Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co., Ltd, China PR.
- 60 The Authority further notes that G.M. Korea Co., Korea RP has filed exporters questionnaire response claiming export of the subject goods produced by two Korean producers namely Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd. and Dayou Smart Aluminium Co. Ltd. Out of the above named producers from Korea RP, while Artisan Spirit & Alloy Co., Ltd has filed sampling questionnaire and also exporters questionnaire response on being sampled by the Authority, the other producer namely Dayou Smart Aluminium Co. Ltd., Korea RP did not file sampling questionnaire and therefore not sampled by the Authority. Dayou Smart Aluminium Co. Ltd., Korea RP also did not file exporters questionnaire response. The Authority notes that the exports of the subject goods made by G.M. Korea Co., Korea RP, produced by Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd., Korea RP, constituted less than 1% of the total exports made by GM Korea Company to India during the POI, whereas 99% of the exports made by GM Korea Company, produced by Dayou Smart Aluminium Co. Ltd., Korea RP, have not been responded before the Authority. In view of the fact that the exports made by G.M. Korea Co. Korea RP and produced by Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd. is insignificant and not representing a commercial volume, the Authority does not consider the export price claimed by G.M. Korea Co., Korea RP as representative of the export price of the total exports made by the company to India during the POI. Therefore the Authority does not accept the exporter's questionnaire response filed by G.M. Korea Co., Korea RP (exporter) and Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd., Korea RP (producer). Further it may be noted that M/s. Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd (producer) has not filed information with regard to costing/pricing as per the prescribed Appendixes by the Authority in spite of giving sufficient opportunity. In view of the above the Authority has not accepted the response of M/s Artisan Spirit & Alloy Co. Ltd. (producer).
61. The Authority further notes that except the exports made by Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP of the subject goods produced by Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd., China PR, none of the exporters from Korea RP are eligible for specific export price and therefore fall under the residual category. The Authority made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost as claimed by the petitioner in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level in case of Korea RP has been determined as US\$ ***/Kg

Exporters from Thailand.

62. There are no responses from Thailand. In light of the same export price in case of Thailand is determined on the basis of information available on record. The Authority made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, port expenses, inland freight, bank charges and credit cost as claimed by the petitioner in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level in case of Thailand has been determined as US\$ ***/Kg.

1. DUMPING MARGIN

Sampled Exporters from China PR

63. Considering the Normal value and Export prices as determined above, the dumping margins have been determined as follows for the sampled exporters from China PR:

Sl. No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	China-India	Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR	Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	35-45
2	China-India	Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, China PR	Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	60-70
3	China-	Zhejiang	Zhejiang	***	***	***	***	60-70

	India	Autom Aluminum Wheel Co. Ltd, China PR	Autom Aluminum Wheel Co. Ltd, China PR					
4	China- India	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	35-45
5	China- Hong kong- Korea- India	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP and Hyundai Mobilis , Hong Kong	***	***	***	***	45-55
6	Weighted average of Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR			***	***	***	***	45-55

Non Sampled Exporters from China

64. The dumping margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, has been determined on the basis of the weighted average of the dumping margins determined for aforesaid sampled exporters in terms of Rule 18(2) of the AD Rules. The weighted average dumping margin in respect of the non-sampled exporters from China PR is as per table below:

SI. No	Particulars	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR (Producer) and Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR (Exporter).			
2	Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
3	Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
4	Zhejiang Jinfei Kaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
5	Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR (Producer & Exporter).			
6	Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi , Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
7	Xiangyang Hengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR (Producer & Exporter).			
8	Kunshan Liufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR (Producer) and Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR (Exporter).	***	***	45-55

All other exporters from China PR

65. Dumping margin for all other non-cooperating exporters from China PR has been determined by the Authority on the basis of best available facts.

Particulars	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
All other Producers/Exporters	***	***	***	***	60-70

Dumping Margin in case of Korea RP.

Dumping Margin for Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP (exporter), Hyundai Mobis, Hong Kong (exporter) and Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd., China PR (producer)

66. The dumping margin in respect of Hyundai Glovis Co. Ltd., Korea RP (exporter), Hyundai Mobis , Hong Kong and Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd., China PR (producer) has been determined by the Authority as already been dealt in case of Producer M/s Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd., China PR.

Dumping Margin in case of all other exporters from Korea RP.

67. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin has been determined by the Authority with regard to Korea RP based on best available facts as per the table below;

Particulars	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	25-35

Dumping Margin in case of Thailand.

68. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin has been determined by the Authority with regard to Thailand based on best available facts as per the table below;

Particulars	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	20-30

H. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

INJURY EXAMINATION

Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

69. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties:

- i) The increasing imports from China are a natural result of the huge gap between high demand in India and insufficient supply capacity of Indian wheel industry. The petitioner company claiming to hold major proportion (though erroneously) is unable to meet even the half of total Indian demand for ARWs since it is an EOU unit and is obligated to export at least 50% of its goods and achieve a positive NFE. As a result, whenever demand arises, in the absence of permission from the Development Commissioner to the Applicant Domestic Producer to sale in the DTA, the consumers are forced to procure the subject goods from the other domestic producers or import.
- ii) Injury Margin 22% Capital Return Rate is too high to construct reasonable NIP. The Designated Authority should adopt the actual profit earned by the Domestic Industry during the period when there was no allegation of dumping as a basis for calculating reasonable return.
- iii) DGAD should follow the methodology as per Annexure III of the Anti-Dumping Rules for applying lesser duty Rule and not the one which is highly arbitrary to give undue advantage to the Domestic Industry.
- iv) The petitioner is exporting ARW to its subsidiary in USA and incurring huge losses. It is to be noted that the Petitioner has a huge outstanding receivables against its US subsidiary for 2010-11 for export of ARW. So the claim of the Petitioner that the Petitioner registered a significant growth in export market is incorrect.
- v) DGAD is required to examine the data of not only the petitioner company but also other domestic producers in the market. There are 5 producers in the market, as was stated by the Petitioner. That being the case, DGAD should direct Petitioner to submit information about the other producers or require other domestic producers to provide necessary information for the purposes of evaluating injury.
- vi) The petitioner has included semi-finished ARWs as well in the product scope without any justification. The semi-finished ARWs have more weight and less cost as compared to finished ARWs. DGAD should necessarily disregard any data provided with respect to semi-finished ARWs and conduct injury analysis based only on “FINISHED” ARWs.

- vii) While import prices have increased during the injury period, the selling price of the petitioner has remained stable throughout the injury period. Therefore, the claim of the petitioner that the dumped imports is affecting profitability and its inability to increase its selling price has no merit. There is no volume effect as well.
- viii) There has been a marked improvement in Production, Production capacity, sales, employment, productivity (per day as well as per employee), etc. Thus, injury claimed by domestic industry holds no merit.
- ix) Thereal cause for the alleged injury to the petitioner is not dumping of subject goods but rather due to other reasons such as the power outage, dismal export performance affecting domestic sales, competition with other domestic producers, Exchange rate fluctuation, inability to meet quality standards of OEM market, etc.
- x) There are two distinct market segments for the subject goods- OEM segment and aftermarket segment. The dynamics of OEM segment are completely different from aftermarket segment and therefore the injury analysis needs to be made separately. Australia in its findings has conducted separate injury and causation analysis for both OEM and After Market segments. OE sales are governed by long term contract between the supplier and the OE buyers. In contrast, the sales in the AM market segment are not subject to any such contractual obligations and hence they are price sensitive.
- xi) In the OE market segment, the wheels invariably include IPRs of the OE buyers whereas in the AM, these rights could be with the supplier or the buyers depending upon the contractual conditions. In either case, the important point is that the each of the two market segments is characterized by different pattern of IPR ownership.
- xii) Domestic industry failed to submit relevant information with regard to the existence of two different and distinct market segments namely Original Equipment Market Segment (OE) Replacement or After Sales Market Segment (AM). The wheels sold by the manufacturers in the OE market segment have different technical specifications, designs, branding and styling as compared to the goods manufactured exclusively for AM.
- xiii) Styling, weights as well as designs are determining factors for deciding the specificity of wheels. The Domestic Industry has deliberately not brought to the notice of the Authority the following facts. That the pricing of the wheels is a function of designs, styling, sizes, weights and finishes. Therefore, even if wheels manufactured by two different producers may fit into the same vehicle, the price can vary significantly on account of the above-mentioned factors.
- xiv) That each wheel supplied to the OE is as per the specific design, style and technical specifications provided the OE buyer. Therefore, each wheel supplied to the OE is unique and is invariably identified as a specific part number. The contention of the Domestic Industry that all wheels are interchangeable is incorrect.
- xv) There are legal and contractual obligations due to which it is not open to all the producers of ARWs to supply all the part numbers. Since the technical specifications, design and styling are largely an outcome of a collaborative effort of the OEM and the supplier, the market is distinct from normal commodity markets.
- xvi) Each part number procured by OEMs in India have to be necessarily approved by the Automotive Research Association of India (ARAI). The non-approved producers can at best sell wheels in the After Market Segment or the Replacement Market Segment (AM) which may fit into the vehicles but cannot be considered as a substitute either technically or commercially.
- xvii) The proposition of the Domestic Industry that the pricing of the wheels is primarily determined by the weight of the wheel is not only without any merit but also illogical. If this proposition is accepted, it would lead to a totally unacceptable conclusion that the higher the weight the higher would be the price. The reality is that lighter the wheel the more expensive it would be.
- xviii) The domestic industry is a 100% EOU unit, therefore by the virtue of EOU unit they have advantages in export market and some limitations to supply in the domestic market or are at disadvantageous footing compared to other domestic players. Thus the petitioner cannot sell any quantities in the local market unless they fulfill their obligations as mentioned under Chapter 6.5 and 6.8 of Foreign Trade Policy (FTP). Other domestic producers have no such obligation to fulfill. Such an obligation severely limits their ability to accept large contracts which are essential for OE supplies.
- xix) The applicant's total earning cannot exceed the upper limit of 50% of FOB value as set in the Chapter 6.8 of FTP. Therefore, applicant's total domestic sales value is only dependent on their export performance. If the Petitioner/ Domestic Industry do not export, they cannot sell in domestic market also. Such obligations are not prevailing with other domestic players. Therefore, it is obligatory on the Designated Authority to analyze their export performance over the entire injury investigation period and its impact on their ability to sell in the Indian market.
- xx) As stated earlier also, the applicant industry performance is totally dependent on the export performance only because unless their export revenue increases they cannot increase the price of their product in domestic market. If they increase their prices, without increase in export revenue then in that case, they will have to reduce their quantities in the domestic market as there is a cap on the domestic sales in terms of value. The domestic industry cannot increase their prices with the OE because of the long term commitments with them.

- xxi) The increase in import volumes in the period of investigation have to be evaluated after taking into consideration the fact that the orders for these supplies were placed at least 1-2 years in advance.
- xxii) Domestic Industry is in no position to increase its domestic sales as apparently they had already exceeded their DTA entitlement in the preceding years.
- xxiii) The cost of domestic industry needs to be adjusted appropriately on account of capacity, capacity utilization, high fixed overheads, price commitments in their long term contracts, cost structure provided at the time of bidding in tenders for OE market, etc.
- xxiv) The claim of the Domestic Industry's fall in profits is completely misleading as the claimed fall has to be examined in the context of their export performance and export obligations which have a direct bearing on their financial performance in the domestic market as well.
- xxv) The petitioner has claimed that production, capacity, capacity utilization and sales has been seriously injured by the imports from subject countries. The fact of significant increasing of capacity itself is contradictory to the petitioner's claim.
- xxvi) The petitioner claims that profitability of the domestic industry sharply and materially declined as an impact of dumping from subject countries and remained at negligible levels during the POI. However, it is difficult to understand why there could be a significant loss, while the cost of sales and domestic sales price remained stable during POI. The profit ratio of OEM ARW manufacturers is not determined by the OEM ARW manufacturers. Rather, it is ultimately determined by the car makers.
- xxvii) Petitioner has also claimed that it has lost substantial sale orders directly to the exporters from subject countries. However no supporting evidence in this regard seems to have been furnished by the petitioner in the public file.
- xxviii) The current exchange rate should be taken for injury analysis. If DGAD examines injury to domestic industry based on old exchange rate of 50.25 considered by petitioner instead of prevailing exchange rate, then the injury analysis will not reflect the correct picture and the exporters may infact be burdened with a higher rate of duty than the actual injury margin.
- xxix) Though petitioner managed to increase the capacity to some extent, however, petitioner could not increase the capacity further due to capital constraints. This is evident from the report of Kubera Cross Border Fund Ltd, the largest shareholder in the petitioner company, wherein it is stated that due to capital constraint, the management decided not to increase the capacity despite strong order book. Thus, it is evident that decision with respect to increase in capacity is not due to alleged dumped goods from subject countries.
- xxx) Domestic Industry has not provided much crucial information such as export sales, long term contract details and its implication on pricing and costing, in the absence of which no meaningful injury analysis can be made by the Authority with regard to injury as well as causal link.
- xxxi) As regards the issue of price undercutting and price underselling, it is reiterated that the Domestic Industry has given a misleading analysis to the Authority. The price comparisons ignore the fact that the material terms and conditions of the contract were finalized much before the date of actual supply.
- xxxii) There is no causal link between performance of Domestic Industry and imports of subject goods. Because of the nature of the auto industry and that of the subject goods, any claim of injury by the Domestic Industry in the period of investigation has to be analyzed only after getting full information regarding the timing and the terms and conditions of specific contracts.

Submissions made by the domestic industry

70. The following are the injury related submissions made by the domestic industry:
- i. It would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from subject countries since the goods involved are like articles and are competing in the same market, the imported products are being sold through the comparable channel of distribution and to comparable category of customers, products from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market and imports from subject countries are increasing.
 - ii. Authority should determine NIP for the domestic industry based on provisions of Annexure III to the AD rules.
 - iii. The demand of the product in the country shows a robust growth during the POI. However, share of domestic industry declined due to dumped imports.
 - iv. Imports from subject countries have increased in absolute term as also in relation to total imports, production and consumption in India. As a result, share of the domestic industry has declined steeply.
 - v. Weighted average import prices (after including basic customs duties and applicable edu.cess) have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus, resulting in significant price undercutting. Although import prices are showing increasing trend but such import prices are still significantly lower than net sales realization of the domestic industry.

- vi. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
- vii. The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from subject countries. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.
- viii. The domestic industry, despite available capacity, has not been able to take part in the increased demand owing to presence of dumped material and in turn faced huge losses of market share. Absence of dumped imports could have helped domestic industry to achieve legitimate and reasonable growth in the above parameters.
- ix. The profitability of the domestic industry sharply and materially declined as an impact of dumping from subject countries and remained at negligible levels during the POI.
- x. Market share of the domestic industry has severely declined whereas that of imports from subject countries has materially increased.
- xi. While the increase in demand of the product where almost absolutely absorbed by the dumped imports, the employments in absolute number have not increased to a level which could have been possible if the domestic industry was given a proper share of increase in demand.
- xii. Productivity of the domestic industry has increased significantly over the base year.
- xiii. Return on investments has taken deep dips. The current level of ROI is much less than the desirable and legitimate levels which should have been achieved by the domestic industry considering the huge investments it has made in the absence of dumped imports.
- xiv. Inventory during POI have significantly increased over the years.
- xv. Overall growth parameters of the domestic industry in terms of sales, capacity utilization, market share, profit per KG, PBIT, ROI etc has been negative.
- xvi. The entire increase in demand during POI as compared to previous years has been met through dumped imports despite unutilized capacity available with domestic industry.
- xvii. The dumping margin from subject countries is not only more than de-minimis levels but is very significant.
- xviii. Petitioner has lost substantial sale orders directly to exporters/producers form subject countries who offered dumped prices.
- xix. The domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of the subject goods from the subject countries.
- xx. There are no such long term contracts which could have caused injury to the petitioner. The reason is only dumping and any other suggestions by the respondent are merely misleading.
- xxi. Demand for the product is increasing based on the high penetration level of ARWs. However, all such increase in demands is imbibed by the dumped imports owing to the dumped prices offered by them. Question of petitioner meeting the entire Indian demand is a well settled issue as imposition of duties is only to correct the trade distorting effects of dumping and not to stop imports. In any case, India can meet the demand provided there is a level playing ground is provided in the Indian market.
- xxii. The contention that increase in imports are on account of demand supply gap in India is absolutely wrong. AD measures are not to stop imports. AD measures would correct the trade distorting effects of dumping. Imports can be allowed but not at dumped prices.
- xxiii. The price undercutting throughout the injury period is significant as there is significant difference between the prices offered by the Domestic Industry and producers/ exporters from subject countries. Thus, decline in market share of the domestic industry is a result of dumping.
- xxiv. Even when the domestic industry has been compelled to offer sub-optimal prices, it is losing sales on one hand and lowering profitability to the level which is unviable.
- xxv. Presence of import at very lower price preventing domestic industry to increase their price to the extent of increase in input cost, thus imports are suppressing the selling prices of the domestic industry.
- xxvi. Reduction in profits directly resulted in deterioration in return on capital employed and cash profits. The domestic industry has not been able to cover the cost of capital. Thus, deterioration in profits, return on capital employed and also cash flow and cash profit is directly due to dumped imports.
- xxvii. Decline in sales volumes has adversely affected the production and capacity utilization. Thus, decline in growth of production and capacity utilization is due to dumped imports.
- xxviii. Contentions with regard to power constraints causing injury to the DI are out of place. The fact of the matter is DI could not produce and sell to the extent possible because of the presence of severe competition from dumped materials from subject countries.

Examination by the Authority

71. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
72. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

73. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as below:

- i. As regards the submission that the increasing imports from China are a natural result of the huge gap between high demand in India and insufficient supply capacity of Indian wheel industry, the Authority notes that lack of adequate capacity with the domestic industry does not justify dumped imports. Moreover, anti-dumping measures are not intended to prevent imports but rather to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis the dumped imports.
- ii. As regards the submission that the petitioner company being an 100% EOU is not capable of meeting the domestic demand, unless it fulfills its export obligation, the Authority notes that as per the Foreign Trade Policy of India Units, other than gems and jewellery units, may sell goods upto 50% of FOB value of exports, subject to fulfillment of positive NFE, on payment of concessional duties. Further, EOU/EHTP/STP/BTP units can also sell finished products, except pepper and pepper products and marble, which are freely importable under FTP in DTA, under intimation to DC, against payment of full duties, provided they have achieved positive NFE. The domestic industry does enjoy positive NFE during the POI as per the provisions of the Foreign Trade Policy.
- iii. As regards the submission that 22% Capital Return Rate is too high, the authority notes that the NIP for the domestic industry has been determined as per the provisions of Annexure III to the anti-dumping Rules and consistent practices followed by the Authority.
- iv. As regards the submissions that the petitioner is exporting ARW to its subsidiary in USA and incurring huge losses, the Authority notes the injury analysis in the present investigation has been conducted after segregating the domestic and export performance of the domestic industry. Therefore, the contention that the losses, if any, incurred by the domestic industry on account of its exports does not have material impact on the injury analysis conducted by the Authority.
- v. As regards the submissions that DGAD is required to examine the data of not only the petitioner company but also other domestic producers in the market, the authority notes that the petitioner company constitutes domestic industry under the Rules. Moreover, the other domestic producers during the POI have not filed the required information despite request by the Authority.
- vi. As regards the submission that the petitioner has included semi-finished ARWs as well in the product scope without any justification and therefore the same should be excluded from the injury analysis, the Authority notes that the PUC includes the semi-finished ARW as well to avoid circumvention. Nevertheless, the injury analysis conducted by the Authority does not include the semi-finished ARW.
- vii. As regards the submission that there are two distinct market segments for the subject goods— OEM segment and aftermarket segment and the injury analysis should be done separately, the Authority notes that the difference in the segments of the market does not constitute the product under consideration different. Styling, weights as well as designs including proprietary rights or patenting also do not make the products different. The objective of the anti-dumping investigation is to ascertain injury to the domestic industry, if any, on account of dumping of the subject goods from the subject countries. The segmental nature of the market does not vitiate the injury analysis done by the authority in the present investigation.

- viii. The Authority notes that the contention that pricing of the wheels is not determined by the weight of the wheels, but rather by the style and design of the wheels, is not correct. While the size, style, design, quality, brand, patent, etc. may contribute to the price of a product in the market, the primary determinant factor for the cost and price of a product is the price of the inputs that has gone in the product.
- ix. With regard to the contention that the real cause for the alleged injury to the petitioner is not dumping of subject goods but rather due to other reasons such as the power outage, dismal export performance affecting domestic sales, competition with other domestic producers, Exchange rate fluctuation, inability to meet quality standards of OEM market etc it is noted that the capacity utilization during the POI has increased significantly as compared to base year but marginally declined as compared to previous year. Thus, there seems to be no impact on capacity utilization on account of power outage.
- x. With regard to other contentions of the interested parties, the Authority has appropriately dealt with the same in the preceding paragraphs and also herein below;

I. Cumulative Assessment

- 74. The Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that ;
 - i. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article; and
 - ii. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- 75. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that :
 - i. The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the *de-minimis* limit;
 - ii. The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis;
 - iii. Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;
- 76. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limits prescribed above.
- 77. Annexure-II of the Anti-dumping Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 78. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows:

The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.
- 79. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales

quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

J. Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

a) Demand and market share

80. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

i) Demand

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Demand	MT	7,298	9,913	16,006	16,410
Indexed	Trend	100	136	219	225
Imports from Subject Countries	MT	3,066	4,719	12,039	12,497
Imports from Other Countries	MT	1,317	1,420	531	550
Sales of Domestic Industry	MT	2,545	2,966	2,636	2,603
Sales of other Indian Producers (Estimated)	MT	370	808	800	760

ii) Market Share in Demand

81. Considering imports from various sources and sales of the Indian Producers, market share of subject imports in demand in India was examined. Factual position is as follows.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Imports from Subject Countries	%	42.01	47.61	75.21	76.15
Imports from Other Countries	%	18.04	14.32	3.32	3.35
Sales of Domestic Industry	%	34.87	29.92	16.47	15.86
Sales of other Indian Producers	%	5.07	8.15	5.00	4.63

82. It is seen that the demand for the product increased significantly in the country throughout the injury period and also during the POI. While the share of imports from subject countries which was 42.01% in the base year has increased to 76.15% in the POI, the share of domestic industry has declined from 34.87% in the base year to 15.86% in the POI. Thus, the imports from subject countries constituted a significant increase, whilst the share of domestic industry showed declining trends.

b) Import volume and market share

83. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods as provided by the petitioner (which is based on secondary source import data i.e IBIS). After comparing the import data from the secondary sources (IBIS) as furnished by the domestic industry with the import data received from the DGCI&S, the Authority notes that in terms of volume of imports into India from subject countries, data from both the sources do not show significant differences, however, the unit prices reported by DGCI&S are abnormally low vis-à-vis the price reported by IBIS. Therefore, the Authority has relied upon the secondary sources (IBIS) data furnished by the domestic industry for the purpose of this preliminary finding. The import volumes from subject countries are found to be above the *de-minimis* levels as can be seen from the table below.

84. Imports volume from subject country and other countries has been as under:-

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Volume	Subject Countries	MT	3,066	4,719	12,039
	Other countries	MT	1,317	1,420	531
	Total imports	MT	4,383	6,139	12,570
Market Share in Imports	Subject Countries	%	69.96	76.88	95.77
	Other countries	%	30.04	23.12	4.23

85. It is observed from the above table that imports from subject countries increased significantly. It is also noted that imports from subject countries account very significant proportion of total imports of product under consideration in India.

c) Share of dumped imports in relation to production

86. Authority observes that the dumped imports from subject countries have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Imports from Subject Countries	MT	3,066	4,719	12,039	12,497
Production of domestic industry	MT	3,361	5,496	5,818	5,715
Dumped Imports in relation to production of domestic industry.	%	91.23	85.88	206.94	218.65

e) Capacity & capacity utilization

87. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Capacity MT	MT	6,760	6,760	8,060	8,060
Capacity utilization	%	49.72	81.30	72.18	70.91

88. It is observed that capacity utilization of the domestic industry increased upto 2010-11, but declined thereafter including the POI. Domestic industry claimed that such decline in capacity utilization is the direct impact of increase in dumped imports in the same period. Decline in capacity utilization, when there is an increase in the demand, shows adverse impacts on the domestic industry due to absorption of such increase in demand by dumped imports.

89. It is further observed that there has been an enhancement of capacity in the period 2011-12. As submitted by the petitioner such capacity enhancement was considering the novelty of the product and the growing demand. However, the domestic industry is unable to increase its production accordingly in the event of huge presence of dumped imports in the country.

f) Production

90. Production data of the domestic industry is given in the following table:-

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production MT	MT	3,361	5,496	5,818	5,715
Trend	Indexed	100	164	173	170
Demand	MT	7,298	9,913	16,006	16,409
Trend	Indexed	100	136	219	225
Production in relation to Demand	%	46.06	55.44	36.35	34.83

91. It is observed that production of the domestic industry has increased up to 2011-12. However, declined in the POI, whereas demand in the same period has increased significantly. The domestic industry has submitted that, even when demand increased sharply, the dumped imports prevented the domestic industry to increase its production.

g) Sales volume

92. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Domestic sales	MT	2,545	2,966	2,636	2,603
Trend	Indexed	100	117	104	102
Demand	MT	7,298	9,913	16,006	16,409
Trend	Indexed	100	136	219	225
Market Share of domestic industry in Demand	%	34.87	29.92	16.47	15.86

93. It is observed from the above table that sales of the domestic industry has showed increasing trend between 2009-10 and 2010-11 and declined thereafter till POI. While the demand for the product has increasing significantly during the injury period, the sales of the domestic industry show stagnant or marginally increased. The domestic industry has claimed that the situation arises because of the impact of dumped imports. Resultantly, the domestic industry lost significant market share.

K. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

94. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

i. Price Undercutting

95. The net sales realization was arrived after deducting outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry as per the table below:

China PR

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	188.83	208.96	224.22	238.78
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range	25-35	15 - 25	25-35	15 to 25

Korea RP

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	220.48	232.01	251.83	256.68
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	15-25	10-20	15-25	15 - 25

Thailand

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	220.36	247.36	258.14	262.84
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	15-25	5-15	15-25	10-20

Subject Countries

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Landed Value	Rs./KG	201.64	216.67	232.17	242.22
Net Sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	20 - 30	15 - 25	20-30	15 - 25

96. It is observed from the above table that imports are undercutting prices of domestic industry. Even though the landed price showed increases over the years, they were still well below the prices offered by domestic industry.

ii. Price Underselling

97. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the

Anti-dumping Rules. The analysis shows that the landed value of subject imports was below the non-injurious price as can be seen from the table below.

Particulars	Unit	China PR	Korea	Thailand
Non-injurious price	Rs/KG	***	***	***
Landed price (POI)	Rs/KG	238.78	256.68	262.84
Price underselling	Rs/KG	***	***	***
Underselling	%	***	***	***
Underselling	%Range	25 - 35	20-30	20-30

iii. Price suppression/depression

98. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./KG	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	103	119	119
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	101	118	113
Landed Value	Rs./KG	201.64	216.67	232.17	242.22

99. It can be seen from the table above that the cost of production has increased from 100 to 119 from 2009-10 to POI, the selling price increased only from 100 to 113 during the same period, thereby the prices were suppressed on account of dumped imports, as the domestic industry was not able to increase its prices in proportionate to increase in costs. Even though the landed prices have increased over the years, they are lower than the sales realization of the domestic industry during the POI. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry.

L. Economic parameters of the domestic industry

i. Profit/Loss

100. The profitability of the domestic industry is given in the following table;

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Profits	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	76	106	50
Cash Profit	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	80	98	66
ROCE	%	***	***	***	***
	Indexed	100	71	69	38

101. It is seen from the above table that profitability of the domestic industry declined significantly during the injury period except 2011-12. Cash profits as well as return on investment have declined in the POI compared to base year as well as the previous year.

ii. Cash Flow

Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cash profits	Rs./KG	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	80	98	66

102. It is seen that the cash profits of the domestic industry declined over the injury period. The decline was consistently occurring every year except 2011-12.

iii. Inventories

103. Inventories with the domestic industry moved as follows;

Particulars	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Average Stock	MT	234	395	935	1,075
Stock as no. of days sale	Days	9	9	22	25

104. It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

iv. Productivity

105. Authority notes that productivity of the domestic industry shows same trend as that of production. Productivity was increasing till 2011-12 and declined in POI.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity per employee	MT/Nos.	***	***	***	***
Productivity per day	MT/day	9.21	15.06	15.94	15.66

v. Employment and Wages

106. It is seen from the table below that the employment level has increased throughout the injury period and was stagnant in the POI. Overall wages per kg, however, showed declines in POI as compared to the base year as well as the previous year.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
	Indexed	100	116	140	140
Wages	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	84	95	98

Magnitude of Dumping

107. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above de minimis and significant.

vi. Growth

108. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, capacity utilization, ROI was negative. The domestic industry has submitted that they were prohibited from taking benefits of increasing demand on account of increases in the dumped imports with significant price undercutting.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production	%		63.51	5.86	(1.76)
Capacity Utilisation	%		31.58	(9.12)	(1.27)
Domestic sales	%		16.54	(11.12)	(1.26)
Inventory	%		68.42	136.94	15.01
Profit/ KG	%		23.95	38.86	(52.56)
ROI	%		(3.43)	(0.19)	(3.71)

vii. Ability to raise capital investment

109. Authority notes from the submissions of the applicant that ARWs are new generation product and the investments were made by the domestic industry in the production of ARWs expecting to capitalize on the upcoming huge demand of the product in the country. However, dumped imports started to reach Indian market at a time the product started to gain momentum in India and any such increase in demand were absorbed by such dumped imports.

110. It is further noted that the domestic industry's ability to pump in any additional investments in the product depends upon the market situation as it is evident that the market share of the domestic industry has marked some sharp declines by the POI. Hence, dumping of the product would certainly have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

M. Conclusion on material injury

111. In view of the above, the Authority provisionally concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. On examination of various injury parameters, the Authority finds that imports from subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption in India. Imports of the product were undercutting the prices of the domestic industry in the market. Further, whereas cost of production kept increasing over the injury period, even though the selling prices also increased, the increase in selling price was significantly lower than increase in the cost of production. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increases that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is found that demand for the product increased very significantly however production and sales of the domestic industry declined as dumped imports marked very significant

increase. Resultantly, the domestic industry lost market share which in turn impacted other performance parameters. Thus the Authority concludes that the domestic industry has suffered a material injury.

112. The domestic industry was faced with significant unutilized capacities in a situation where the demand for the product is quite significant in the market. Profitability of the domestic industry declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Thus, growth in respect of most of the parameters such as production, sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc shows an adverse impact on the domestic industry. It is thus provisionally concluded that the domestic industry has suffered material injury.

N. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

113. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

(a) Volume and prices of imports from third countries

114. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries have been insignificant in volume. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

(b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

115. It is noted that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject countries compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is also noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry. On the other hand, as submitted by the domestic industry, EU and Australia have imposed anti-dumping duties on ARWs exported by China PR which could in fact put the producers from China under further pressure to dump the material in India.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

116. The Authority notes that demand for the product showed significant increase during the injury period and also during POI. The Authority thus provisionally concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

(d) Development in Technology

117. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(e) Export performance of Domestic Industry;

118. The details of exports by the petitioner are as follows;

Period	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Volume in MT	***	***	***	***
Indexed	100	322	324	326

119. Performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Exports by the domestic industry showed robust growth during the injury period and also POI. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of any injury. In any case, the Authority has considered only domestic operations in order to ascertain impact on price parameters.

(f) Productivity of the Domestic Industry

120. Productivity of the domestic industry increased consistently. However, regardless of changes in productivity levels, the profitability of the domestic industry showed continued decline.

121. From the foregoing, the Authority provisionally concludes that there is no evidence of injury being caused due to other factors.

O. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

122. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a) Significant increase in the demand coincided with significant increase in imports from subject countries brushed aside the domestic industry from its share in the domestic market;
- b) Imports from subject countries are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly;

- c) Price undercutting being caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from increasing its prices. On the contrary, the domestic industry has been forced to reduce the prices whereas the cost of production increased over the injury period;
- d) Increase in import volumes and the import prices forced the domestic industry to reduce the prices;
- e) The price depression effect of dumped imports is visible on significant decline in profitability to the domestic industry;
- f) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are directly a result of dumped imports;
- g) Market share of the dumped imports increased significantly and consequently, market share of the domestic industry declined;
- h) The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of price related economic parameters and also volume parameters.

123. The Authority is of the view that the above grounds clearly establish existence of causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry. Thus the Authority concludes for the purpose of the present preliminary findings that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

P. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

124. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries.

Sl. No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Non Injurious Price - US\$/Kg	Landed price - US\$/Kg	Injury Margin - US\$/Kg	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
1	China-India	Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR	Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	45-55
2	China-India	Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, China PR	Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	60-70
3	China-India	Zhejiang AutomAluminum Wheel Co. Ltd, China PR	Zhejiang AutomAluminum Wheel Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	65-75
4	China-India	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	***	***	***	***	30-40
5	China-Hongkong-Korea-India	Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR	Hyundai Glovis Co. Ltd, Korea RP and Hyundai Mobis, Hong Kong	***	***	***	***	25-35
6	Weighted average of Baoding Lizhong Wheel Manufacturing Co. Ltd, China PR			***	***	***	***	25-35

Non Sampled Exporters from China

125. The injury margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, has been determined on the basis of the weighted average of the injury margins determined for aforesaid sampled exporters. The weighted average injury margin in respect of the non-sampled exporters from China PR is as per table below:

SI. No.	Particulars	Injury Margin - US\$/Kg	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
1	Seyen Heavy Industries (Shanghai) Co., Ltd, Shanghai, China PR (Producer) and Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR (Exporter).			
2	Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co., Ltd, Wangzhai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
3	Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
4	Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
5	Wuxi City Wanxuan Metal Production Co., Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR (Producer & Exporter).			
6	Zhejiang Shuguang Industrial Co., Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).			
7	XiangyangHengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR (Producer & Exporter).			
8	KunshanLiufeng Machinery Industry Co. Ltd, Suzhou City, Jiangsu Province, China PR (Producer) and Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR (Exporter).	***	***	30-40

All other exporters from China PR

126. Injury margin for all other non-cooperating exporters from China PR has been determined by the Authority on the basis of best available facts.

Particulars	Non Injurious Price-US\$/Kg	Landed price - US\$/Kg	Injury Margin - US\$/Kg	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
All other Producers/Exporters	***	***	***	***	60-70

127. In case of Korea RP and Thailand non-injurious price for the domestic industry has been compared with the landed prices of imports into India as there are no/deficient responses in effect and the margins of injury has been compared with the margins of dumping for application of lesser duty. The injury margin so determined is as follows:

Sl. No.	Particulars	Non Injurious Price - US\$/Kg	Landed price - US\$/Kg	Injury Margin - US\$/Kg	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
1	All Producers/Exporters from Korea RP	***	***	***	***	25-35
2	All Producers/Exporters from Thailand	***	***	***	***	20-30

Q. CONCLUSIONS:

128. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority provisionally concludes that:

- a. The product under consideration has been exported to India from subject countries below its normal value, thus resulting in dumping of the product.
- b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration.
- c. The material injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

R. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

129. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

130. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

S. RECOMMENDATIONS

131. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and having provisionally established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder;

132. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount mentioned in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of this notification, in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from China PR, Korea RP and Thailand.

DUTY TABLE

SI.No	Heading / Subheading*	Description of goods **	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8708 70	“Cast Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels(ARW) used in Motor Vehicles, whether or not attached with their accessories, of a size in diameters ranging from 12 inches to 24 inches”	China PR	China PR	Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR	Zhejiang Yueling Co. Ltd, China PR	1.56	KG	US\$
2	do	do	China PR	China PR	Zhejiang Buyang Auto Co. Ltd, China PR	Zhejiang Buyang Auto Wheel Co. Ltd., China PR	2.08	KG	US\$
3	do	do	China PR	China PR	Zhejiang Autom Aluminium Wheels Co. Ltd, China PR	Zhejiang Autom Aluminium Wheels Co. Ltd., China PR	2.14	KG	US\$
4	do	do	China PR	China PR	Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR	Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd., China PR	1.37	KG	US\$
5	do	do	China PR	China PR	Baoding Lizhong Wheels Manufacturing Co. Ltd, China PR	Hyundai Mobis, Hong Kong and Hyundai Glovis Co.Ltd., Korea RP	1.37	KG	US\$
6	do	do	China PR	China PR	Non-Sampled Producer/exporters as per list ***	Non-Sampled Producer/exporters as per list ***	1.69	KG	US\$
7	do	do	China	China	Any combination other than		2.15	KG	KG

			PR	PR	mentioned in Sl No. 1 to 6 above					
8	do	do	China PR	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	Any	2.15	KG	US\$
9	do	do	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	China PR	Any	Any	Any	2.15	KG	US\$
10	do	do	Korea RP	Korea RP	Any	Any	Any	1.18	KG	US\$
11	do	do	Korea RP	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	Any	1.18	KG	US\$
12			Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Korea RP	Any	Any	Any	1.18	KG	US\$
13	do	do	Thailand	Thailand	Any	Any	Any	1.06	KG	US\$
14	do	do	Thailand	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	Any	1.06	KG	US\$
15			Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Thailand	Any	Any	Any	1.06	KG	US\$

* The subject goods are also being imported under other tariff headings such as 87087000, 87082900, 87089900, 87149290, 87149990, 87089400, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

** Aluminium Alloy Wheels or Alloy Road Wheels (ARW) meant for Two Wheelers are excluded from the purview of the Product Under Consideration.

***** List of Non-sampled exporters from China PR**

- i. Seyer Heavy Industries (Shanghai) Co. Ltd., Shanghai, China PR (Producer) and Shanghai General Motors Corporation Ltd, Pudong, Shanghai, China PR (Exporter).
- ii. Zhejiang Baokang Wheel Manufacture Co. Ltd., Wangzai Town, Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- iii. Zhejiang Zent Auto Wheel Co. Ltd., Yongkang City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- iv. Zhejiang JinfeiKaida Wheel Co, Ltd., Jinhua City, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- v. Wuxi City Wanxuan Metal Production Co. Ltd., Wuxi City, Jiangsu, China PR (Producer & Exporter)..
- vi. Zhejiang Shuguang Industrial Co. Ltd., Wuyi, Zhejiang, China PR (Producer & Exporter).
- vii. Xiangyang Hengde Auto Parts Co. Ltd., Xiangyang, Hubei Province, China PR (Producer & Exporter).
- viii. Kunshan Liufeng Machinery Industry Co. Ltd., Suzhou City, Jiangsu Province, China PR (Producer) and Lio Fung International Corporation, Kunshan Development Zone, Jiangsu Province, China PR (Exporter).

T. FURTHER PROCEDURE

133. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:—

- a. The Authority invites comments on these provisional findings from all interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would disclose essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing final findings.

J. S. DEEPAK, Designated Authority